जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 105 प्रभात बीकानेर, बुधवार 6 नवम्बर, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

23 नवम्बर को वायनाड की संसदीय सीट के चुनाव बाद नये संतुलन बनेंगे लोकसभा में?

जैसी की उम्मीद है, प्रियंका गांधी जीतेंगी तथा कांग्रेस में दो टीम उभरेंगी लोकसभा में, राहुल गांधी की टीम व प्रियंका गांधी की टीम

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। ऐसी आशा की जा रही है कि अगर 23 नवम्बर को प्रियंका गांधी वायनाड से लोकसभा के लिए निर्वाचित हो जाती हैं तो कांग्रेस पार्टी के अन्दर तथा संसद में सत्ता के संतुलन में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवम्बर को शुरू होगा तथा इस सत्र के दौरान, लोकसभा और राज्यसभा में गांधी परिवार के तीन सदस्य पहली बार दिखाई देंगे।

जहां पार्टी के दो ताकतवर नेता सोनिया गांधी तथा मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में होंगे, वहीं सबकी निगाहें लोकसभा पर लगी होंगी, जहां राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी मौजूद होंगे।

लोकसभा में ही सत्ता की असली राजनीति दिखाई देगी।

प्रियंका ने अपने लिए किस प्रकार की भूमिका सोच रखी है इस बारे में काफी अटकलें चल रही हैं।

राहुल गांधी हर मौके पर नज़र आने वाले राजनेता नहीं हैं तथा वे सदन में बहुत ज्यादा समय गुजारने में विश्वास नहीं रखते।

- राहुल व प्रियंका की राजनीतिक स्टाइल में काफी अन्तर है। राहुल गांधी ज्यादा समय सदन में गुजारने में विश्वास नहीं रखते, और हर समय प्रतिद्वंदी पार्टी से हर मौके पर पंजा लड़ाने में रुचि नहीं रखते।
- पर प्रियंका गांधी ''हैण्ड्स ऑन'' राजनीतिज्ञ हैं, तथा सदन में सत्ता पक्ष से भिड़ने का कोई मौका गंवाना नहीं चाहतीं, और चाहेंगी कि उनकी महिला ब्रिगेड व समर्थकों की जमात उनके बगल में खड़ी रहे, सत्तापक्ष से लोहा लेने के लिए। अतः शीघ्र ही प्रियंका गांधी अपना एक और नया ''पावर सेन्टर'' खड़ा कर लेंगी।
- इसी प्रकार प्रियंका गांधी संगठन में भी सक्रिय होंगी, तथा अपने टीम के लोगों को और पद दिलाना चाहेंगी, अतः देखना यह है कि प्रियंका कितनी बड़ी व शक्तिशाली टीम बना पाती हैं।
- यह देखना काफी रोचक रहेगा कि कांग्रेस का कौन सा नेता किस टीम से जुड़ने का प्रयास कर रहा है।

ऐसी आशा की जा रही है कि प्रियंका लोकसभा में हमेशा नज़र आने वाली नेता के रूप में अपनी पूरी ''फार्म'' में रहेंगी तथा पार्टी के बहुत सारे सांसद, जिनमें पार्टी की महिला ब्रिगेड भी शामिल है, हर वक्त उनके साथ खड़े दिखाई देंगे।

राहुल गांधी की टीम को यह भी आशंका है कि चुनावी राजनीति में प्रियंका गांधी के प्रवेश से पार्टी में सत्ता का एक नया ढ़ांचा अस्तित्व में आयेगा। यही कारण है कि राहुल गांधी, प्रियंका के चुनावी राजनीति में आगमन बहुत ज्यादा उत्कंठित नहीं थे।

राहुल गांधी के दायें हाथ माने जाने वाले के. सी. वेणुगोपाल वायनाड में पूरा समय दे रहे हैं क्योंकि वे प्रियंका गांधी के साथ ''वर्किंग रिलेशनशिप'' बनाना चाहते हैं। दरअसल, ऐसा माना जा रहा है कि नियुक्तियों, पदोन्नतियों तथा पद से हटाने में अब प्रियंका गांधी की ज्यादा चलेगी।

सभी लोगों की नज़रें इन भाई-बहिन पर हैं कि इनमें से कौन किस दिशा में जाता है तथा प्रियंका गांधी अपने सहयोग के लिए कितने ज्यादा सक्षम एवं समर्पित लोग तैयार कर सकती हैं।

अब ऐसी आशा की जा रही है कि अब प्रियंका संगठन में स्वयं को ज्यादा मजबूत एवं प्रबल बनायेंगी तथा अपने कुछ विश्वस्त लोगों को संगठन में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'यूपी मदरसा एक्ट संवैधानिक रूप से वैध है'

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को ''यू.पी. मदरसा एजुकेशन एक्ट, 2004'' के संवैधानिक वैधता का समर्थन करते

- सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश रद्द किया, जिसमें यूपी मदरसा एक्ट को असंवैधानिक बताया गया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''जे.एम.एम.'' यानि ''जमकर मलाई मारो''

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 नवंबर। मंगलवार को झारखण्ड के हटिया और लोकर

- केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने झारखंड की एक चुनावी सभा में झारखंड मुक्ति मोर्चा पर भारी भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए टिप्पणी की।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद भारी हिंसा होगी ?

आशंका इसलिए है, क्योंकि, मतदान सर्वेक्षकों का मानना है कि, दोनों उम्मीदवारों में से कोई भी स्पष्ट रूप से नहीं जीत पाएगा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। अमेरिका में अनियमितता के माहौल और इन खबरों के बीच मतदान हुआ है कि चुनाव नतीजे आने के बाद राजनैतिक असंतोष व हिंसा हो सकती है। देश भर के मतदान केन्द्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है खास तौर से उन स्टेट्स में जहां मुकाबला बेहद कड़ा है। राजनैतिक विशेषज्ञों का अनुमान है कि 6 जनवरी 2020 को ट्रम्प के हारने के बाद कैपिटल हिल के जो हिंसा व तोड़फोड़ हुई थी वही स्थिति फिर से पैदा हो सकती है।

चैट जी पीटी द्वारा सृजित नॉस्ट्रडैमस के ए.आई. संस्करण ने भविष्यवाणी की है कि दोनों में से कोई भी प्रत्याशी पूरी तरह से नहीं जीतेगा। इसने चुनाव नतीजे के बाद अराजकता पैदा होने की बात कही है। नॉस्ट्रडैमस 16वीं सदी के फ्रैंच भविष्यवक्ता भौतिक शास्त्री तथा संत थे उनके लेखन में भविष्य की घटनाओं की भविष्यवाणियां निहित हैं, जिनमें युद्ध, प्राकृतिक आपदाएं और राजनैतिक हस्तियों का उदय प्रमुख हैं।

ए.आई. की भविष्यवाणी के अनुसार ''अंतिम क्षणों के एक ट्विस्ट हो सकता है और कोई भी कुर्सी पर दावा करने की स्थिति में नहीं होगा।'' इसका अर्थ है ट्रम्प और हैरिस दोनों में से किसी को भी स्पष्ट जीत नहीं मिलेगी। अगर ऐसा हुआ तो अमेरिकन संविधान के बारहवे संशोधन के अनुसार हाउस ऑफ रिप्रैजैंटेटिव्स प्रतिनिधि सभा, विजेता का निर्णय करेगा। ऐसी स्थिति में एक प्रत्याशी को जीतने के लिए सदन का बहुमत

- सोलहवीं शताब्दी के भविष्य वक्ता नॉस्ट्रडेमस के, चैट जी.पी.टी. द्वारा तैयार ए.आई. संस्करण की भविष्यवाणी भी यह ही जता रही है कि, ट्रम्प व हैरिस दोनों राष्ट्रपति का चुनाव नहीं जीत पायेंगे।
- इसका मतलब यह लगाया जा रहा है कि न तो ट्रम्प और न ही हैरिस साफ-सुथरी स्पष्ट जीत हासिल कर पायेंगे।
- अगर ऐसा हुआ तो हाउस ऑफ रिप्रज़ेन्टेटिव ही बहुमत से निर्णय लेगा कि किसे राष्ट्रपति बनाया जाये।
- इस अनिश्चितता की स्थिति में ए.आई. का मानना है कि तनाव बढ़ेगा, तथा हिंसा फैलेगी।
- हिंसा की आशंका के कारण, पोलिंग स्टेशन्स पर सुरक्षा सुदृढ़ की गई है।
- सर्वे के अनुसार केवल 29 प्रतिशत अमेरिकी मानते हैं कि, ट्रम्प अपनी हार आसानी से, शांति से स्वीकार कर लेंगे।
- मजे की बात यह भी है कि, 20 प्रतिशत अमेरिकी मन से हिंसा का समर्थन करते हैं, उनका मानना है कि हिंसा आवश्यक है देश के हालात सही करने के लिए, देश को सही दिशा में ले जाने के लिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

धन ना भी हो तो आरोग्य, विद्वता सज्जन-मैत्री तथा स्वाधीनता मनुष्य के महान ऐश्वर्य हैं। -अज्ञात

स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण के खतरों को समझने की जरूरत

इंडियन मेडिकल एसोशिएशन (आईएमए) के अध्यक्ष डॉ. आर. वी. अशोकन ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में लिखा है कि कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में जो हुआ, उसने देश के मेडिकल कॉलेजों में फैली सड़ांध को सामने ला दिया है। चिकित्सकों के सर्वोच्च संगठन का अध्यक्ष यदि ऐसा कहता है तो उसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। बाद में एक भेंटवार्ता में उन्होंने अपनी इस टिप्पणी को व्याख्यायित भी किया है। किसी को अच्छा लगे या न लगे, डॉ. अशोकन देश में मेडिकल क्षेत्र में आई गिरावट के लिये उसके निजीकरण को मानते हैं। वे कहते हैं कि इसकी शुरुआत सरकार द्वारा लोगों की स्वास्थ्य सेवा संबंधी जरूरतों को निजी हाथों में सौंपने से हुई है। खुद सरकार के आंकड़ों का विश्लेषण भी यही बताता है। जैसे देश में स्वास्थ्य सेवा पर कुल खर्च जीडीपी का करीब 3.9 प्रतिशत है, जिसमें सरकार का योगदान 1.1 प्रतिशत है और निजी क्षेत्र का योगदान 2.8 प्रतिशत है।

इसका मतलब है कि निजी क्षेत्र स्वास्थ्य सेवा पर सार्वजनिक क्षेत्र से दो गुना ज्यादा खटच करता है। यह बहुत स्पष्ट है कि स्वास्थ्य सेवाओं से अपना पल्ला झाड़ते हुए सरकार ने निजीकरण की जो राह पकडी है उसका असर मेडिकल के किसी एक क्षेत्र में नहीं बल्कि सर्वत्र हुआ है। सरकारी नीति परिवर्तन से सार्वजनिक क्षेत्र में नये पदों का सृजन लगभग बंद हो गया। मेडिकल अधिकारियों की भर्ती पिछली बार कब हुई किसी को याद नहीं। नई नीतियों के चलते बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में मेडिकल अधिकारियों की संख्या नहीं बढ़ी है और स्वास्थ्य व्यवस्था अंदर से खोखली होती चली गई है। सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में भी तदर्थ नियुक्तियों का चलन आम हो गया है। परंपरागत व्यवस्था को दरकिनार करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की समानांतर व्यवस्था बना दी गई है। ऐसा सार्वजनिक निवेश की कमी और स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा को निजी क्षेत्र को सौंपने के कारण हुआ है। चूंकि एमबीबीएस डॉक्टरों में बहुत अधिक बेरोजगारी है, इसलिए पोस्ट-ग्रेजुएशन करने के अलावा उनके सामने कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि जब तक उनके पास विशेषज्ञता न हो, हर एमबीबीएस स्नातक अपने को बेकार महसूस करता है। दूसरी तरफ हर साल, एक लाख दस हजार छात्र एमबीबीएस पास करते हैं, लेकिन केवल 65,000 पोस्ट ग्रेजुएट सीटें हैं। इसलिए, हर साल, 45,000 एमबीबीएस स्नातकों को पोस्ट-ग्रेजुएशन के लिए प्रवेश नहीं मिलता है। वे इसे छोड़ने या कुछ और करने से पहले कम से कम तीन प्रयास करते हैं। फिर उन एमबीबीएस स्नातकों की संख्या की भी गणना करें जो कोचिंग सेंटरों में रह जाते हैं! तो, डेढ़ लाख छात्र अपना समय कोचिंग सेंटरों में बिताते हैं क्योंकि उनके पास भी और कोई विकल्प नहीं है। एक तरफ सरकार मेडिकल अधिकारियों की भर्ती नहीं कर रही है, और दूसरी तरफ सिर्फ़ एमबीबीएस की डिग्री लेकर कोई अपनी क्लिनिक नहीं खोल सकता। हम पाते हैं कि एमबीबीएस किए हुए युवाओं को दिहाड़ी मज़दूरी पर रात की नौकरी करनी पड़ती है।

क्या पश्चिम बंगाल के अस्पताल में हुई दुभाग्यपूर्ण घटना जैसी सारी समस्याएं तब शुरू हुईं जब सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा से हटकर इसे निजी क्षेत्र को दे दिया? इस सवाल के जवाब में डॉ. अशोकन कहते हैं कि कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में जो हुआ, वह कोई अकेली घटना नहीं थी। अभी स्थिति ऐसी है कि इस तरह की घटनाएं पूरे देश में होती रहेंगी। बंगाल को क्यों दोष दें? हर राज्य में यही स्थिति है। हर मेडिकल कॉलेज में यही स्थिति है। हर मेडिकल विभाग में यही स्थिति है। अधिक शौचालय बनाने और सीसीटीवी लगाने से यह नहीं बदलेगा। ऐसी हिंसा की घटनाएं स्वास्थ्य में निवेश की कमी के कारण है। अब हालात ऐसे बन गये हैं कि एक तरफ सरकारी संस्थानों में निवेश और मानव संसाधन की कमी है और दूसरी तरफ निजी क्षेत्र के अस्पताल उद्योग बन गये हैं। तो गरीब लोग लोग स्वास्थ्य सेवा के लिए कहां जाएंगे? इसी वजह से लोगों में गुस्सा है और डॉक्टर आसान निशाना बन रहे हैं क्योंकि वे मरीज के करीब होते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य व्यवस्था का चेहरा होते हैं, खासकर रेजिडेंट डॉक्टर और ड्यूटी डॉक्टर जो आपात स्थिति और हताहतों की देखभाल करते हैं। स्वाभाविक रूप से वे निशाने पर होते हैं। डॉक्टर भी उस तरह से प्रतिक्रिया नहीं कर सकते जिस तरह से एक आम आदमी सड़क पर प्रतिक्रिया करता है। इसके लिये डॉ. अशोकन कहते हैं: वे भी इंसान हैं...इसलिए पश्चिम बंगाल में जो हुआ, वह थमने का नाम नहीं ले रहा है। और इसका कारण स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में सड़न है। आपको समझना चाहिए कि जो हम वहां देख रहे हैं, वह बीमारी नहीं है; यह केवल लक्षण है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को कैसे चलाया जाना चाहिए, इस मामले में तमिलनाडु सबसे आगे है। उनके चुनिंदा प्राथमिक केंद्रों में सीजेरियन भी होते हैं, और वे 24 घंटे खुले रहते हैं। केरल में, उनके पास दो ओपीडी हैं, एक सुबह और एक शाम को। इन दोनों राज्यों में मधुमेह और उच्च रक्तचाप के लिए घर-घर जाकर दवाई दी जाती है। डॉक्टरों की अगुआई वाली टीमें घर-घर जाकर ब्लड ग्लूकोज और ब्लड प्रेशर की जांच करती हैं और एक महीने की दवाई देती हैं। राजस्थान में ऐसा क्यों नहीं हो सकता!

डाक्टरों पर हिंसा की घटनाएं तब होती है जब लोग निराश हो जाते हैं। जब समाज के विशेषाधिकार प्राप्त लोगों अच्छा चिकित्सा उपचार मिलता है जबकि दूसरे लोग असहाय महसूस करते हैं। इसका कारण हैं सार्वजनिक क्षेत्र में चिकित्सा के बुनियादी ढांचे और मानव संसाधनों में निवेश की कमी, और उसके साथ 39;लाभ के लिए39; कॉर्पोरेट स्वास्थ्य सेवा की अवधारणा। सिद्धांत रूप में, स्वास्थ्य सेवा में लाभ के लिए उद्योग को लाना सही नहीं कहा जा सकता है। लाभ के लिए बीमा एजेंसियों द्वारा लाभ के लिए अस्पताल चलाए जाने का मॉडल अमरीका से आयातित है जहां सकल घरेलू उत्पाद का 15 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवा में जाता है, लेकिन 20 प्रतिशत अमेरिकियों को देखभाल नहीं मिलती है। यहां डॉक्टर से तुरंत मिला जा सकता है, जबकि यू.के., यू.एस., ऑस्ट्रेलिया, कनाडा या न्यूजीलैंड में ऐसा नहीं है।

यह सवाल पूछा जाना उचित ही है कि क्या हमारे नीति निर्माता देश को उस राह पर ले जाना चाहते हैं? भारत में अस्पतालों का जिस प्रकार निगमीकरण हो रहा है उसमें सभी जगह छोटे और मध्यम निजी अस्पताल बंद हो रहे हैं। आजकल कोई भी नया डॉक्टर छोटा अस्पताल नहीं खोलता। ऐसी हालत समाज के लिए नुकसानदेह है। आज, चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा आधिकारिक तौर पर एक उद्योग बन गई है। ऐसे में हाल ही में आई इस खबर पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि विलासिता वाले आवास बनाने वाली एक कंपनी भी अपना विस्तार करते हुए अब स्वास्थ्य सेवा के बाज़ार में कूद पड़ी है और अस्पताल खोल रही है।

विलासिता वाले कॉर्पोरेट अस्पतालों को मेडिकल टूरिज़्म के नाम पर बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार केवल बीमा को प्रोत्साहित कर रही है क्योंकि वह स्वयं लोगों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने से अपना पिंड छुड़ा रही है। ऐसे में अधिक से अधिक डॉक्टर स्वतंत्र रूप से प्रेक्टिस करने के बजाय इन बड़े मुनाफे वाले अस्पतालों के कर्मचारी बन रहे हैं। व्यवस्था को ठीक करने की बजाय कानून और नीति निर्माता पलायन की राह पकड़ रहे हैं और बाज़ार की ताकतों के हाथों में खेल रहे हैं। पिछले दशक में, 2012 में, 12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए, डॉ. श्रीनाथ रेड्डी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समूह ने जो दस्तावेज़ बना कर दिया था उसमें सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा की सिफारिश की गई थी, जिसका मतलब था कि बुनियादी स्वास्थ्य कवर सरकार द्वारा बिना किसी बीमा के, बिना किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के सुनिश्चित किया जाय, तथा स्वास्थ्य सेवा में रिश्ता रोगी और सरकार के बीच हो। मगर अब नीति आयोग हाथ खड़े कर रहा है और कह रहा है कि दस साल के समय में सरकार सभी के लिए स्वास्थ्य कवर प्रदान नहीं कर सकती है। इसका अर्थ हुआ कि 92 करोड़ लोगों के लिए, जिनके पास कोई स्वास्थ्य कवर नहीं है, सरकार उन्हें निजी बीमा उद्योग को सौंप देंगी। बड़े प्राइवेट अस्पताल भरपूर विज्ञापन कर रहे हैं और कमा रहे हैं, जबकि मरीज आसमान छूती चिकित्सा कीमतों के कारण लुट रहा है। बाजार खुश है कि भारतीय स्वास्थ्य सेवा बाजार, जिसका मूल्य 2016 में 110 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, अब 2025 तक 638 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने जा रहा है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र, 2024 तक, भारत के सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है, जो कुल 7.5 मिलियन लोगों को रोजगार देता है। निजीकरण के चलते राजस्व और रोजगार दोनों के मामले में स्वास्थ्य सेवा भारत के सबसे बड़े क्षेत्रों में से एक बन गई है। स्वास्थ्य सेवा में अस्पताल, चिकित्सा उपकरण, नैदानिक परीक्षण, आउटसोर्सिंग, टेलीमेडिसिन, चिकित्सा पर्यटन, स्वास्थ्य बीमा और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। नीतिगत रूप से दिशा बदल कर सरकार को स्वास्थ्य सेवा का मुख्य प्रदाता बनना होगा और उसे उसमें अधिक धन लगाना होगा। स्वास्थ्य सेवा को निजी उद्योग के हाथों में नहीं सौंपना चाहिए। जन स्वास्थ्य संविधान की राज्य सूची में है इसलिए यह अपेक्षा राजस्थान सरकार से है कि वह केरल और तमिलनाडु से सीखे जहां सार्वजनिक क्षेत्र निजी क्षेत्र को कडी टक्कर देता है। बीस साल पहले, इन दोनों राज्यों में दो तिहाई प्रसव निजी क्षेत्र में हो रहे थे। आज, दो तिहाई प्रसव सार्वजनिक क्षेत्र में हो रहे हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को कैसे चलाया जाना चाहिए, इस मामले में तमिलनाडु सबसे आगे है। उनके चुनिंदा प्राथमिक केंद्रों में सीजेरियन भी होते हैं, और वे 24 घंटे खुले रहते हैं। केरल में, उनके पास दो ओपीडी हैं, एक सुबह और एक शाम को। इन दोनों राज्यों में मधुमेह और उच्च रक्तचाप के लिए घर-घर जाकर दवाई दी जाती है। डॉक्टरों की अगुआई वाली टीमें घर-घर जाकर ब्लड ग्लूकोज और ब्लड प्रेशर की जांच करती हैं और एक महीने की दवाई देती हैं। राजस्थान में ऐसा क्यों नहीं हो सकता!

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

40 वर्ष तक की युवा महिलाओं में स्तन कैंसर का बढ़ता जोखिम

डॉ. अनुभा जैन

बैंगलूरू के अस्पतालों ने चिंता व्यक्त करते हुये बताया कि पिछले पांच वर्षों में 20 से 40 वर्ष उम्र की महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में सौ प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गयी है। स्तन कैंसर सबसे अधिक 40-60 वर्ष की आयु की महिलाओं को प्रभावित करता है, जबकि आज 40 वर्ष से कम उम्र की युवा महिलाओं में भी इसका डाइगनोसिस तेजी से हो रहा है।

कर्नाटका के साथ तमिलनाडु, नई दिल्ली, तेलंगाना भारत के उन चार राज्यों में शामिल है जहां महिला स्तन या ब्रेस्ट कैंसर के मामले सर्वाधिक संख्या में दर्ज किये जा रहे हैं। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आई.सी.एम.आर) - नेशनल सेंटर फॉर डिसीस इंफोरमेटिक्स एंड रिसर्च (एन.सी.डी.आई.आर) स्टडी के अनुसार महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर प्राथमिक कारण है भारत में होने वाली महिला मृत्यु दर का जिसमें 13.5 प्रतिशत नये कैंसर के मामले और 10.6 प्रतिशत सभी कैंसर से होने वाली मौतों के लिये जिम्मेदार हैं। डॉ. मधुप्रिया, वरिष्ठ सलाहकार - सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, अपोलो कैंसर सेंटर, वनागरम, चेन्नई ने कहा कि भारत में हर 4 मिनट में महिलाओं में स्तन कैंसर का निदान किया जा रहा है - जागरूकता बढ़ाना और समय रहते इसका पता लगाने को प्रोत्साहित करना समय की मांग है, जिससे अनगिनत लोगों की जान बच सकती है।

डॉ. गीता कडायप्रथ, सीनियर कंसलटेंट, ब्रेस्ट सर्जरी, अपोलो कैंसर सेंटर (दिल्ली) ने साक्षात्कार के दौरान डॉ.अनुभा जैन से बात करते हुये बताया कि अस्पतालों में 40 साल से कम उम्र के नए स्तन कैंसर के युवा मरीजों की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ रही है। यह एक कॉम्पलैक्स इंटरप्ले है जिसमें महिलाओं की लाइफस्टाइल, जेनेटिक्स और एनवाइरनमैंट शामिल है। ब्रेस्ट कैंसर के बढ़ते केसज पर बात करते हुये डॉ. गीता ने कहा कि स्तन कैंसर की घटनाएं बढ़ रही हैं मुख्य रूप से जीवनशैली में बदलाव के कारण। उन्होने कहा कैंसर से डर होना मनुष्य की एक सामान्य अवधारणा है।

आंकडों के अनुसार लगभग 10 प्रतिशत स्तन कैंसर जेनेटिक होते हैं, लेकिन जीवनशैली से जुड़े कारक जैसे कि साझा आहार संबंधी आदतें, परिवारों में निष्क्रियता, बच्चे के जन्म में देरी, स्तनपान में कमी, निष्क्रिय आदतें, मोटापा और खराब आहार वे कारक हैं जो जीन की तुलना में युवा महिलाओं में स्तन कैंसर के मामलों में वृद्धि में योगदान दे रहे हैं। साथ ही बांझपन के लिए हार्मोनल थेरेपी और रजोनिवृत्ति के बाद के उपचार भी स्तन कैंसर के जोखिम को बढ़ा रहे हैं।

डॉ. गीता के अनुसार समय के साथ कैंसर के ईलाज में नई तकनीकों के आने से कैंसर सर्वाइवल रेट में सुधार भी हुआ है। यंग महिलाओं में स्तन कैंसर का होना भारत में जहां यह अनुपात दुगना यानि 15-20 प्रतिशत है वहीं पश्चिमी देशों में इसका आधा महज 7 प्रतिशत ही है। लाइफस्टाइल में परिवर्तन जिसमें शारीरिक गतिविधियां, सही फूड का चयन सही सोर्स के साथ होना चाहिये क्योंकि आज पेस्टीसाइडस का बेहद उपयोग हो रहा है जो कि हमारे खाने में सर्व हो जाते हैं। डॉ.गीता ने चिंता व्यक्त करते हुये कहा कि दुर्भाग्य से भारत में आज एडवांस कैंसर स्टेज 1 और स्टेज 2 के कुल 60 प्रतिशत केसेज दर्ज किये गये हैं जो एक चिंता का विषय है। भारत की बढ़ती जनसंख्या, अवेयरनेस की कमी और ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग के प्रोटोकॉल नहीं होने के कारण यह संख्या बढ़ती ही जा रही है।

अस्पतालों के आंकडों के अनुसार 40 वर्ष से कम आयु की महिलाओं में प्रति माह 50 स्तन कैंसर के मामले देखे जा रहे हैं, जो पांच साल पहले 25 मामलों से अधिक है। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी फोर्टिस अस्पताल के कंसल्टेंट डॉ. भरत जी ने कहा कि वे 20-40 वर्ष की आयु की महिलाओं में हर महीने 20-25 स्तन कैंसर के मामले देखते हैं, जबकि पांच साल पहले यह संख्या 10 थी। अधिकांश निदान तब होते हैं जब रोगी लक्षणों के साथ उपस्थित होते हैं। भारत में चरण चार के मामलों की व्यापकता पश्चिमी देशों की तुलना में अधिक हो सकती है। यह स्तन कैंसर की मूक प्रकृति को उजागर करता है, क्योंकि कई महिलाएँ निदान में देरी करती हैं क्योंकि उन्हें दर्द या दिखाई देने वाले लक्षण महसूस नहीं होते हैं।

डॉ.गीता का मानना है कि महिलाओं को असामान्यताओं की जल्दी पहचान करने के लिए 21 वर्ष की आयु में स्वयं स्तन जांच शुरू कर देनी चाहिए। उनका कहना है कि 40 वर्ष की आयु से शुरू करके, वार्षिक जांच, अल्ट्रासाउंड और मैमोग्राम गांठ बनने से पहले ही जल्दी पता लगाने के लिए आवश्यक हैं। महिलाओं को अपने जीवन में स्तन कैंसर की जांच को प्राथमिकता देने, समय रहते इसका पता लगाने और इस कारण का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए चेन्नई में अपोलो कैंसर सेंटर ने मेन इन पिंक वॉकथॉन आयोजन किया।

डॉ. गीता

स्तन कैंसर महिलाओं में कैंसर से संबंधित मौतों का प्रमुख कारण बन गया है, जिसने सर्वाइकल कैंसर को पीछे छोड़ दिया है। फिर भी, कई जागरूकता प्रयासों के बावजूद, लगभग 90 प्रतिशत महिलाएं आज भी अपने स्तन स्वास्थ्य पर काम करने में झिझकती हैं।

अंत में डॉ.गीता ने कहा, "मैंने ऐसी स्टेज 4 की महिलाओं का ईलाज किया जिनके बचने की संभावना बेहद क्षीण थीं। पर 18 साल पहले जिनकी मैंने सर्जरी की, जिनके ब्रेस्ट कम्पलीट ट्यूमर की जकड में थे वे आज एकदम स्वस्थ हैं। इमेजिंग करके देखा गया तो ईलाज से ट्यूमर पूरी तरह गायब हो चुका था। उनके शरीर ने सर्जरी व मेडिकेशन का सही तरह रिसपांड किया क्योंकि वे खुद आशावादी थीं।"

-डॉ. अनुभा जैन,
वरिष्ठ पत्रकार

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज, उदयपुर की एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम की 100 सीट बढ़ाने पर रोक लगाई

एम.बी.बी.एस. की 150 से 250 सीट करने के आदेश पर राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर ने रोक लगाई

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर की खण्डपीठ के न्यायाधीश चन्द्रशेखर एवं न्यायाधीश रेखा बोराना द्वारा नेशनल मेडिकल कमीशन द्वारा दायर अपील पर बहस सुनकर पेसिफिक मेडिकल कॉलेज, उदयपुर को एम.बी.बी.एस. की 150 से 250 सीट करने के आदेश पर रोक लगा दी है।

एनएमसी की ओर से उपस्थित हुए एडिशनल सॉलिसीटर जनरल राजदीपक रस्तोगी ने न्यायालय को बताया कि पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर को पूर्व में एम.बी.बी.एस. की 150 सीट आवंटित की गई थी परन्तु आधारभूत संरचना एवं उचित फेकल्टी ना होने के कारण सीट घटाने का नोटिस दिया गया जिस पर सुनवाई करते हुए पहले से ही अध्ययनरत विद्यार्थियों के भविष्य को देखते हुए सीट कम ना करके 6 लाख रूपयों का दण्ड पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर पर लगाया गया। इसी बीच पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर ने एम.बी.बी.एस. की 150 सीटों से बढ़ाकर 250 सीट आवंटित करने हेतु आवेदन पत्र दिया जिस पर पूर्ण विचार कर एनएमसी द्वारा उसे निरस्त कर दिया गया, जिसके विरूद्ध पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर द्वारा अपील भी दायर की गई और अपील के लम्बित रहने के दौरान ही राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर की एकल पीठ के समक्ष रिट याचिका दायर की गई। इसी बीच पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर की अपील भी एनएमसी द्वारा खारिज कर दी गई।

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर ने उच्च न्यायालय की एकल पीठ के समक्ष यह तर्क दिया कि उनके पास 250 सीट के हिसाब से पूरी आधारभूत संरचना एवं फैकल्टी है परन्तु एनएमसी द्वारा आवेदन पत्र को गलत रूप से निरस्त कर दिया और अपील भी बिना किसी कारण के निरस्त कर दी गई। राजस्थान उच्च न्यायालय की एकल पीठ के न्यायाधीश दिनेश मेहता ने रिट याचिका मंजूर करते हुए एनएमसी को यह आदेश दिया कि पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर को एम.बी.बी.एस. की 100 सीटे और आवंटित की जावे। एनएमसी की ओर से इस आदेश दिनांक 8.10.2024 के विरूद्ध राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर की खण्डपीठ के समक्ष अपील प्रस्तुत की गई।

अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल राजदीपक रस्तोगी ने अपील पर बहस करते हुए न्यायालय को बताया कि एनएमसी का निर्णय पूर्णतया सही एवं तथ्यों पर आधारित है और जब कॉलेज का निरीक्षण किया गया तब फेकल्टी एवं अन्य आधारभूत संरचनाऐं नियमों से कम पाई गई। श्री रस्तोगी ने सुप्रीम कोर्ट के बहुत सारे निर्णयों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुए तर्क दिया कि ऐसे विशेष पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु एनएमसी जैसी विशिष्ठ संस्था का निर्णय ही अन्तिम होता है और न्यायालय को सामान्यतया उस निर्णय को तथ्यों के आधार पर नहीं बदलना चाहिए और सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों में न्यायिक पुनरीक्षण का अधिकार काफी कम हद तक होता है। उनके द्वारा यह भी कहा गया कि जब कॉलेज के पास 150 विद्यार्थियों को शिक्षा देने हेतु नियमानुसार फेकल्टी एवं संरचना उपलब्ध नही है तब उस दशा में किसी भी प्रकार से 100 ओर सीटें बढ़ाने का औचित्य नहीं था। रस्तोगी ने यह भी तर्क दिया मेडिकल शिक्षा एक विशिष्ट स्थान रखती है और सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्णयों के अनुसार ऐसी विशिष्ठ शिक्षा के क्षेत्र में सामान्यतया न्यायालय को दखल नहीं देना चाहिए। उच्च न्यायालय की खण्डपीठ ने मामले पर विस्तृत सुनवाई कर और दोनों पक्षों को सुनकर उच्च न्यायालय जोधपुर की एकलपीठ के निर्णय के उस निर्णय पर रोक लगा दी जिसके द्वारा पेसिफिक मेडिकल कॉलेज उदयपुर की एम.बी.बी.एस. की सीट 150 से बढ़ाकर 250 कर दी गई थी। इस आदेश से एन.एम.सी. को बहुत बड़ी राहत मिली है।

बेटे ने मां की अंतिम इच्छा पूरी की, जेएलएन मेडिकल कॉलेज को देहदान की

अजमेर, (कासं)। वैशाली नगर में रहने वाले एक बेटे ने अपनी मां की अंतिम इच्छा पूरा करते हुए उनके निधन के बाद उनकी देह का दान किया। उनकी मां प्रसंन कंवर का सोमवार देर रात निधन हो गया था, उनकी अंतिम इच्छा को पूरा करते हुए मंगलवार सुबह जेएलएन मेडिकल कॉलेज प्रबंधन को देह का दान किया गया।

वैशाली नगर निवासी बिंदु भंडारी की मां प्रसन कंवर भंडारी का पार्थिव देह परिजन एवं रिश्तेदार मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया और निश्चेतन विभाग के विभागाध्यक्ष सहित अन्य चिकित्सकों की मौजूगी में देहदान की गई। अब उनकी पार्थिव देह मेडिकल विद्यार्थी अध्ययन, शोध और चिकित्सा के उपयोग कर सकेंगे।

बेटे बिंदु भंडारी ने बताया कि उनकी मां हमेशा से ही समाज सेवा सक्रिय रहीं। उनकी आखिरी इच्छा थी कि उनकी मृत्यु के पश्चात उनकी देह को मेडिकल कॉलेज में देहदान कर दी जाए। उन्होंने बताया कि सोमवार देर रात उनका निधन हो गया था, इसके बाद उन्होंने महावीर इंटरनेशनल संस्थान के सहयोग से उनकी मां की अंतिम इच्छा को पूरा करते हुए जेएलएन मेडिकल कॉलेज को देहदान की गई।

देह को मेडिकल कॉलेज प्रबंधन को सौंपते हुए तथा मां की फाइल फोटो।

- **महावीर इंटरनेशनल संस्थान के सहयोग से मां की अंतिम इच्छा को पूरा करते हुए जेएलएन मेडिकल कॉलेज को देहदान की**

जेएलएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर अनिल सामरिया ने बताया कि चिकित्सा के क्षेत्र में रिसर्च के लिए देहदान जरूरी है।

राशिफल बुधवार 6 नवम्बर, 2024

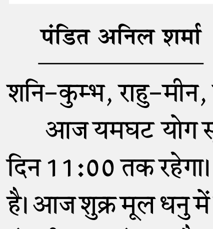

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, मूल नक्षत्र दिन 11:00 तक, सुकर्मा योग दिन 10:50 तक, बव करण दिन 12:29 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-धनु, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 11:00 तक है। कुमार योग दिन 11:00 तक रहेगा। रवियोग प्रातः 8:47 से दिन 11:00 तक है। आज शुक्र मूल धनु में रात्रि 3:31 से प्रवेश करेगा। आज सौभाग्य पंचमी व्रत, पांडव और लाभ पंचमी, ज्ञान पंचमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:27 तक, शुभ 10:44 से 12:10 तक, चर 2:54 से 4:15 तक, लाभ 4:15 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:44, सूर्यास्त 5:37

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों से वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

कर्क
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

कन्या
नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। घर-परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। जीवनसाथी से वाद-विवाद हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिद्धचक्र महापूजन आज

बीकानेर, (कासं)। जैनाचार्य जिन पीयूष सागर सूरिवर महाराज की निश्रा में बुधवार को रांगड़ी चौक के सुगनजी महाराज के उपासरे में सुबह सवा सात बजे णमिऊण साधना, पौने नौ बजे ज्ञान पंचमी की आराधना व उसके बाद जैनाचार्य उदय सागर की पुण्यतिथि पर उनकी गुणनुवाद सभा होगी।

नाहटा चौक के भगवान आदिनाथ मंदिर में सिद्धचक्र महापूजन का आयोजन होगा। गुरूवार को प्रवचन पंडाल में सुबह सवा नौ बजे प्रवचन स्थल पर चन्द्रप्रभु लक्ष्मी महा पूजन होगा। सुगनजी महाराज का उपासरा ट्रस्ट के मंत्री रतन लाल नाहटा, श्री जिनेश्वर युवक परिषद के अध्यक्ष संदीप मुसरफ ने बताया कि बुधवार को सुगनजी महाराज के उपासरे में नमिऊण साधना व ज्ञान पंचमी की आराधना के लिए विशेष मंडप बनाया गया है।

जैनाचार्य जिन पीयूष सागर सूरिश्वर के सानिध्य में मंगलवार को बीकानेर के मुनि संवेग रतन सागर महाराज ने कहा ज्ञानावरणीय कर्म को तोड़ने या कम करने के लिए ज्ञान पंचमी की आराधना करना चाहिए। ज्ञान पंचमी के दिन तप, उपवास, आयम्बिल व एकासना की साधना करें तथा देववंदन व ज्ञान के मंत्र 'ऊं ह्रं नमो नाणस्स' का जाप करें।

देशनोक व कोलायत में होंगे 26 करोड़ के विकास कार्य

- करणी माता मंदिर परिसर के आसपास के एरिया में यात्री शेड, वाटर बूथ, परिक्रमा मार्ग पर लाइटिंग और शेड, सीसीटीवी कैमरा, पाथ-वे, हाइमास्क लाइट, पर्यटन सुविधा केन्द्र, म्यूजियम सहित अन्य निर्माण कार्य करवाए जायेंगे

बीकानेर, (कासं)। केन्द्र सरकार के पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजना में बीकानेर जिले के देशनोक और कोलायत में 26 करोड़ रूपए के काम होंगे। इसकी डीपीआर मंजूर हो गई है।

केन्द्र सरकार ने देशनोक की डीपीआर में कुछ बदलाव करवाए हैं। प्रसाद योजना में देशनोक में 23 करोड़ 91 लाख रूपए के काम होंगे। वहीं कोलायत में 2 करोड़ 5 लाख के काम होंगे। देशनोक में करणी माता का मंदिर में केन्द्र सरकार की स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजना के तहत विकसित किया जायेगा। इसके लिए 23 करोड़ 91 लाख रूपए के डीपीआर को राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है।

पर्यटन विभाग के मुताबिक मंदिर परिसर के आसपास के एरिया में यात्री शेड, वाटर बूथ, परिक्रमा मार्ग पर लाइटिंग और शेड, सीसीटीवी कैमरा, पाथ-वे, हाइमास्क लाइट, पर्यटन सुविधा केन्द्र, म्यूजियम सहित अन्य निर्माण कार्य करवाए जायेंगे। पर्यटन सुविधा केंद्र में मंदिर और आसपास के एरिया की तमाम जानकारियां, इतिहास, और कहां-कहां जाना है। इस बारे में संपूर्ण जानकारी मिलेगी। चूहों वाला मंदिर के नाम से विश्वविख्यात देशनोक स्थित करणी माता मंदिर की और भव्य होन के साथ सुविधाएं भी बढ़ाई जाएंगी।

इसके लिए खर्च होने वाले 23 करोड़ 91 लाख रुपए की डीपीआर को राज्य सरकार ने मंजूरी के बाद केंद्र को भेज दिया है। बजट आवंटित होते ही इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू होगा। केंद्र सरकार से जारी होने वाले बजट का इंतजार है। देश-विदेश में प्रसिद्ध इस मंदिर परिसर में होने वाले कामकाज की डीपीआर पीडी कॉर कंसलटेंट एजेंसी ने तैयार की है। एजेंसी के तकनीकी अधिकारी मौका मुआयना कर होने वाले कामकाज को फाइनल कर चुके हैं।

पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार की स्वदेश दर्शन एवं प्रसाद योजना 2.0 तहत करणीमाता मंदिर सहित देश के 53 प्रोजेक्ट का शिलान्यास 7 मार्च को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से किया था। फिर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी कोलायत और करणी माता मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। दोनों धार्मिक स्थलों पर आने वाले पर्यटकों को किसी तरह की दिक्कत न हो।

देशनोक के लिए पीडी कॉर कंसलटेंट एजेंसी की डीपीआर को राज्य सरकार मंजूर किया है। पहले 25 करोड़ के प्रस्तावों को फाइनल कर बजट के लिए केंद्र सरकार के पास भेजी गई है, केंद्र ने उसमें कुछ बदलाव करने को कहा है। अब 23 करोड़ 91 लाख रुपए के काम पर मुहर लगनी बाकी है। बजट मिलते ही इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया जाएगा। कोलायत में करवाए जाने वाले कामों की डीपीआर जयपुर से तैयार करवाई गई है। यहां पर 2 करोड़ पांच लाख रुपए के काम होंगे। ये काम होने के बाद दोनों की स्थानों पर निश्चित ही पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी।

स्वदेश दर्शन और प्रसाद योजना में सांख्य प्रणेता कपिल मुनि की तपोस्थली को भी विकसित किया जाएगा। यहां 205 लाख रुपए के काम होंगे। इसके लिए भी डीपीआर तैयार हो चुकी है। बजट मिलते ही काम शुरू हो जाएगा। योजना में सरोवर के पास बने 12 शिवलिंग मंदिरों को जीर्णोद्धार करवाकर उनको संरक्षित किया जाएगा। इसके लिए यहां टायलेट ब्लॉक, ड्रिंकिंग वॉटर कूलर और वाटर हट बनाए जाएंगे। इतना ही नहीं सरोवर के चारों और स्टोन के कचरा संग्रहण केंद्र बनेंगे। पत्थर की कुसिर्यां और साइनेज बोर्ड लगाए जाएंगे। विदित रहे कि कोलायत के 12 शिवलिंग मंदिर काफी पुराना होने के कारण ये जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो रहे हैं।

सैनी सामूहिक विवाह 12 को

बीकानेर, (कासं)। माली सैनी सामूहिक विवाह समारोह 12 नवम्बर को होगा। दिखावा बंद हो और जरूरतमंद को लाभ मिले इसी उद्देश्य से माली सैनी सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन होता है। यह बात माली सैनी सामूहिक विवाह समारोह समिति के अध्यक्ष कन्हैयालाल भाटी ने सोमवार शाम को गोपेश्वर बस्ती स्थित शिव पार्वती भवन में आयोजित सावा स्थापना कार्यक्रम में कही। अध्यक्ष भाटी ने बताया कि समाज में एकजुटता रहे, फिजुलखर्ची व दिखावे पर अंकुश लगे। इसी उद्देश्य से सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाता है।

भाटी ने बताया कि इस बार आठ जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधने जा रहे हैं। सावा स्थापना कार्यक्रम में माली समाज के गुरू सुनील महाराज व पं. उत्तम महाराज द्वारा पूजन कार्य करवाया गया। इस दौरान आठों जोड़ों के परिजन उपस्थित हुए। इससे पहले गणेश भगवान, कोडमदेसर भैरूनाथ व महादेव को कुमकुम पत्रिका भेंट कर वैवाहिक समारोह में निमंत्रण दिया गया। भाटी ने बताया कि 12 नवम्बर को होने वाले सामूहिक विवाह समारोह के लिए कमेटियों का गठन किया गया है। सबसे पहले बारात लेकर पहुंचने वाले दुल्हे को सम्मानित किया जायेगा।

सार-समाचार

नगर निगम उपायुक्त का अभिनंदन

अखिल आदिवासी मीणा महासभा ने नगर निगम उपायुक्त डॉ. कुलराज मीना का अभिनंदन किया।

बीकानेर, (कासं)। अखिल आदिवासी मीणा महासभा व शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद के नेतृत्व में नगर निगम बीकानेर के उपायुक्त डॉ. कुलराज मीना का साहित्यकार डॉ. कांता मीना के काव्य संग्रह कैलाशी व कहानी संग्रह तरूशिखा की प्रति भेंट करके व माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। उपायुक्त डॉ. मीना ने कहा कि दोनों कृतियों की लेखनी उम्दा है। इस अवसर पर बीकानेर शहर का सौन्दर्यकरण व जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र शाखा का समय बढ़ाने आदि मांगों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद, अखिल आदिवासी मीणा महासभा के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार मीणा, अजा. जजा. व पिछड़ी जाति अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संगठन के जिला संरक्षक श्यामसुन्दर बिश्नोई, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष संदीप कुमार मीना, जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल मीणा, शिक्षक संघ रेसटा के सहलाकार हनुमान शर्मा, जिला संरक्षक एस.एस.शर्मा, संजय मीणा आदि उपस्थित थे।

टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता 15 से

बीकानेर कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन किया।

बीकानेर, (कासं)। राजकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता (जीईपीएल-2024) का आयोजन 15 से 17 नवम्बर तक धरणीधर खेल मैदान में किया जायेगा। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने मंगलवार को राजस्थान अधीनस्थ कम्प्यूटर कर्मचारी संघ के तत्वावधान में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन किया। प्रतियोगिता में बीकानेर जिले के विभिन्न विभागों की कुल 8 टीमें भाग ले रही हैं। राजस्थान अधीनस्थ कम्प्यूटर कर्मचारी संघ, बीकानेर के अध्यक्ष मनोहर पाल भंवरिया ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य सभी विभागों के अधिकारी तथा कर्मचारियों के मध्य आपसी सौहार्द एवं समन्वय स्थापित करना व खेलकूद के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। प्रतियोगिता के समन्वयक राहुल आचार्य ने प्रतियोगिता के नियमों के बारे में बताया। पोस्टर विमोचन में मो. सलीम, अभिनव गोस्वामी, अनिल पंवार, विशाल विश्वकर्मा, पूनम चन्द बिश्नोई, कैलाश भोजक, जितेन्द्र सिंह आदि मौजूद थे।

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा चलाते चार बुकी गिरफ्तार

- पुलिस ने मौके से 6 लाख 71 हजार रुपए की नकदी के अलावा 7 लैपटॉप/डेस्कटॉप कम्प्यूटर, 12 मोबाइल फोन व करोड़ों रूपए का हिसाब-किताब तथा डायरियां जब्त की

हनुमानगढ़, (कासं)। भादरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फेक/डमी आईडी बनाकर ऑनलाइन क्रिकेट बुकी, सट्टा व ऑफ रिकॉर्ड कम्युनिटी का कार्य करते चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 6 लाख 71 हजार 200 रुपए की नकदी के अलावा 7 लैपटॉप/डेस्कटॉप कम्प्यूटर, 12 मोबाइल फोन व करोड़ों रूपए का हिसाब-किताब तथा डायरियां जब्त की हैं।

पुलिस अधीक्षक अरशद अली की ओर से जुआ-सट्टा व ऑनलाइन गेम्बलिंग के खिलाफ अपनाई जा रही जीरो टोलरेंस नीति के तहत पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी विदेश में निवासरत व्यक्ति से ऑनलाइन क्रिकेट आइडी लेकर मुनाफा राशि अवैध रूप से टोकन के जरिए बाहर भेजते थे। जिला विशेष टीम सेक्टर नोहर के सहयोग से की गई इस कार्रवाई के संबंध में भादरा पुलिस थाना में बीएनएस, विदेशी अभिदाय (विनियमन) अधिनियम, विदेशी मुद्रा व्यवस्था अधिनियम की धाराओं के साथ आरपीजीओ व आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक अरशद अली की ओर से जिले में अवैध मादक पदार्थों, जुआ, सट्टा, क्रिकेट बुक्की व अवैध धंधों की रोकथाम के लिए अपनाई जा रही जीरो टोलरेंस नीति की सभी पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में सख्ती से पालना करवाए जाने के निर्देश दिए गए है। साथ ही आमजन को गुप्त रूप से सूचना देने के लिए अपील की गई है।

इसी क्रम में जिला विशेष टीम सेक्टर नोहर की सूचना पर भादरा पुलिस थाना के कार्यवाहक प्रभारी एसआई वीरचंद के नेतृत्व में गठित टीम ने सोमवार देर रात्रि को भादरा कस्बा स्थित एक मकान में दबिश देकर चार व्यक्तियों कपिल (37) पुत्र ग्यामल दास सिंधी निवासी वार्ड चार, भादरा, संदीप (30) पुत्र राजकुमार नाई निवासी वार्ड 21, भादरा, प्रभुदयाल (34) पुत्र सुभाष चन्द्र खटीक निवासी वार्ड सात, भादरा व नरेश (28) पुत्र महेश अग्रवाल निवासी वार्ड 29, भादरा को सट्टा की ऑनलाइन खाइवाली करते गिरफ्तार किया। मौके से 7 लैपटॉप/डेस्कटॉप कम्प्यूटर व स्क्रीन, 8 स्मार्ट फोन, 4 कीपेड फोन, 6 लाख 71 हजार 200 रुपए की नकदी, एटीएम, चैकबुक व करोड़ों रूपए का हिसाब-किताब बरामद हुआ।

इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश पीलीबंगा पुलिस थाना प्रभारी भूपसिंह सहारण के सुपुर्द की। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में कार्यवाहक थाना प्रभारी वीरचंद, कांस्टेबल सुभाष, मदनलाल व मोहनलाल शामिल रहे। इस कार्रवाई में जिला विशेष टीम सेक्टर नोहर की विशेष भूमिका रही।

पुलिस के अनुसार आरोपी ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे की आईडी देवेन्द्र निवासी अहमदाबाद (गुजरात) से खरीदते थे जो वर्तमान में सउदी अरब में निवासरत है। क्रिकेट सट्टे की आईडी खरीद कर आरोपी भादरा व आसपास के इलाकों में ग्राहकों को आईडी बेचकर उनसे क्रिकेट मैच पर सट्टा लगवाते और बाद में हिसाब-किताब कर मुनाफा राशि काटकर शेष राशि टोकन के जरिए अवैध रूप से विदेश में बैठे देवेन्द्र को भेज देते।

प्रवेश नवीनीकरण की फीस 15 तक जमा करा सकेंगे

नोखा, (कासं)। मांगीलाल बागड़ी राजकीय कॉलेज में नियमित विद्यार्थियों के प्रवेश नवीनीकरण के लिए फीस जमा करवाने की अंतिम तिथि 15 नवम्बर तक कर दी गई है।

कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. सत्य नारायण राजपुरोहित व प्रवेश प्रभारी डॉ रणवीर सिंह ने बताया कि महाविद्यालय के स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध के नियमित विद्यार्थी जो किन्हीं कारणों से अभी तक भी प्रवेश नवीनीकरण हेतु फीस जमा नहीं करवा पाए हैं।

वे इसे अंतिम अवसर मानते हुए आवश्यक रूप से 15 नवम्बर तक ई-मित्र के माध्यम से फीस जमा करवा देवें। निर्धारित शुल्क ई-मित्र या अन्य माध्यम से ऑनलाइन जमा करवाने के लिए पूर्व कक्षा के एप्लीकेशन नं. की आवश्यकता रहेगी जो विद्यार्थियों की कॉलेज आईडी पर लिखे हुए है।

फीस जमा करवाने से पूर्व विद्यार्थियों द्वारा अपना जन आधार वेरिफाइड करवाना आवश्यक होगा। विद्यार्थियों द्वारा उक्त कक्षाओं के लिए निर्धारित तिथि तक नवीनीकरण प्रवेश हेतु फीस जमा नहीं करवाने पर उन्हें महाविद्यालय के नियमित विद्यार्थी के रूप में प्रवेश देना संभव नहीं होगा। इसके लिए विद्यार्थी स्वयं जिम्मेदार होंगे। निर्धारित तिथि के बाद फीस जमा नहीं होगी।

इस साल डेंगू रोगियों का आंकड़ा 1000 के पार

- वर्ष 2021 में ये आंकड़ा पीबीएम अस्पताल में 933 रोगियों का था
- कुछ डेंगू रोगियों की पसलियों में पानी भरने का मामला भी सामने आया

बीकानेर, (कासं)। यहा डेंगू रोगियों की संख्या ने पिछले कई साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यहां पीबीएम अस्पताल में अब तक 1 हजार से ज्यादा डेंगू रोगी पहुंच चुके हैं। जबकि वर्ष 2021 में ये आंकड़ा पीबीएम अस्पताल में 933 रोगियों का था। साल भर में डेंगू के पांच रोगियों की मौत हो चुकी है।

पीबीएम अस्पताल के मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र वर्मा ने बताया कि इस बार डेंगू के रोगियों में जटिलता ज्यादा है। बड़ी संख्या में ऐसे डेंगू रोगी भी भर्ती हुए जिनकी प्लेटलेट्स 5 हजार से कम हो गई। हालांकि इसके बाद भी उनकी जान बचाई गई है। कुछ डेंगू रोगियों की पसलियों में पानी भरने का मामला भी सामने आया है। पहली बार इस तरह के लक्षण डेंगू रोगी में पाए गए। हालांकि ऐसे रोगी भी ठीक होकर वापस घर लौट गए हैं। पूरे साल में पांच रोगियों की मौत हुई, जिसमें एक की मौत कुछ दिन पहले हुई।

साल 2024 में बीकानेर जिले में डेंगू के 810 रोगी मिले हैं। जिसमें पांच की मौत हुई। 805 रोगियों की जान बचा ली गई। पीबीएम में भर्ती रोगियों की संख्या ज्यादा थी। क्योंकि यहां श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, अनूपगढ़, नागौर तक से रोगी पहुंचते हैं। इनमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के क्षेत्र वाले एरिया से भर्ती रोगियों की संख्या 810 थी।

उधर सरकारी अस्पताल नहीं पहुंचने वाले रोगियों की गिनती नहीं हो रही। बड़ी संख्या में रोगी प्राइवेट हॉस्पिटल या फिर प्राइवेट प्रेक्टिशनर के यहां पहुंच जाते हैं। वहीं इलाज लेकर ठीक हो जाते हैं। ऐसे में इन रोगियों की गिनती नहीं हो पाती। एक अनुमान के मुताबिक ऐसे रोगियों की संख्या भी सैकड़ों में है। बीकानेर में अब हर साल ही डेंगू के मच्छर का प्रकोप रहता है।

अब से पहले वर्ष 2021 में डेंगू रोगियों की संख्या 933 तक पहुंच गई थी। तब सिर्फ आईएम पॉजिटिव को ही डेंगू पॉजिटिव माना जाता था। लेकिन अब एनएस वन पॉजिटिव रोगी को भी डेंगू में पॉजिटिव मानकर गिना जाता है। ऐसे में रोगियों की संख्या बढ़ी हुई सामने आई है।

घर से लाखों के सोने-चांदी के जेवर चोरी

- महिला ने 3 युवकों को दीवार फांदकर भागते देखा, कमरे में अलमारी खुली मिली

बीकानेर, (कासं)। यहां के परकोटा क्षेत्र में चोरी और लूट की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दो दिन पहले पुष्करणा स्कूल के पास एक महिला से चैन लूट ली गई। अब नत्थूसर गेट पर एक घर से चोर लाखों रूपए के सोने-चांदी के गहने चोरी कर ले गए। नया शहर थाने में चोरी का मामला दर्ज करवाया गया है।

नत्थूसर गेट के बाहर रहने वाले दीपक कुमार पुरोहित ने रिपोर्ट में बताया कि देर रात वह नींद से उठा तो घर में आवाज आ रही थी। उसने देखा तो तीन युवक उसके घर की दीवार फांदकर भागते नजर आए। कमरों में देखा तो सामान बिखरा हुआ था। अलमारी भी खुली थी और उसमें रखे सोने-चांदी के आभूषण गायब थे। सात नग सोने की चूड़ियां चोरी हो गई है। बाजार में इनकी कीमत लाखों रूपए हैं।

इसके अलावा सोने के सात तनखे, दो सोने के छोटे कड़े, एक सोने की अंगूठी भी चोरी हो गई। इसके अलावा चांदी कड़े आदि भी चोर ले गए। 15 हजार रूपए नगद भी रखे हुए थे, जो चोर ले गए। घटना के बारे में नयाशहर पुलिस को सूचना दी गई। जहां एफआईआर दर्ज हो गई है लेकिन अब तक चोर का सुराग नहीं लगा है।

डी.ए.पी. खाद के 900 बैग बांटे

घमंडिया, (निसं)। रिड़मलसर में क्रय विक्रय सहकारी समिति, विनायक बहुउद्देशीय सहकारी समिति व ग्राम सेवा सहकारी समिति में 300-300 बैग डीएपी खाद के पहुंचे।

डीएपी की आने की जानकारी मिलते ही तीनों समितियों पर किसानों की लम्बी कतारें लग गई। जमाबंदी व आधार पर किसानों को 10 बीघा पर 5 बैग, 6 बीघा पर 3 व 8 बीघा पर 4 बैग दिए जा रहे थे। इस दौरान कई लघु सीमांत किसानों ने डीएपी वितरण में भेदभाव का आरोप लगाया। क्रय विक्रय सहकारी समिति, विनायक बहुउद्देशीय सहकारी समिति व ग्राम सेवा सहकारी समिति पर करीब 200 से अधिक किसानों को 900 बैग वितरित किए गए। गये। सहायक कृषि अधिकारी कृष्ण कुमार ने क्रय विक्रय सहकारी समिति पर वितरित कराए।

18 गैस सिलेंडर मय अवैध रिफिलिंग मशीन जब्त

- घरेलू गैस सिलेंडर, एक इलेक्ट्रोनिक कांटा व एक रिफिलिंग मशीन जब्त की

बीकानेर, (कासं)। जिला रसद अधिकारी वीरेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि नया शहर थाने के पास स्थित रामदेव ट्रेडर्स नामक दुकान में संजय बिश्नोई पुत्र कपिल बिश्नोई निवासी जेएनवी कॉलोनी को मौके पर घरेलू गैस सिलेंडर से गैस भरते हुए पकड़ा गया। वहां से तीन घरेलू गैस सिलेंडर, एक इलेक्ट्रोनिक कांटा व एक रिफिलिंग मशीन जब्त की गई।

दूसरे प्रकरण में रंगोलाई महादेव मंदिर के पास मनीनाथ सिद्ध पुत्र लालनाथ सिद्ध के कब्जे से 10 घरेलू गैस सिलेंडर, एक कामर्शियल सिलेंडर, एक इलेक्ट्रोनिक कांटा व एक रिफिलिंग मशीन जब्त की गई जिससे अवैध रिफिलिंग की जा रही थी। साथ ही करमीसर में इंडियन इंग्लिश स्कूल के सामने मुरलीधर व्यास नगर में श्रीराम की दुकान पर किशन पुत्र बचनसिंह गहलोत निवासी सुजानदेसर को भी अवैध रूप से गैस रिफिलिंग करते हुए पकड़ा गया। मौके पर 04 घरेलू गैस सिलेंडर, एक इलेक्ट्रोनिक कांटा व एक रिफिलिंग मशीन जब्त की गई। कार्रवाई में 18 सिलेंडर मय अवैध रिफिलिंग मशीन जब्त किए गए। यह प्रकरण एलपीजी अधिनियम, 2000 के खंड सं. 3, 4, 5 व 7 का स्पष्ट उल्लंघन है। इन प्रकरणों में जब्त की गई समस्त सामग्री को नजदीकी गैस ऐजेंसियों के गोदाम में सुरक्षित रखने के लिए सुपुर्द कर पाबंद किया गया ताकि न्यायालय से आदेश प्राप्ति तक जब्त सामान को यथावत सुरक्षित रखा जाए। इस निरीक्षण दल में प्रवर्तन अधिकारी पवन सुथार, प्रवर्तन निरीक्षक जयसिंह और प्रखर भार्गव शामिल थे।

खाद्य मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार एलपीजी के दुरूपयोग एवं अवैध रिफिलिंग के विरूद्ध अभियान के तहत घरेलू सिलेंडर के व्यवसायिक दुरूपयोग की रोकथाम के लिए औचक निरीक्षण के साथ कार्रवाई की गई।

मंडी में 65 हजार बोरी मूंगफली आई

बीकानेर, (कासं)। श्रीगंगानगर रोड स्थित मुख्य अनाज मंडी में 65 हजार बोरी मूंगफली की आवक हुई। सीजन में पहली बार मूंगफली की एक साथ इतनी आवक हुई है। हालांकि आगामी दिनों में इसकी संख्या एक लाख बोरी रोजाना तक पहुंच जायेगी। सोमवार से मूंगफली की बोली दो बोली से शुरू हुई। दो बोली का असर यह हुआ कि पहले दिन महज 6 घंटे में मूंगफली की एक हजार ढेरियों की नीलामी हो गई। कच्ची आढ़त व्यापार संघ के अध्यक्ष जयदयाल डूडी ने बताया कि सोमवार को जिंसों की बोली के दौरान मूंगफली के भाव 4500 से 6500 रूपए प्रति क्विंटल रहे। इसी प्रकार ग्वार 14 हजार बैग की आवक के साथ 5000 से 5090 रुपए तथा मोंठ 2 हजार बैग की आवक के बाद 4500 से 4700 रूपए प्रति क्विंटल बिका। डूडी ने बताया कि मूंगफली की दो बोली सुबह 11 से शाम 5 बजे तक हुई थी। इसी क्रम में मंगलवार को भी जिंसों की बोली होगी। दीपावली के बाद पहली बार अनाज मंडी में मूंगफली की बंपर आवक दिखाई दी।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए **दिनांक 21.11.2024 को 15.00 बजे** तक खुली ई-निविदा आमंत्रित करते है:- **ई-निविदा सूचना संख्या. 143-24-25. कार्य का नाम व स्थान :** सहायक मण्डल इंजीनियर/मुख्यालय/बीकानेर के अधीन से बीकानेर से ईस्ट तक क्षतिग्रस्त पनाईप लाईन और सादुल कॉलोनी, ओल्ड कॉलोनी तथा आरपीएफ कॉलोनी में क्षतिग्रस्त आरओ पाईप लाईन की मरम्मत एवं आरपीएफ कॉलोनी बीकानेर में मौजूदा सिवरेज प्रणाली एवं जल निकासी प्रणाली की मरम्मत और लालगढ़ में नई रेलवे कॉलानी की जल निकासी प्रणाली में सुधार का कार्य। **अनुमानित लागत:** ₹ 1,09,98,626.79 **धरोहर राशि:** रु. 2,05,000/-. **नोट:-** अन्य शर्तें रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है।
1273-AR/24
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई- निविदा सूचना
वरि. मंडल बिजली इंजीनियर/सामान्य, उ.प. रेलवे बीकानेर, भारत के राष्ट्रपति के वास्ते व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित करते है। **निविदा सं.: 07-इलेक्ट/बीकेएन/ई-निविदा/2024-25. कार्य का नाम:** Repairing, Rewinding, reconditioning and lowering/ lifting of submersible pumps over Bikaner Division for two years. **अनुमानित लानत :** ₹ 72,56,750/-. **धरोहर रुपये:** ₹1,45,100/-. **निविदा दस्तावेज लागत:** Nil. **सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता: http://www.ireps.gov.in ई-निविदाएं बंद होने की तिथि व समय: 26.11.2024** को 15.00 बजे तक। **ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय: 26.11.2024 को 15.00 बजे** के बाद।
1272-AR/24
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

एम.एम.के. नहर से पानी चोरी करते पकड़ा

- 6 इंच व्यास की पाइप बरामद
- सिंचाई पानी की डिग्गी भर रहा था किसान

श्रीगंगानगर, (कासं)। एमएम के नहर से पानी चोरी करने पर एक काश्तकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार रात्रि को सरदारपुरा माइनर अध्यक्ष के प्रतिनिधि पंकज धामू गश्त कर रहे थे। उस दौरान चक 38 एमएमके मोघे पर किसी व्यक्ति के द्वारा पाइप लगाकर पानी चोरी करने का अंदेशा हुआ।

इस पर पंकज धामू ने उमेवाला माइनर के अध्यक्ष विजय गोदारा और एमएम के माइनर अध्यक्ष बलराम देहडू को सूचना दी। सभी ने एक साथ मौके पर पहुंचकर पानी चोरी करने वाले काश्तकार रामनिवास पुत्र हेतराम जाट निवासी मोरजंड खारी को मौके पर पकड़ा। काश्तकार छह इंच डाया और 40 फीट लंबे दो पाइप लगा कर नहर से पानी चोरी कर रहा था। पानी चोरी के निशान से बचने के लिए पाइप के नीचे दरी लगा रखी थी। आरोप है कि काश्तकार अपने खेत में बनी सिंचाई की डिग्गी भर रहा था।

हालांकि इस दौरान उसके सहयोगी तीन लोग फरार हो गए। बरामद पाइप अध्यक्ष ट्रैक्टर ट्रॉली में डालकर घर ले आए। उसके बाद रविवार को सादुलशहर थाने पहुंच कर अध्यक्ष ने मुकदमा दर्ज कराया। मामले की जांच हेड कांस्टेबल राजवीर सिंह कर रहे हैं। सोमवार तक पुलिस ने घटना का मौका नहीं देखा।इ पानी चोरी की जानकारी संबंधित विभाग हनुमानगढ़ के जेईएन गगनदीप सिंह, एक्सई एन गौरव जांगिड़, सुनील को सूचना दी जिस पर अधिकारी ने नहर पर जाकर मौका देखा। लालगढ़ जाटान एसडीएस वितरिका के दो एसडीएस मोघे में फट्टी लगाकर किसान को पानी चोरी पकड़ी। मौके से किसान फरार हो गया। बाद में बीके 121 अध्यक्ष व अन्य किसानों ने मोके पर बेलदार को बुलाया और फट्टी निकलवाई। घटना शनिवार-रविवार रात्रि की बताई गई है। काश्तकार धर्मपाल गोदारा ने बताया कि पिछले कई वर्षों से एसडीएस वितरिका नहर के टेल के किसान सिंचाई विभाग से मिलकर टेल पर पानी पूरा करने की मांग कर रहे हैं। इसी क्रम में एसडीएस वितरिका नहर बीके 121 के अध्यक्ष विनोद गांधी, राजेंद्र ज्यानी, अनिल खालिया, ओमप्रकाश, अमर सिंह टीसी सदस्य, रणवीर सिंह खालिया व अन्य काश्तकार शनिवार रात्रि 12 बजे नहर नहर पटरी पर निरीक्षण करते हुए दो एसडीएस मोघे के पास पहुंचे।

33 केवी लाइन में कट से बिजली कटौती

बीकानेर, (कासं)। गजनेर रोड पर 33 केवी बिजली की लाइन में कट लगने से स्थानीय लोगों को रात और दिन में बिजली कटौती का सामना करना पड़ा।

बीकानेर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई लिमिटेड (बीकेईएसएल) के तकनीकी कर्मचारियों की टीम को लाइन में कट की सूचना रात करीब 12 बजे लगी। इससे पहले वे लाइन में फॉल्ट को ढूंढ़ने में लगे थे। बताया जा रहा है कि गजनेर रोड पर खुदाई के दौरान 33 केवी बिजली की लाइन में कट लग गया, जिससे ओल्ड पावर हाउस, इंदिरा कॉलोनी, करणी सिंह स्टेडियम, अनाज मंडी एरिया, गिन्नाणी, कलेक्ट्रेट, आचार्यों की बगेची, गवर्नमेंट प्रेस रोड, डीटीआर-1, डीटीआर-2 पुलिस लाइन सहित आसपास के एरिया में रात करीब 12 बजे बिजली गुल हो गई। करीब साढ़े बारह बजे बिजली लाइन में कट मिल गया। इसके बाद करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद लाइन को दुरुस्त कर दिया।

पार्षद का हिस्ट्रीशीटर पिता व दोस्त गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिला अस्पताल से किशोर का अपहरण करके ले जाने और जान से मारने की धमकी के आरोप में जवाहर नगर थाने के हिस्ट्रीशीटर इंदिरा कॉलोनी निवासी कालिया लट्टू उर्फ मुरारीलाल डागला पुत्र कानाराम तथा भुट्टो पुत्र मोहम्मद हसन को सदर पुलिस ने गिरफ्तार किया।

इस मामले में ही कालिया लट्टू के बेटों इशु डागला व अभिषेक डागला को अभी गिरफ्तार नहीं किया जा सका है। मामले के जांच अधिकारी हैड कांस्टेबल झाबरमल ने बताया कि आरोपियों ने दो नवम्बर को दोपहर में जिला अस्पताल के सर्जिकल वार्ड से भर्ती 15 साल के किशोर तथा उसकी मां का अपहरण कर लिया था।

आरोपी पार्षद अक्षय डागला के खिलाफ दर्ज करवाए गए पोक्सो एक्ट के मुकदमे में राजीनामा करने का दबाव बना रहे थे। इनको कोतवाली पुलिस ने शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर तीन नवम्बर को न्यायिक हिरासत में भिजवाया था। जांच अधिकारी ने बताया कि दोनों को केन्द्रीय कारागृह से गिरफ्तार किया गया है। इनको मंगलवार को अदालत में पेशकर रिमांड पर लिया जायेगा।

जवाहर नगर एसएचओ देवेंद्र राठौड़ ने बताया कि आरोपी पार्षद अक्षय डागला के खिलाफ दर्ज मुकदमे के पीड़ित 15 वर्षीय किशोर का मेडिकल मुआयना हो चुका है। पीड़ित किशोर के अदालत में मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज होंगे। बयानों की प्रमाणित प्रति मिलने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जायेगी। फिलहाल पार्षद अक्षय डागला शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार करके न्यायिक हिरासत में भिजवाया हुआ है।

किशोर से पीडित महिला के अनुसार उसके 15 साल के बेटे से आरोपी पार्षद अक्षय डागला ने एक नवम्बर की रात को मारपीट की। प्राइवेट पार्ट में चोटें मारीं।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर
क्रमांक :- LU2012/SGN/2024-25/101172 **लोक सूचना** दिनांक : 05.11.2024
श्री कबीर मिढडा पुत्र श्री चन्द्रमोहन मिढडा निवासी 74 जी ब्लॉक, श्रीगंगानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का पर्यटन ईकाई (होटल) प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र.सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं./भूमि का विवरण	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1	चक 6 ए छोटी तहसील व जिला श्रीगंगानगर	श्री कबीर मिढडा पुत्र श्री चन्द्रमोहन मिढडा	चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 30 के किला नं. 13/1 में 0.1625 है. किला नं. 14/2 में 0.1625 है. किला नं. 15/2 में 0.107 है. किला नं. 16 में 0.013 है., कुल 0.445 है.	कुल 0.445 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 08.11.2024 को जारी की गयी।
- प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक :- नियमन/ 2024 / 3947 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 10/10/2024
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री कौशल चावला पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार माता स्व. श्रीमती मूर्ति देवी निवासी म.न. 400, नजदीक ग्रीन पार्क, पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखण्ड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण		
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	विवरण	जायज वारिसों का विवरण	दस्तावेज का विवरण
चक 3 ए छोटी मुरब्बा नं. 40 किला नं. 18 में माप 15 इन्टू 40 फीट, भूखण्ड संख्या सी-10 श्रीगंगानगर	नियमन पट्टा संख्या 9381 दिनांक 05.02.2019 को श्री विकास पाण्डे पुत्र श्री आशुतोष पाण्डे के नाम से पट्टा जारी है। जो कि नामान्तरण उपरान्त श्रीमती मूर्ति देवी पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार के नाम से दर्ज है।	श्रीमती मूर्ति देवी की मृत्यु दिनांक 31.12.2023 को हो चुकी है।	राजेन्द्र कुमार - पुत्र वनिता - पुत्री कौशल चावला - पुत्र	श्रीमती मूर्ति देवी की मृत्यु उपरान्त श्री कौशल चावला द्वारा पंजीकृत दस्तबरदारी दिनांक 21.08.2024 की प्रति प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड के नामान्तरण बाबत न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध श्री कौशल चावला पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार माता स्व. श्रीमती मूर्ति देवी निवासी म.न. 400, नजदीक ग्रीन पार्क, पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री होल्ड पट्टे के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिए कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपत्ति/ उजर स्वीकार नहीं होगा।
आवेदन संख्या :- SGNR/FY24-25/MUT/785 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

ब्यावर कलेक्टर ने की अवैध खनन कर रही फर्म पर कार्रवाई, 38 करोड़ का जुर्माना लगाया

रायपुर उपखंड क्षेत्र के ग्राम अमरगढ़ में करणी कृपा ग्रेनाइट फर्म ने लीज क्षेत्र से बाहर 1.30 लाख टन से ज्यादा अवैध खनन और अतिक्रमण कर रखा था

जयपुर/ब्यावर, (कासं)। ब्यावर जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत के आदेश पर रायपुर उपखंड अधिकारी के नेतृत्व में प्रशासन, पुलिस और खनिज विभाग की टीम ने मंगलवार को अवैध खनन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। रायपुर क्षेत्र की चांग तहसील के ग्राम अमरगढ़ में करणी कृपा ग्रेनाइट फर्म द्वारा लीज क्षेत्र से बाहर अवैध खनन करते हुए पाए जाने पर नाप-जोख किया। खनिज विभाग की जांच में 1 लाख 30 हजार 110.96 टन अवैध खनन सामने आया। इस पर पेनल्टी राशि रॉयल्टी का 10 गुना वसूली योग्य मानते हुए 37 करोड़ 73 लाख 21 हजार रु. जुर्माना लगाया। जांच में अवैध खनन क्षेत्र कुल 5571 वर्ग मीटर एवं अवैध अतिक्रमण क्षेत्र 22274 वर्ग मीटर पाया गया।

कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खड़गावत ने बताया कि इस फर्म के द्वारा अवैध खनन और अतिक्रमण की लगातार ग्रामवासियों द्वारा शिकायत की जा रही थी। इस पर शिकायतों की जांच और सत्यापन कराया तो यह पूरा कारनामा सामने आया। इस पर उपखंड अधिकारी रायपुर को संयुक्त दल के साथ मौके पर पहुंचकर जांच करने और शिकायत सही होने पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इस पर मंगलवार को उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी हल्का चांग व खनिज व पुलिस टीमें ग्राम अमरगढ़ के खसरा नंबर 84 पर मौके पर पहुंची। जांच दल को मौके पर लीज होल्डर उपस्थित नहीं मिले।

ब्यावर कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खड़गावत के आदेश पर रायपुर उपखंड अधिकारी के नेतृत्व में प्रशासन, पुलिस और खनिज विभाग की टीम ने अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई की।

- जांच में अवैध खनन क्षेत्र कुल 5571 वर्ग मीटर एवं अवैध अतिक्रमण क्षेत्र 22274 वर्ग मीटर पाया गया
- उपखंड अधिकारी की मौजूदगी में जब खनिज विभाग की टीम ने मौके पर नाप-जोख की तो इस फर्म द्वारा तय क्षेत्र से ज्यादा जगह पर अवैध खनन किए जाने की पोल खुली

जांच करने पर माइनिंग लीज एम.एल. 39/02 का राजस्व रिकॉर्ड में अंकन नहीं होना पाया गया। खनिज विभाग के अनुसार खसरा नंबर 84 में एम.एल. 39/02 में क्षेत्रफल 4 हैक्टेयर लीज क्षेत्र स्वीकृत है। मौके पर खनिज विभाग ने इस लीज के दो सीमा चिन्ह ए व डी बताए गए जो मौके पर पाए गए। शेष दो सीमा चिन्ह मौके पर न तो पाये गए न हीं खनिज विभाग द्वारा बताए गए। मौके पर राजस्व विभाग व खनिज विभाग द्वारा संयुक्त रूप से खनन क्षेत्र एम.एल. 39/02 क्षेत्रफल 4 हैक्टेयर का सीमांकन किया गया। लीज होल्डर द्वारा लीज क्षेत्र से अधिक क्षेत्र व सिवायचक भूमि में अवैध खनन करना व मैटेरियल डालकर अतिक्रमण करना पाया गया। इस पर दोषी फर्म पर कार्रवाई करते हुए लगभग 38 करोड़ की राशि का जुर्माना लगाया। इस कार्रवाई में उपखंड अधिकारी गुलाब सिंह, तहसीलदार रायपुर, खनिज अभियंता जगदीश मेहरावत सहित प्रशासन, पुलिस व खनिज विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पांच हजार की रिश्वत लेते बाबू को पकड़ा

- स्वास्थ्य विभाग जोन डायरेक्टर के कार्यालय में कार का बिल बनाने की एवज में रिश्वत मांगी

जोधपुर, (कासं)। एसीबी ने कार्रवाई कर चिकित्सा विभाग के बाबू नरेंद्र भारती को पकड़ा है। जोधपुर की एसीबी टीम ने बिल बनाने की एवज में रिश्वत राशि लेते चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग जोन डायरेक्टर ऑफिस के कार्यालय कर्मचारी को रंगे हाथों ट्रैप किया है। उससे पांच हजार की रिश्वत राशि बरामद की गई। फिलहाल उसके मकान और अन्य ठिकानों पर एसीबी की ओर से सर्च की कार्रवाई को अंजाम भी दिया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार इसको लेकर पूर्व में परिवादी की ओर से शिकायत दी गई थी। इसके बाद से ही एसीबी की टीम एक्टिव थी। फिलहाल इस पूरे रिश्वत के मामले में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। एसीबी के उप अधीक्षक गोवर्धन राम ने बताया कि 24 अक्टूबर को एसीबी की स्पेशल यूनिट में परिवादी ने लिखित रिपोर्ट पेश की। बताया कि स्वास्थ्य विभाग जोन डायरेक्टर के कार्यालय में उनकी एक कार लगी हुई थी। जिसका बिल बनाने की एवज में कार्यालय में कार्यरत बाबू नरेंद्र भारती की ओर से रिश्वत राशि की मांग की जा रही है। शिकायत मिलने के बाद 24 अक्टूबर को एसीबी की टीम ने वेरिफिकेशन करवाया और ट्रैप की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। दीपावली के अवकाश खत्म होने के बाद आज ऑफिस के बाबू ने परिवादी से 5 हजार रुपए जैसे ही लिए। रंगे हाथों एसीबी टीम ने उसे ट्रैप कर लिया। फिलहाल बाबू को हिरासत में लिया गया है। उसके शिकारगढ़ स्थित मकान पर भी सर्च किया जा रहा है। एसीबी इस रिश्वत के खेल में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

25 हजार का इनामी गिरफ्तार

मासलपुर/करौली, (निसं)। मासलपुर थाना पुलिस ने नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में एक वर्ष से फरार चल रहे 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। मासलपुर थानाधिकारी नीरज कुमार शर्मा ने बताया कि नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में एक साल से फरार चल रहे गोविंद गुर्जर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस एक आरोपी को पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। थानाधिकारी बताया कि गत 24 सितंबर 2023 को मासलपुर थाने में एक नाबालिग के पिता ने अपनी पुत्री के अपहरण कि एफआईआर दर्ज कराई।

डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने राजेन्द्र भांबू को जीताने की अपील की

झुंझुनू। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि झुंझुनू विधानसभा में जनता को झूठ के अलावा कुछ नहीं मिला। दिया कुमारी चावों सती मंदिर हॉल, बगड़ में एक सभा को संबोधित कर रही थी। दिया कुमारी ने देश के सैन्य इतिहास में झुंझुनू के बलिदान को याद करते हुए कहा कि एक सैनिक की बेटी के रूप में शेखावाटी के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।

डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में विकास के नये आयाम स्थापित करने के लिए तेजी से प्रयास किये जा रहे हैं और राइजिंग राजस्थान के माध्यम से राज्य में 15000 करोड़ के निवेश किये जायेंगे, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी होगी। दिया कुमारी ने कहा कि शेखावाटी की पर्यटन के क्षेत्र में विशेष पहचान है और भाजपा की जीत यहाँ विकास के नये आयाम स्थापित करेगी।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का झुंझुनू पहुँचने पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

इस अवसर पर मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, मंत्री अविनाश गहलोत, सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर, जिलाध्यक्ष बनवारी लाल सैनी, नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल, कोलायत विधायक अंशुमान भाटी, पूर्व विधायक रणवीर सिंह गुढा, बगड चेयरमैन गोविंद सिंह, पूर्व चेयरमैन विक्रम सिंह, विजेंद्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष शेरसिंह, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष रतन सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव सिंह, पार्षद अजय सिंह, कीर्ति सिंह, दशरथ सिंह पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री के झुंझुनू पहुँचने पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने नवलगढ़ और झुंझुनूं शहर की सीमा पर स्वागत किया। डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने परमवीर चक्र विजेता शहीद पीरु सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। देर शाम दिया कुमारी झुंझुनू स्थित चुनाव कार्यालय पहुँची जहां उन्होंने कार्यकर्ताओं से बातचीत की और उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रदेश में सात सीटों पर हो रहे विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा ने ताकत झोंकी

- रामगढ़ में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन, गृह राज्यमंत्री जवाहर बेढम ने भाजपा के समर्थन में मतदान की अपील की
- मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से जवाहर सिंह बेढम ने गुर्जर समाज के लोगों से फ़ोन पर बात कराई

जयपुर। प्रदेश में सात सीटों पर हो रहे विधानसभा चुनावों को लेकर भाजपा ने पूरी ताकत झोंक रखी है। भाजपा के मंत्री, विधायक और संगठन के लोग सभी समाजों तक पहुंचकर भाजपा के पक्ष में वोट डालने की अपील कर रहे हैं और सभी समाजों को अपनी और आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को भाजपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह के समर्थन में गुर्जर समाज का दीपावली मिलन समारोह रामगढ़ में आयोजित किया गया जिसमें रामगढ़ विधानसभा के गुर्जर समाज के लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, पूर्व कैबिनेट मंत्री हेम सिंह भड़ाना, गंगापुर सिटी विधायक मानसिंह गुर्जर ने समाज के लोगों से रामगढ़ सीट को भाजपा की झोली में डालने की अपील की। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह मैडम ने फोन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भी समाज के लोगों की बात कराई। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लोगों से रामा श्यामा की और भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोट डलवाने की अपील की। इस दौरान भाजपा नेता राजेंद्र कसाना, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, सुदेश खम्बरा, बर्ह्म मुनि,महेंद्र कुमावत मौजूद रहे।

भाजपा टोंक द्वारा देवली उनियारा विधानसभा चुनावों को लेकर उनियारा में मीडिया सेंटर का उद्घाटन भीलवाड़ा सांसद एवं विधानसभा चुनाव प्रभारी दामोदर अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर मीडिया को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा प्रत्याशी की चुनावी सभाओं में उमड़ रहा जन सैलाब चुनाव परिणामों की दिशा बता रहा है और हम बूथ मैनेजमेंट पर ध्यान दे रहे हैं और अधिक से अधिक मतदान हो यही हमारा लक्ष्य है। वहीं खींवसर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी रेवन्तराम डांगा ने मंगलवार को आचीणा, करणू, शिवनाड़ा, साटिका, पाचौड़ी, हनुमान सागर, भोजास, खटौड़ा, झाड़ेली, बिरलोका, मोतीनाथरापुरा, जसनाथपुरा, पाबुसर, हेमपुरा में जनसंपर्क कर अपने पक्ष में समर्थन मांगा। इस मौक़े पर पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आपका एक एक मत खींवसर के विकास के लिए आगामी वर्षों की दशा और दिशा तय करेगा।

उप चुनाव को लेकर विधानसभा के चुनावी दौरे पर आई राजस्थान सरकार की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस ने ज़िले सहित शेखावाटी को यमुना नदी के पानी के नाम पर हमेशा धोखा देकर वोट की राजनीति की है जबकि भाजपा जो कहती है वो करती है। अब जल्द ही झुझुनू ज़िले के लोगो को यमुना का पानी पेयजल व सिंचाई के रूप में मिलेगा। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में राजेंद्र भांबू के विजय होने से विधानसभा क्षेत्र में बहुत विकास कार्य होंगे व एक लहलहाता झुंझुनूं आपको तोहफ़े में मिलेगा। चौरासी सीट पर कारीलाल ननोमा ने झोथरी मंडल में जनसंपर्क किया और चौकी, माल, बावड़ी खेड़ा, सुराता, बेड़ा, नगरिया, पंचेला में घर-घर जाकर प्रचार-प्रसार किया। सलूम्बर सीट से भाजपा प्रत्याशी शांता देवी ने कहा कि विकसित राजस्थान के साथ सलूम्बर को समृद्ध बनाने के लिए भाजपा को वोट देकर भजनलाल सरकार को मजबूत बनाना है। भाजपा प्रत्याशी शांता देवी ने मल्लाडा मंडल में गांव गांव जाकर जनसंपर्क किया।

सर्राफा व्यवसायी के घर जेवर सहित नगदी चोरी

चोरी की वारदात के बाद मकान में पुलिस ने जांच की।

- सात किलो चांदी, सोने के जेवरात सहित एक लाख की नकदी चोरी

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे के पुराने बाजार में एक सर्राफा व्यापारी के घर से लाखों रुपए के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी हो गए। ज्वैलर्स दीपावली मनाने के लिए अपने परिवार के साथ जयपुर गया हुआ था और पीछे से चोर सूने घर से लाखों रुपए के आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गए।

ज्वैलर्स राकेश कुमार सोनी ने बताया कि धनतेरस के दिन वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जयपुर अपने माता-पिता के पास दीपावली मनाने गया था। राकेश सोनी नारायणपुर के सीएचसी में एकाउंटेंट के पद पर कार्यरत हैं, पार्ट-टाइम में वह अपने घर पर स्वर्णकार का काम करता है। उन्होंने बताया कि सोमवार शाम करीब सात बजे जब वह नारायणपुर स्थित अपने घर पहुंचा तो घर के मुख्य दरवाजे का ताला खोला, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। उन्होंने पड़ोसियों को बुलाया और दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद वह दूसरे मकान की छत से घर के अंदर गया, जहां सीढ़ियों का दरवाजा खुला हुआ था। घर के अंदर जाने पर उन्होंने देखा कि सभी कमरे का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी टूटी थी।

जांच करने पर पता चला कि सोने-चांदी के सभी आभूषण गायब थे। राकेश सोनी ने बताया कि करीब 7 किलो चांदी, सोने की चैन, सोने की 2 अंगूठी, सोने की झुमकी, सोने का पेंडल, 8 नग सोने की नोज पिन, बच्चों की और पत्नी की चांदी की पायजेब सहित लगभग एक लाख रुपए की नकदी चोरी हो गई। उन्होंने बताया कि ज्वेलरी का काम करने के साथ-साथ वह चांदी की सप्लाई का भी काम करता हैं। चोर उनके घर से लगभग10-12लाख रुपए का सामान लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई,जिस पर थानाधिकारी शिम्भुदयाल मीणा मय जाप्ते के मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। पुलिस ने चोरी का मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

सूने मकान से लाखों की चोरी

बिजयनगर, (निसं)। बीती रात बरल रोड स्थित महावीर कामेश कॉलोनी में स्थित हरीश पुत्र छोटू लाल सोनी के सूने आवास से अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम देते हुए लाखों के जेवरात व नकदी चुराकर ले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार महावीर कामेश कॉलोनी निवासी हरीश सोनी दीपावली पर अपने परिवार के साथ ससुराल गए हुए थे। इसी बीच सोमवार रात्रि को अज्ञात चोरों ने सूने मकान के मुख्य द्वार का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया और घर के कमरे में रखी अलमारी को खंगालते हुए उसमें रखी 4 किलो चांदी, 30 ग्राम सोना सहित दो लाख रुपये की नगदी चुराने में कामयाब हो गए। मंगलवार प्रात:पड़ोसियों ने घर के मुख्य द्वार को खुला हुआ देखकर मकान मालिक हरीश सोनी को चोरी की घटना की जानकारी दी। चोरी की वारदात की पुलिस को सूचना दी गई।

कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी रियाज समेत चार की मेडिकल जांच

- रियाज को यूरोलॉजी विभाग में दिखाने के बाद बाकी तीन हार्डकोर अपराधियों का उपचार करवाया
- आरोपियों को हथियारबंद जवान, सिविल लाइन सहित और कोतवाली थाना पुलिस की मौजूदगी में हाई सिक्योरिटी जेल में शिफ्ट किया

अजमेर, (कासं)। उदयपुर में हुए टेलर कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी रियाज अत्तारी समेत 4 हार्डकोर आरोपियों को पुलिस मंगलवार को हाई सिक्योरिटी जेल से जवाहर लाल नेहरू अस्पताल लेकर पहुंची। रियाज को यूरोलॉजी विभाग में दिखाने के बाद बाकी तीन हार्डकोर अपराधियों का ओपीडी में उपचार करवाया गया। आरोपियों को हथियारबंद जवान, सिविल लाइन सहित और कोतवाली थाना पुलिस की मौजूदगी में हाई सिक्योरिटी जेल में शिफ्ट किया गया।

गौरतलब है कि कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी गौस मोहम्मद, रियाज अत्तारी सहित अन्य आरोपी हाई सिक्योरिटी जेल में बंद है। रियाज अत्तारी को मंगलवार को बाथरूम में तकलीफ होने पर हाई सिक्योरिटी जेल से हथियारबंद जवानों और सिविल लाइन कोतवाली थाना पुलिस की मौजूदगी में यूरोलॉजी विभाग लेकर पहुंचे। रियाज की जांच करवाने के बाद संबंधित डॉक्टर को दिखाया गया। डॉक्टर द्वारा उसे प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद रियाज को वापस कड़ी सुरक्षा में हाई सिक्योरिटी जेल शिफ्ट किया गया। जानकारी अनुसार कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी रियाज अत्तारी के साथ अन्य 3 हार्डकोर अपराधियों को भी जेएलएन हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे। रियाज को सबसे पहले कार्डियोलॉजी विभाग में दिखाने के बाद बाकी तीन हार्डकोर अपराधियों को जेएलएन अस्पताल की ओपीडी में लेकर पहुंचे। जहां हार्डकोर अपराधी सिकंदर ऑफ जीवण, दिलीप और अन्य हार्डकोर अपराधी को उपचार करवाने के बाद जेल में शिफ्ट कर दिया गया।

सड़क हादसे में महिला की मौत

हिण्डौन, (निसं)। लपावली मार्ग स्थित एक पेट्रोल पंप के पास अज्ञात बाइक की टक्कर से घायल हुई महिला की रविवार शाम को मौत हो गई। परिजन महिला को जिला अस्पताल से जयपुर ले जा रहे थे। मृतका हिण्डौन के भंडारण का पुरा निवासी शिमला सैनी के पति मोहन सैनी ने बताया कि भाई दूज पर उसकी पत्नी शिमला, बेटा रवि सैनी तीनों बाइक से टोडाभीम गए हुए थे। महिला शिमला देवी पीहर में भाईदूज मनाकर बाइक से गांव भंडारण का पुरा लौट रही थी। इस दौरान लपावली के पास वह उतरी।

पुष्कर में उमड़ रही आस्था की भीड़

पुष्कर, (निसं)। ब्रह्मा की नगरी पुष्कर में कार्तिक माह के धार्मिक मेले में आस्था का महाकुंभ लगने लगा है। पवित्र ब्रह्म सरोवर के तट पर बने घाटों पर स्नानार्थियों का तांता लगा हुआ है। वहीं ब्रह्मा मंदिर सहित अन्य मंदिरों में दर्शनार्थियों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। बाजारों, गलियों, मुख्य स्थानों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी हुई है। मंदिरों में अन्नकूट महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं।

नगर के आश्रमों, मठों, मंदिरों, घाट किनारे साधु संतो ने डेरा जमाना शुरू कर दिया है। धर्मशालाएं, होटल, रिजॉर्ट की बुकिंग फुल हो चुकी है। धार्मिक मान्यता के अनुसार कार्तिक माह में पुष्कर सरोवर में स्नान पूजा अर्चना करने का महत्व है, लेकिन पुराणोक्त महत्व का पंचतीर्थ महास्नान का आगाज 12 नवंबर कार्तिक शुक्ल पक्ष की देव प्रबोधिनी एकादशी से होगा जिसकी पूर्णाहुति 15 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा के महास्नान के साथ होगी। 9 नवंबर शनिवार को गोपाष्टमी, 10 नवंबर को आंवला नवमी का विशेष स्नान होगा। गोपाष्टमी 9 नवंबर को पुरोहित समुदाय की संस्था श्रीतीर्थ गुरु पुष्कर पुरोहित संघ ट्रस्ट के सानिध्य में सरोवर के मुख्य घाट पर धार्मिक ध्वजारोहण की रस्म अदायगी के साथ धार्मिक मेले का शुभारंभ होगा। इसी दिन हजारों किलो सामग्री का अन्नकूट व सरोवर के छप्पन भोग की झांकी सजाकर महाआरती की जाएगी।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
प्रथम तल, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड, जालोर
क्रमांक-अ.अ./चि.वं स्वा./2024-25/2451-59 दिनांक-23.10.2024
ई-निविदा सूचना संख्या 13/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 105 लाख का 1 सिविल कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डिरिंग प्रक्रिया ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण डीआईपीआर की वैबसाईट WWW.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वैबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB NO. NRH2425A0347
1 NRH2425WSOB01359
DIPR/C/10828/2024
(रणवीर सिंह कछवाहा)
अधिशाषी अभियंता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (भ.सं.), भरतपुर
पावर हाउस के पास, मोतीझील, भरतपुर (ई-मेल -zcebz@jvvnl.org फोन नं.- 05644-236080)
ई-निविदा सूचना
टी.एन.-22, टी.एन.-23, टी.एन.-24 एवं टी.एन.-25 के लिए योग्य निविदादाताओं ऑनलाईन-निविदा दो भागों (तकनीकी-वाणिज्यिक), में श्रम दर पर आमंत्रित किऐ जाते है। टीएन-22:- सहायक अभियन्ता (एच.टी.एम.), जयपुर डिस्कॉम, भरतपुर के अन्तर्गत भरतपुर वृत में 33/11 केवी सब-स्टेशन अटारी का निर्माण मय 33 केवी लाईन व 11 केवी लाईन खीचने का कार्य निगम एआरसी दर पर करने के लिये UBN:VVN2425WSOB00671। टीएन-23:- सहायक अभियन्ता (एच.टी.एम.), जयपुर डिस्कॉम, करौली के अन्तर्गत करौली वृत में 33/11 केवी सब-स्टेशन रॉउण्ड कलॉ का निर्माण मय 33 केवी लाईन व 11 केवी लाईन खीचने का कार्य निगम एआरसी दर पर करने के लिये UBN:VVN2425WSOB00672। टीएन-24:- सहायक अभियन्ता (एच.टी.एम.), जयपुर डिस्कॉम, डीग के अन्तर्गत डीग वृत में 33/11 केवी सब-स्टेशन रसिया का निर्माण मय 33 केवी लाईन व 11 केवी लाईन खीचने का कार्य निगम एआरसी दर पर करने के लिये UBN:VVN2425WSOB00673। टीएन-25:- सहायक अभियन्ता (एच.टी.एम.), जयपुर डिस्कॉम, डीग के अन्तर्गत डीग वृत में 33/11 केवी सब-स्टेशन जयश्री का निर्माण मय 33 केवी लाईन व 11 केवी लाईन खीचने का कार्य निगम एआरसी दर पर करने के लिये UBN:VVN2425WSOB00674। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 06.11.2024 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाऐं ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 18.11.2024 (सायं 5:00 बजे) तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।
जेपीआर-2908 (2024)
राज.संवाद/सी/24/7325
संभागीय मुख्य अभियंता (भरतपुर संभाग)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage and Infrastructure Corporation Ltd.
(A Government of Rajasthan Undertaking) Old Working Women Hostel, Behind Nehru Place, Lal Kothi, Tonk Road, Jaipur
Ph: 0141-2742240; E-mail: rudsico@rajasthan.gov.in, ruifdco@gmail.com; Web: urban.rajasthan.gov.in/rudsico
F18 (52) RUDSICO/AMRUT-2.0/2024-25/Tender/7635 Date :- 30/10/2024
NIB No. 04/2024-25
Notice inviting online bids for Rejuvenation of Water Body Project under AMRUT-2.0
Rajasthan Urban Drinking Water Sewerage & infrastructure Corporation Limited (RUDSICO),a Government of Rajasthan undertaking, invites online unconditional bids on behalf of the Governor of Rajasthan through e-procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in from eligible bidders in accordance with the RTPP Act 2012 and RTPP Rules 2013, amended up to date, and under Open Competitive Bidding (OCB) National with single stage-two envelope Bidding procedure for following works:

S. No.	Name of Work	Project Cost	Bid Security	Period of completion
1	Rejuvenation of Water Body projects at Karauli, Basedi, Rajakhera, Khirni & Gangapur City. Package - AMRUT 2.0/RAJ/RWB/02	15.54	0.311	12 months
2	Rejuvenation of Water Body projects at Sumerpur, Jalore, Ahore, Mt. Abu, Sirohi, Pindwara & Takhatgarh. Package - AMRUT 2.0/RAJ/RWB/04	20.88	0.418	12 months
3	Rejuvenation of Water Body projects at Pali. Package - AMRUT 2.0/RAJ/RWB/05	19.44	0.389	12 months
4	Rejuvenation of Water Body projects at Sri Madhopur, Suratgarh & Reengus. Package - AMRUT 2.0/RAJ/RWB/06	9.39	0.188	12 months
5	Rejuvenation of Water Body projects at Rajsamand & Kushalgar. Package - AMRUT 2.0/RAJ/RWB/07	7.73	0.155	12 months
6	Rejuvenation of Water Body projects at Chittorgarh, Nimbahera & Badi Sadri. Package AMRUT 2.0/RAJ/RWB/08	12.47	0.249	12 months

The details of NIB can be seen at e-procurement portal of state government sppp.rajasthan.gov.in and eproc.rajasthan.gov.in from date 07.11.2024 at 1700 Hours till the end date of online submission of bids i.e. 04.12.2024 up to 1800 Hours. Any subsequent addendum/corrigendum shall be published only at the e-procurement portal.
UBN No.: RDP2425WLOB0047 To RDP2425WLOB0052, NIB Code: RDP2425A0021
Executive Director
RUDSICO, Jaipur
Raj.Samwad/C/24/7326

राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर किसानों को मिलेंगी बड़ी सौगातें

हमारी जनकल्याणकारी योजनाएं आमजन के सम्पूर्ण सशक्तिकरण की ओर महत्वपूर्ण कदम : मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश के किसानों को कई बड़ी सौगातें देने जा रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जन कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में किसान कल्याण से जुड़ी योजनाओं की प्रगति और लाभ हस्तांतरण के बारे में जरूरी दिशा-निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं सिर्फ योजनाएं नहीं, बल्कि आमजन के सम्पूर्ण सशक्तीकरण की ओर बढ़ाया गया महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों से बराबर सम्पर्क रखते हुए विकास कार्यक्रमों एवं योजनाओं का लाभ और जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में विकसित राजस्थान बनाने के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जन कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की गई। इसमें मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोरा, शिखर अग्रवाल, कुलदीप रांका, श्रेया गुहा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अपनी प्रथम वर्षगांठ पर किसानों को बड़ी सौगातें देने की प्रभावी तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अंतर्गत 5 हजार 500 फार्मपौण्ड के लिए किसानों के खातों में सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी है। इसी प्रकार 2 हजार किलोमीटर पाइपलाइन, 5 हजार किसानों को तारबंदी के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नहरी क्षेत्र में 500 डिग्गियों, एक हजार किसानों को कृषि उपकरण सहायता और 2 हजार वर्मी कम्पोस्ट इकाइयों के लिए अनुदान सहायता प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना के अंतर्गत 3 हजार किसानों को गोवंश से जैविक खाद उत्पादन के लिए सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि नमो ड्रोन दीदी योजना में 50 क्लस्टर्स विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त भी किसानों को जारी की जाएगी। शर्मा ने कहा कि सरकार कुसुम योजना के माध्यम से सोलर पम्प की स्थापना के लिए 15 हजार किसानों को लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में ड्रिप इरिगेशन ही सिंचाई हेतु एक दीर्घकालिक समाधान है। सरकार द्वारा 15 हजार किसानों को ड्रिप इरिगेशन के लिए वित्तीय सहायता डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी। इसके साथ ही 1 हजार लाभार्थियों को कृषि एवं अकृषि ऋण ब्याज अनुदान पर प्रदान किए जाएंगे।

इस अवसर पर पशुपालकों को गोपाल क्रेडिट कार्ड वितरण के साथ-साथ एक हजार नए डेयरी बूथों का आवंटन, 200 नए बल्क मिल्क कूलर्स की स्थापना और एक हजार नए दूध संकलन केन्द्रों का उद्घाटन भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के अंतर्गत 3.25 लाख से अधिक दुग्ध उत्पादकों को 5 रुपये प्रति लीटर की दर से अनुदान राशि देते हुए 183.22 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है।

इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रेया गुहा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

मिस फ्रांसिस का देहांत

जयपुर। सेंट जेवियर स्कूल की वरिष्ठतम पूर्व टीचर मिस एम.फ्रांसिस का मंगलवार को देहांत हो गया। वे संतोकबा दुर्लभजी अस्पताल जयपुर के अवेदना आश्रम में रहती थीं।

उनकी अंतिम यात्रा बुधवार को तीन बजे अवेदना आश्रम से रवाना होगी और घाटगेट स्थित चर्च पर साढ़े तीन बजे पहुंचेगी।

खाते से पैसे निकाले

जयपुर। मालवीय नगर थाना इलाके में बैंक कर्मचारी बनकर युवक को फोन कर किश्त की राशि जमा करने के नाम पर एटीएम की जानकारी लेकर उसके खाते से 75 हजार रुपए निकाल लिए।

जिंदा भ्रूण को मृत बताकर प्री-मैच्योर डिलीवरी की

एम.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल व कंट्रोलर और जनाना अस्पताल के अधीक्षक पर 5.20 लाख रुपए का हर्जाना

जयपुर। जयपुर महानगर प्रथम की स्थाई लोक अदालत ने गर्भ में पल रहे शिशु की मृत्यु बताकार प्री-मैच्योर डिलीवरी करने और बाद में शिशु की मौत को गंभीर लापरवाही माना है। इसके साथ ही अदालत ने विपक्षी एमएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल व कंट्रोलर और जनाना अस्पताल के अधीक्षक पर 5.20 लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। अदालत ने कहा कि विपक्षी हर्जाना राशि का भुगतान परिवादी को तीस दिन में करें। लोक अदालत के अध्यक्ष मनोज कुमार सहारिया व सदस्या सीमा शार्दुल ने यह आदेश बीना मीना के प्रार्थना पत्र पर दिए।

- **अदालत ने इस मामले में शिशु की मौत को अस्पताल की गंभीर लापरवाही माना है**

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता विजी अग्रवाल ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान प्रार्थिया ने जनाना अस्पताल की देखरेख में इलाज शुरू करवाया। उसकी एक नवंबर 2023 को अल्ट्रा सोनोग्राफी की, जिसमें 25 सप्ताह के भ्रूण की मृत्यु होना बताया। जबकि प्रार्थिया ने कहा कि उसे गर्भ में भ्रूण की हरकत महसूस हो रही है, लेकिन डॉक्टर्स ने उसे कहा कि तत्काल भ्रूण नहीं निकाला तो संक्रमण होने से उसकी जान जा सकती है। इसके बाद 9 नवंबर 2023 को इंजेक्शन देकर उसकी प्री मैच्योर डिलीवरी करवाई गई। इसमें उसने जीवित शिशु को जन्म दिया और उसे बच्चा वार्ड में भेजना बताया। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि डिलीवरी के करीब तीन घंटे बाद उसे बताया कि प्री मैच्योर डिलीवरी के चलते शिशु की मृत्यु हो गई है। इस पर अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर क्षतिपूर्ति राशि देने की गुहार की। इसके जवाब में अस्पताल प्रशासन की ओर से कहा गया कि मरीजों की भीड और अधिक कार्य होने के कारण सोनोग्राफी बदलने से इनकार नहीं किया जा सकता। यूनिट के डॉक्टर ने सोनोग्राफी पर ही प्रसव का निर्णय लिया था। शिशु को बचाने का हर संभव प्रयास भी किया गया था और उसे पहले एनआईसीयू में भर्ती करने के बाद वेंटीलेटर पर भी रखा गया, लेकिन बाद में उसकी मृत्यु हो गई। ऐसे में उनकी ओर से लापरवाही नहीं बरती गई है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अस्पताल पर हर्जाना लगाया है।

महेश जोशी की मुश्किलें बढ़ेंगी, ए.सी.बी. ने मुकदमा दर्ज किया

जे.जे.एम. घोटाले में जोशी सहित 20 आरोपियों के नाम

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस सरकार में पीएचईडी मंत्री रहे महेश जोशी पर ईडी के बाद राजस्थान ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने भी जल जीवन मिशन में घोटाले में जोशी सहित 20 लोग और दो फर्मों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। इनमें पीएचईडी के अधिकारियों, पीएचईडी के ठेकेदार और निजी व्यक्तियों के नाम भी शामिल हैं।

- **इसी मामले में ई.डी.भी कर रही है जांच, जोशी के नजदीकी संजय बड़ाया और फर्म प्रोपराइटर की हो चुकी है गिरफ़्तारी**

एसीबी के डीजी डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विशनाराम की रिपोर्ट के आधार पर जल जीवन मिशन में गड़बड़ियों के संबंध में 20 लोगों और दो फर्मों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। जिसकी जांच एसीबी की विशेष शाखा के एएसपी पुष्पेंद्र सिंह को सौंपी गई है। एसीबी में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार पूर्व मंत्री महेश जोशी, जल जीवन मिशन के वित्तीय सलाहकार सुशील शर्मा, पीएचईडी के तत्कालीन मुख्य अभियंता रामकरण मीणा, दिनेश गोयल, तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य अभियंता, रमेश चंद मीणा, अरुण श्रीवास्तव, परितोष गुप्ता, तत्कालीन अधीक्षण अभियंता अजय कुमार सिंघानी, विकास गुप्ता, महेश प्रकाश सोनी, भगवान सहाय जाजू, जितेंद्र शर्मा, विशाल सक्सेना, मैसर्स श्रीगणपति ट्यूबवेल कंपनी, शाहपुरा के प्रोप्राइटर महेश मित्तल, फर्म श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी, शाहपुरा, श्रीश्याम ट्यूबवेल कंपनी के प्रोप्राइटर पदमचंद जैन, फर्म श्रीश्याम ट्यूबवेल कंपनी, शाहपुरा, इरकॉन इंटरनेशनल के ऑफिस सहायक मुकेश पाठक, जोशी के नजदीकी संजय बड़ाया, किशन गुप्ता, तपन गुप्ता, नमन खंडेलवाल सहित अन्य के खिलाफ जल जीवन मिशन घोटाले को लेकर नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है।

इससे पहले जल जीवन मिशन घोटाले में अवैध रूप से धन के लेन-देन को लेकर प्रवर्तन निदेशालय ने भी केस दर्ज किया था। ईडी ने इस मामले में पदमचंद जैन, महेश मित्तल, पीयूष जैन सहित कई आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ भी की थी। इसी मामले में सीबीआई ने भी पीएचईडी के अधिकारियों व अन्य के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया था। अब एसीबी ने महेश जोशी सहित 20 लोगों और दो फर्मों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है।

यह मामला एसीबी ने खोला था। राजस्थान में विधानसभा चुनाव से पहले एसीबी ने जल जीवन मिशन के बिल पास करने की एवज में रिश्वत का लेन-देन करते ठेकेदार और पीएचईडी के अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया कि कई जगहों पर बिना पाइप लाइन बिछाए ही भुगतान कर दिया गया। इसके साथ ही हरियाणा से चोरी के पाइप बिछाने की बात भी सामने आई थी। अब एसीबी आरोपियों को कभी भी पूछताछ के लिए बुला सकती है।

प्रदेश के पूर्ण विकास के लिए भाजपा ही जरूरी : भजनलाल

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सात विधानसभा क्षेत्रों में उप चुनाव पर लगातार नज़र बनाए हुए हैं। वे दिन की शुरुआत उप चुनाव की तैयारियों के लिए बूथ, मंडल स्तर से लेकर जिला स्तर तक के सैकड़ों पदाधिकारियों से फोन पर बातचीत करके करते हैं। मुख्यमंत्री ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर महत्वपूर्ण कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात कर उप चुनाव की तैयारियों का फीडबैक लिया।

- **मुख्यमंत्री लगातार ले रहे पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से चुनावी फीडबैक**
- **उप चुनाव में कांग्रेस के जातिवाद पर भारी भाजपा का विकास का एजेण्डा**
- **'कांग्रेस राज में घोटालेबाजों और माफियाओं ने मचा रखी थी लूट'**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात के दौरान कहा कि विधानसभा उप चुनाव में कांग्रेस के जातिवाद के एजेण्डे पर हमारी सरकार का विकास का एजेण्डा भारी है। उन्होंने कहा कि दस महीने के छोटे समय में हमने रिकॉर्ड काम किए हैं जिससे कांग्रेस की नींव हिल चुकी है और जनता का हमारी सरकार पर विश्वास जमा है। जिन मुद्दों पर कांग्रेस वर्षों तक राजनीति करती रही, हमारी डबल इंजन सरकार उनसे संबंधित समझौते कर तेजी से उन्हें धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि राइज़िंग राजस्थान से पहले ही हमारी सरकार ने 18 लाख करोड़ के निवेश एमओयू किए हैं और इन एमओयू को धरातल पर लाने के लिए सरकार पूरी तरह समर्पित होकर कार्य कर रही है, ये निवेश राजस्थान को विकसित राजस्थान बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। पेपर लीक जैसे मामलों में एसआईटी ने 190 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि कांग्रेस राज में किस कदर माफियाओं और घोटालेबाजों ने लूट मचा रखी थी। उन्होंने कहा कि हम दिखावे के बिना निरंतर जन कल्याण के कार्य करते हैं, जबकि कांग्रेस काम का नाम करने में भी बेईमानी करती है। उप चुनाव में कांग्रेस के बागी ही अपने प्रत्याशियों को निपटाएंगे।

कालवाड़ महाविद्यालय में बढ़ी प्रवेश तिथि

जयपुर। कैबिनेट मंत्री झोटवाड़ा के विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के अथक प्रयासों और समर्पण से युवाओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है। कालवाड़ महाविद्यालय में प्रवेश की तिथियों को बढ़ा दिया गया है, जिससे अब भी इच्छुक छात्र दाखिला ले सकते हैं। यह कदम युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने और उन्हें शिक्षा के नए अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार युवाओं की शिक्षा और विकास के लिए समर्पित है। यह महाविद्यालय झोटवाड़ा क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। कर्नल राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और विजन से राजस्थान की भाजपा सरकार सुनिश्चित कर रही है कि क्षेत्र के हर युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले।

परीक्षा स्थगित

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय ने शिक्षा शास्त्री के प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष की सात नवंबर से चौदह नवंबर तक चलने वाली परीक्षा में आंशिक संशोधन किया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. शंभु कुमार झा ने बताया कि प्रदेश के 42 केंद्रों पर दो पारियों में होने वाली परीक्षा में 13 नवंबर को विधानसभा उपचुनाव के चलते स्थगित किया गया है। झा ने बताया कि अब यह परीक्षा संशोधित कार्यक्रम के अनुसार पूर्व निर्धारित समय और परीक्षा केंद्र पर 16 नवंबर को होगी। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार इंटीग्रेटेड शास्त्री-शिक्षा शास्त्री की 13 नवंबर को होने वाली परीक्षा 23 नवंबर को होगी।

जल जीवन मिशन के कार्यों के लिए 658.12 करोड़ रुपए स्वीकृत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अथक प्रयासों एवं पहल पर प्रदेश में जल जीवन मिशन के कार्यों को गति प्रदान करने के लिए 23 जिलों के 46 पंचायत समितियों के 507 गांवों में 181 कार्यादेश जारी करने के लिए 658.12 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इससे न केवल प्रदेश में जल जीवन मिशन के कार्यों को गति मिलेगी बल्कि इन जिलों के 1.12 लाख घरों में घरेलू जल कनेक्शन उपलब्ध करवा कर लाभान्वित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि जल जीवन मिशन योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। लेकिन पूर्ववर्ती सरकार सरकार ने इस योजना को गंभीरता से नहीं लिया, जिसकी वजह से निर्धारित समय अवधि में काम पूरे नहीं हो सके। अब राज्य सरकार हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। योजना को गति देने के लिए 658.12 करोड रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

जलदाय मंत्री कन्हैया लाल ने बताया कि प्रदेश के अजमेर, बालोतरा, बारां, भरतपुर, चित्तौडगढ़, डीग, धौलपुर, गंगापुरसिटी, हनुमानगढ, जैसलमेर, झालावाड़, जोधपुर, करौली, केकड़ी, पाली, सवाईमाधोपुर, सिरोही, श्री गंगानगर एवं उदयपुर के 33 पंचायत समितियों के 413 गांवों के लिए 520.28 करोड़ रूपये की 137 कार्यादेश जारी किये जायेगे। इन स्वीकृतियों से ना केवल जल जीवन मिशन के कार्यों को गति मिलेगी बल्कि इन जिलों के गांवों में रहने वाले व्यक्तियों को योजना के तहत स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा जो कि हर घर जल के सपने को साकार करेगा।

पर्याप्त मानव संसाधन नहीं रखने वाले अस्पतालों पर कार्रवाई की सिफारिश

सरकारी योजनाओं से भी असम्बद्ध होंगे

जयपुर। राज्य मानवाधिकार आयोग ने राज्य सरकार को कहा है कि संपूर्ण प्रदेश में अभियान चलाकर सभी अस्पतालों की जांच की जाए और वर्ष 2010 के प्रावधानों के तहत उचित मानव संसाधन नहीं रखने पर उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाए। आयोग ने कहा कि संसाधनों की अनुपलब्धता के बावजूद मानव जीवन के साथ खिलवाड करने वाले अस्पतालें को चिरंजीवी योजना सहित अन्य सभी सरकारी योजनाओं से भी डी-लिस्ट किया जाए। आयोग ने भवानीमंडी के निजी अस्पताल में बच्चे की मौत के मामले में उसके पिता को पांच लाख रुपए की मुआवजा राशि देने को कहा है। अदालत ने राज्य सरकार को छूट दी है कि वह इसमें से ढाई लाख रुपए की राशि दोषी अस्पताल नवजीवन हॉस्पीटल एंड रिसर्च सेंटर के प्रबंधन या दोषी चिकित्सकों से वसूल कर सकती है। आयोग सदस्य जस्टिस आरसी झाला ने यह आदेश आशीष पारेता के परिवाद पर दिए। आयोग ने कहा कि दोषी अस्पताल की शिशु रोग इकाई को बंद करने, अस्पताल प्रबंधन पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाने और चिरंजीवी योजना से डी-लिस्ट करने मात्र से परिवादी के आठ साल के बेटे की मौत से हुई क्षित की पूर्ति संभव नहीं है।

परिवाद में बताया गया कि 25 जनवरी, 2023 को उसके आठ साल के बेटे प्रहल पारेता के पेट दर्द होने पर उसे नवजीवन अस्पताल, भवानीमंडी लेकर गए। अस्पताल में पूछने पर पता चला कि यहां बच्चों के डॉक्टर शैलेन्द्र पाटीदार हैं। वहीं वहां मौजूद दूसरे चिकित्सक कुलदीप सिंह ने इलाज करना शुरू कर दिया। दो घंटे बाद कुलदीप सिंह के स्थान पर डॉ. हरिवल्लभ ने आकर इलाज किया और डॉ. शैलेन्द्र पाटीदार का थोडी देर में आना बताया। इसके बाद दोपहर में हरिवल्लभ ने बताया कि डॉ. पाटीदार के शादी में जाने के कारण वे अस्पताल नहीं आ सकते हैं। इस पर वे बच्चे को गंभीर हालत में दूसरे अस्पताल ले गए। इस दौरान रास्ते में उसने दम तोड दिया। परिवाद में बताया गया कि हरिवल्लभ एमबीबीएस चिकित्सक ही नहीं है। ऐसे में अयोग्य चिकित्सक के इलाज के कारण बच्चे की मौत हुई है। मामला आयोग में आने के बाद राज्य सरकार की ओर से अस्पताल प्रशासन पर कार्रवाई कर उसकी जानकारी आयोग को दी गई। इस पर आयोग ने राज्य सरकार को सभी अस्पतालों के संबंध में विस्तृत सिफारिशें की हैं।

शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 12 साल पहले शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर 16 बिन्दुओं पर दिए निर्देशों की पालना को लेकर राज्य सरकार से 11 नवंबर तक जवाब पेश करने को कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता विमल चौधरी के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता योगेश टेलर ने अदालत को बताया कि शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर हाईकोर्ट ने 21 मई 2012 को राज्य सरकार को 16 बिंदुओं पर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए थे। इसके तहत हर वार्ड में सौ सफाई कर्मचारी लगाने, सप्ताह के हर दिन सफाई करने, सिंगल टियर सिस्टम से सफाई, कचरा पात्र लगाने, डोर टू डोर कचरा संग्रहण और चार मोबाइल मजिस्ट्रेट सहित अन्य निर्देश दिए थे। इसके साथ ही अदालत ने इन निर्देशों की पालना को लेकर हर तीन माह में रिपोर्ट पेश करने को कहा था।

भाजपा में परिवार भाव के साथ एकजुटता से किया जा रहा है कार्य : श्रवण सिंह बगडी

जयपुर। भाजपा प्रदेश के उपचुनावों को लेकर पूर्णरूप से सक्रिय नजर आ रही है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ जहां हर उपचुनाव वाले विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर चुनावी रणनीति तय कर रहे है, वहीं भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में विकास के नाम पर आमजन से मतदान की अपील भी कर रहे है। इधर दूसरी ओर भाजपा पदाधिकारी, कैबिनेट के मंत्री सरकार के कार्यों को लेकर जनता के बीच पहुंच रहे है। संगठन स्तर पर भाजपा का एक-एक पदाधिकारी, कार्यकर्ता चुनावों में जुटा हुआ है। भाजपा प्रदेश कार्यालय से महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी और उनकी टीम लगातार उपचुनावों में प्रवास कार्यक्रमों के साथ क्षेत्र की राजनीति में सक्रिय जननेताओं को आमजन के बीच भेज रहे है। भाजपा प्रदेश कार्यालय पर नियमित रूप से चुनाव प्रबंधन के साथ प्रवास कार्यक्रम की रूपरेखा तय की जा रही है।

- **केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ सहित 17 मंत्री, विधायक और भाजपा पदाधिकारी 6 नवम्बर को रहेंगे प्रवास पर**

भाजपा प्रदेश महामंत्री ने कहा कि प्रदेश के उपचुनावों में भाजपा सभी सातों सीटों पर भारी बहुमत के साथ जीत दर्ज कराएगी। भाजपा में कार्यकर्ता से लेकर आमजन एकजुट होकर कमल के लिए कार्य कर रहे है। भाजपा में एकजुटता नजर आ रही है, वहीं कांग्रेस में भितरघात देखने को मिल रहा है। भाजपा सरकार के मंत्रीगण मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 10 माह में किए ऐतिहासिक कार्यों को जनता के बीच पहुंचा रहे है, फिर चाहे वो बजट घोषणाएं हो या फिर रोजगार सृजन के लिए राइजिंग राजस्थान 2024 की कार्य योजना। मुख्यमंत्री शर्मा विकसित राजस्थान के लिए लगातार प्रयासरत है और उनके विकास कार्यों के आधार पर भाजपा प्रदेश की सभी सातों सीट जीतेगी।

बगडी ने कहा कि भाजपा में परिवार भाव के साथ काम किया जाता है, भाजपा पदाधिकारियों के साथ कार्यकर्ता और आमजन मिलकर चुनाव लड़ रहे है। ऐसे में उपचुनावों के माहौल को देखते हुए कांग्रेस भाजपा के सामने कहीं भी नजर नहीं आ रही, माहौल भाजपा के पक्ष में है और निश्चित रूप से सभी प्रत्याशी जीतेंगे।

श्रवण सिंह बगडी ने बताया कि बुधवार 6 नवंबर को खींवसर विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, राज्य सरकार के मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड और भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेंद्र गोठवाल प्रवास पर रहेंगे। इसी तरह रामगढ में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, गुजरात योग बोर्ड के चैयरमैन शीशपाल, विधायक भागचंद टांकडा, झुंझुनूं में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां, सांसद राजेंद्र गहलोत, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती और सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजौर, दौसा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभूलाल सैनी, सलूंबर में मंत्री जोराराम कुमावत, विधायक सुरेंद्र सिंह, दीप्ति माहेश्वरी, समाराम गरासिया तथा चौरासी में मंत्री बाबूलाल खराडी प्रवास पर रहेंगे।

समृद्ध विरासत और परम्पराओं का प्रदेश है राजस्थान : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी चार देशों की यात्रा के दौरान मंगलवार को सिडनी (ऑस्ट्रेलिया) पहुँचे। देवनानी का सिडनी पहुँचने पर अधिकारियों ने स्वागत किया। देवनानी ने सिडनी में आयोजित भारत रीजन के 67वें राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के सम्मेलन की डेलीगेट ब्रीफिंग में भाग लिया। देवनानी ने सम्मेलन में मौजूद उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, कर्नाटक, तमिलनाडू सहित भारत के विभिन्न प्रदेशों के विधान सभा अध्यक्षगण और सांसदगण से मुलाकात की।

- **विधान सभा अध्यक्ष देवनानी पहुँचे सिडनी**

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सिडनी में आयोजित भारत रीजन के 67वें राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ के सम्मेलन की डेलीगेट ब्रीफिंग में भाग लिया।

इस मौके पर देवनानी ने कहा कि राजस्थान प्रदेश की अपनी समृद्ध विरासत, परम्पराओं और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विशिष्ट पहचान है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीले और जोधपुर, बीकानेर व जैसलमेर के भव्य दुर्ग देशी तथा विदेशी सैलानियों के लिए पंसदीदा स्थान है। राज्य के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने के लिए प्रति दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते है। देवनानी इस अध्ययन यात्रा के दौरान विभिन्न देशों के विधायी निकायों का अवलोकन करने के साथ संसदीय प्रतिनिधिगण से लोकतांत्रिक मूल्यों के सुदृढीकरण से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रति वर्ष आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में विभिन्न राज्यों की विधान सभाओं के अध्यक्षगण एक मंच पर एकत्रित होकर लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न विषयों पर संवाद करते है। इस बार का राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ का सम्मेलन आस्ट्रेलिया में 5 से 8 नवम्बर तक हो रहा है। संसदीय संघ का यह 67वां सम्मेलन है। इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए अध्यक्ष देवनानी के साथ विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा भी गये है।

ऑनलाइन सट्टा के खिलाफ कार्रवाई, करोड़ों का हिसाब सहित आठ गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जिनमें से तीन जनों को रिमांड पर लिया

नवलगढ़, (निसं)। एजीटीएफ व नवलगढ़ पुलिस ने संयुक्त रूप से नवलगढ़ में ऑनलाइन सट्टा कारोबारियों पर बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने आठ जनों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से सट्टा सामग्री के रूप में सात लैपटॉप, 99 मोबाइल फोन, सात माउस, सात की बोर्ड, पांच फोटोन नेट कनेक्ट, आठ लेपटॉप अडेप्टर, आठ चेक बुक-पासबुक, 47 अलग-अलग बैंक के एटीएम कार्ड, एक केलकूलेटर, 13 मोबाइल चार्जर जब्त किए गए। साथ ही ऑनलाइन तीन गेमिंग एप पर आईडी से करोड़ों रुपए का लेखा-जोखा का हिसाब मिला। थानाधिकारी सुगनसिंह ने बताया कि आरोपियों को मंगलवार को न्यायालय में पेश किया गया, जिनमें से तीन जनों विनोद, मुकेश व हेमंत को पीसी रिमांड पर लिया गया है व शेष 5 जनों को जेल भेज दिया गया।

एसपी के निर्देशन में अवैध जुआ-सट्टा के खिलाफ जारी अभियान के तहत एजीटीएफ के कांस्टेबल बुलेश कुमार ने फोन पर नवलगढ़ थानाधिकारी सीआई सुगनसिंह को सूचना दी कि कस्बे में मोर गेस्ट हाउस के पीछे वार्ड 42 स्थित आपणी बिल्डिंग के प्रथम तल पर पश्चिम की ओर राजू कोलसिया के फ्लेट में ऑनलाइन अवैध रूप से जुआ की लगाई वाली व खाईवाली की जा रही है। सूचना के बाद सीआई सुगनसिंह के नेतृत्व में नवलगढ़ थाना व एजीटीएफ की 16 सदस्यीय टीम ने फ्लेट पर दबिश दी तो वहां 8 व्यक्ति बैठे हुए लेपटॉप व मोबाइल फोन से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जेसीबी ऑनलाइन गेमिंग बुक जिसकी दो सब ब्रांच व जेएलसी लुढ़ो ऑनलाइन गेमिंग चलाकर सट्टा खेलने वाले व्यक्तियों से ऑनलाइन रुपए बैंक खातों में डलवाकर उनके एवज में उनको आईडी के रूप में कोइन डाल रहे थे। मौके पर आरोपियों द्वारा ऑनलाइन सट्टे पर खाईवाली व लगाईवाली दूसरे पक्ष को नाजायज हानि पहुंचाया जाना व इलेक्ट्रीक उपकरणों से धोखाधड़ी करना पाया गया।

पुलिस टीम ने तलाशी में मिले सभी लेपटॉप, मोबाइल व सट्टा उपकरण सामग्री इलेक्टोनिक साक्ष्य के साथ सबूत सहित जब्त किए और मुल्जिमों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने राजेश उर्फ राजू कोलसिया पुत्र बनवारीलाल निवासी नवलगढ़, विनोद कुमार पुत्र जगदीशप्रसाद ढाका की ढाणी नवलगढ़, हेमंतप्रसाद पुत्र हरिप्रसाद नवलगढ़, अंकित पुत्र रामावतार हनुमान की ढाणी नवलगढ़, मुकेश पुत्र दुर्गाप्रसाद नवलड़ी, लोकेश कुमार पुत्र शंकरलाल बड़वासी व राहुल शर्मा पुत्र सुशील शर्मा निवासी चूणा चौक नवलगढ़ को गिरफ्तार किया गया है।

एजीटीएफ व नवलगढ़ पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा कारोबारियों पर कार्रवाई कर आठ जनों को गिरफ्तार किया।

■ **सात लैपटॉप, 99 मोबाइल फोन, आठ लेपटॉप अडेप्टर, आठ चेक बुक-पासबुक, 47 अलग-अलग बैंक के एटीएम कार्ड आदि जब्त किए**

पुलिस पर हमला करने वाला एक लाख का इनामी अपराधी गिरफ्तार

कुख्यात आरोपी भजनलाल विश्नोई के विरूद्ध 20 प्रकरण पंजिबद्ध हैं

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के भीनमाल पुलिस ने मंगलवार को पुलिस पर जानलेवा हमला करने के मामले में फरार हार्डकोर एक लाख रूपये का इनामी अभियुक्त भजनलाल विश्नोई को प्रॉडेक्शन वांरट पर गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि 21 दिसम्बर 2021 को जरिये मुखबीर सूचना मिली थी कि आरोपी भजनलाल विश्नोई अपने साथियों के साथ गाड़ी लेकर वारदात करने की फिराक में पुनासा में विश्नोई समाज की सांथरी में खड़ा है तथा श्मशान भूमि में जबरदस्ती रास्ता निकालना चाहता है, जिस पर पुलिस थाना झाब को अपने जाब्ता सहित सहायतार्थ के लिए पुनासा पहूंचने के निर्देश देकर मुखबीर की सूचना पर तत्कालिन भीनमाल थानाधिकारी दुलीचंद निरीक्षक पुलिस मय पुलिस जाब्ता के रवाना होकर पुनासा पहुंचे तो थानाधिकारी झाब ने बताया कि भजनलाल वगैराह सांथरी से विश्नोईयों की ढाणी की तरफ गाड़ियां लेकर भाग रहे हैं, हम इनका पीछा कर रहे है, इतने में सामने से पिकअप गाड़ी, सफेद स्कोर्पियों व एक कैम्पर काले रंग की आती दिखाई दी। जिस पर थानाधिकारी द्वारा सफेद पीकअप को रोकने के लिए सरकारी वाहन से रास्ता अवरूद्ध किया तो पिकअप गाड़ी के चालक भजनलाल ने पुलिस जाब्ता को जान से खत्म करने के आशय से पिकअप गाड़ी से सरकारी गाड़ी के सामने टक्कर मारी जिससे सरकारी गाड़ी क्षतिग्रस्त होकर बंद हो गई, तब थानाधिकारी मय जाब्ता ने दूसरे वाहन से पीछा किया व थानाधिकारी झाब ने दूसरे वाहनो का पीछा किया तो स्कोर्पियो चालक जोगाराम ने उनके साथियों के साथ मिलकर थानाधिकारी झाब मय पुलिस जाब्ता को जान से खत्म करने की नियत से हिट फायर किया, मगर झाब पुलिस जाब्ता द्वारा बचाव कर हवाई फायर करने पर जोगाराम के अन्य साथी वहां से भाग गये व पुलिस जाब्ता ने पीछा कर मुलजिम जोगाराम व भागीरथराम को दस्तयाब कर लिया, बाकी लोग घने बबूल देखकर भाग गये।

तत्कालिन भीनमाल थानाधिकारी मय पुलिस जाब्ता ने भजनलाल का पीछा किया मगर भजनलाल अपनी पिकअप गाड़ी को लेकर थानाधिकारी झाब के उपर चढ़ाने की कोशिश कर मौके से भाग गया, जिस पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। जालोर एसपी ज्ञानचन्द्र यादव जिला पुलिस अधीक्षक जालौर द्वारा उपरोक्त वारदात में शरीक मुलजिमानों को दस्तयाब कर गिरफ्तार करने के निर्देशानुसार मोटाराम गोदारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जालौर एवं अन्नराजसिंह राजपुरोहित वृताधिकारी वृत भीनमाल के सुपरविजन में रामेश्वर भाटी पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी भीनमाल के नेतृत्व में गठित पुलिस गनी मोहम्मद उपनिरीक्षक मय पुलिस जाब्ता द्वारा अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भीनमाल से मुलजिम भजनलाल का प्रॉडेक्शन वारंट प्राप्त कर मुलजिम को उपकारागृह भीनमाल से प्राप्त कर गिरफ्तार किया जाकर अनुसंधान किया गया, जिसको आज पुनः न्यायालय में पेश किया जायेगा, मुलजिम कुख्यात आरोपी भजनलाल विश्नोई हार्डकोर है एवं आरोपी के विरूद्ध 20 प्रकरण पंजिबद्ध है।

■ **वर्ष 2021 में धमकी और मारपीट मामले में मुलजिम को उपकारागृह भीनमाल से गिरफ्तार किया**

अनशन पर बैठे युवक की हालत खस्ता, प्रशासन नहीं पहुंचा

भीलवाड़ा, (निसं)। रायपुर पंचायत समिति कार्यालय रायपुर के बाहर बैठे आमरण अनशन पर युवक की हालत बिगड़ती जा रही है लेकिन स्थानीय प्रशासन ने अब तक भी उसकी मांगों पर ध्यान देना तक जरूरी नहीं समझा है।

जानकारी के अनुसार पंचायत समिति रायपुर के सगरेव ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत सत्र 2021 में जिन व्यक्तियों का नाम नीचे पायदान पर था उन नामों में गड़बड़ी कर अपने हितेषी लोगों को फायदा पहुंचाने के कारण सीधे उपर सूची में ले लिया, जैसे देउ कँवर पत्नी दशरथ सिंह बड़वा निवासी सगरेव जो सूची में पहले नम्बर था, उसको सीधे 56 नम्बर पर कर दिया। इसी तरह चौथे नम्बर पर महेन्द्र सिंह बड़वा पिता भंवर सिंह बड़वा का नाम सूची में 4 नम्बर पर था। उसको हटाकर सीधे 36 वें नम्बर कर दिया। इसी क्रम में 5वें नम्बर पर लेहरू गुर्जर पिता देवा गुर्जर का नम्बर था जिसे 45वें नम्बर पर लगा दिया। आमरण अनशन पर बैठे महेन्द्र सिंह बड़वा पिता भंवर सिंह बड़वा ने आरोप लगाते हुए बताया कि पंचायत समिति रायपुर मे कार्यरत कार्मिक व अधिकारियों की मिलीभगत करके प्रधानमंत्री आवास सूची में गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। जिसकी शिकायत पूर्व में जिला कलेक्टर के यहां जन सुनवाई में परिवाद दर्ज करवाया चुका है और उपखण्ड अधिकारी, विकास अधिकारी को भी कई बार लिखित में शिकायतें दे चुका है।

परिवादी का कहना है कि शिकायत पर विकास अधिकारी ने पंचायत समिति रायपुर मे परिवादी को बुलाकर अपनी गलती मानकर परिवादी के नाम मे संशोधित करके प्रधानमन्त्री आवास योजना का लाभ देने की बात कहकर शिकायत का निस्तारण करवा दिया, मगर 3 वर्ष बीत जाने के उपरान्त भी नामों में संशोधन नहीं किया गया जिस पर परिवादी ने आमरण अनशन का फैसला लेते हुए पंचायत समिति रायपुर कार्यालय के बाहर भूखे हड़ताल की शुरुआत की। 24 घंटे से भूखे प्यासे होने कारण परिवादी महेन्द्र सिंह की हालत अब खस्ता होती जा रही है, लेकिन आमरण अनशन पर बैठे युवक की स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी सुध तक लेने नहीं पहुंचे हैं।

■ **आरोप है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत सत्र 2021 में जिन व्यक्तियों का नाम नीचे पायदान पर था उन नामों में गड़बड़ी की है**

हैड कांस्टेबल की संदिग्ध मौत

कोटा, (निसं)। ग्रामीण एडिशनल एसपी ऑफिस में तैनात हेड कॉंस्टेबल ग्रामीण पुलिस लाईन क्वार्टर में अचेत मिला जिसको उपचार के लिए एमबीएस अस्पताल लाया गया, जहां पर चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया सूचना पर बोरखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची।

बोरखेड़ा थाने के एएसआई करतार सिंह ने बताया कि मृतक हेड कांस्टेबल लालाराम (50) मूल रूप से जोधपुर का रहने वाले थे जो पत्नी और बेटे साथ ग्रामीण पुलिस लाइन में सरकारी क्वार्टर में रह रहे थे। पत्नी और बेटा कोटा से बाहर गए हुए थे। सोमवार शाम को बेटे ने पिता के मोबाइल पर फोन किया। फोन नहीं उठाने पर बेटे ने पड़ोसी मोमराज के मोबाइल पर फोन किया। जिस पर पड़ोसी लालाराम के घर पर पहुंचा जहां पर हेड कांस्टेबल लालाराम अचेत अवस्था मे मिला जिस पर पड़ोसी उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे जहां पर डॉक्टर ने जांच के बाद हेड कांस्टेबल को मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना कोटा से बाहर गए हुये लालाराम के बेटे और पत्नी को दी। मंगलवार को बेटे व पत्नी के कोटा पहुंचने के बाद मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। बोरखेड़ा थाने के एएसआई करतार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारण का पता चल पाएगा। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

ई-मित्र चलाने वाले युवक को नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया

जवाजा पुलिस की कार्रवाई, 46 हजार 600 के नकली नोट बरामद किये

अजमेर, (कासं)। ब्यावर जिले के जवाजा थाना क्षेत्र के गांव देवखेड़ा में पुलिस ने बड़ी कार्वाई अंजाम देते हुए नकली नोटों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी युवक के कब्जे से पुलिस ने 46 हजार 600 रुपए के नकली नोट जब्त किए हैं। पुलिस आरोपी युवक से गहनता से पूछताछ कर रही है। नकली नोटों के नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

ब्यावर एसपी श्याम सिंह ने वृताधिकारी ब्यावर राजेश कसाना के नेतृत्व में थाना प्रभारी जवाजा महादेव प्रसाद की टीम ने देवखेड़ा गांव में ई-मित्र संचालक के यहां दबिश देकर नकली नोटों खेप पकड़ी है। जवाजा के थानाधिकारी महादेव गुर्जर ने बताया कि चार नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम देवखेड़ा निवासी एक युवक जो ई-मित्र चलाता है उसके पास जाली नोट हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम ने ई-मित्र संचालक की घेराबंदी कर कार्यवाही की तो युवक के पास जाली नोटों की खेप मिली। जाली नोटों सहित आरोपी सुरेश नाथ को पुलिस ने गिरफ्तार कर नकली नोट जब्त कर लिए। आरोपी सुरेश नाथ से 100 रुपए के 50 तथा 200 रुपए के 208 जाली नोट कुल 46 हजार 500 रुपए के जाली नोट बरामद किए हैं। जाली नोट आरोपी तक कैसे पहुंचे जिसके बारे मे गहनता से पूछताछ की जा रही है व आरोपी के सहयोगियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमें दबिश दे रही है। ई-मित्र संचालक से पूछताछ की जा रही है।

■ **पुलिस आरोपी युवक से पूछताछ कर रही है और नकली नोटों के नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है**

पुलिस ने ई-मित्र संचालक को नकली नोटों के साथ गिरफ्तार किया।

स्कूलों में अर्द्ध वार्षिक परीक्षा की तैयारी शुरू

बीकानेर, (कासं)। प्रदेश भर के सरकारी और प्राइवेट स्कूल में अर्द्धवार्षिक परीक्षा के लिए तैयारी शुरू कर दी है। इस बार राज्य भर में एक ही दिन और एक ही पेपर से परीक्षा होनी है। इसके लिए स्टूडेंट्स की संख्या मांगी जा रही है ताकि पेपर की प्रिंटिंग हो सके। तीन दिन में प्रदेश के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूल को अलग-अलग पोर्टल पर अपने स्टूडेंट्स की संख्या देनी होगी। राज्य सरकार ने एक आदेश जारी करके राज्य के सभी जिलों की समान परीक्षा समितियों को भंग कर दिया था। इसके बाद 'एक दिन-एक पेपर' योजना को लागू किया गया। अब दिसम्बर महीने में अर्द्धवार्षिक परीक्षा होना है। इसके लिए टाइम टेबल अब तक जारी नहीं हुआ है लेकिन दिसम्बर के दूसरे सप्ताह में पेपर शुरू हो सकते हैं। ऐसे में पेपर प्रिंटिंग के लिए निदेशालय स्तर पर निविदा जारी होगी। एक महीने पहले निविदा जारी करने के लिए क्लास वाइज सही संख्या का पता लगाया जा रहा है।

दुष्कर्म के आरोपियों की जमानत खारिज

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर परिवार व पॉक्सो न्यायालय की विशेष न्यायाधीश मीनाक्षी जैन ने दो अलग-अलग मामलों में नाबालिगों से घर में घुसकर एवं अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में अजय मीणा एवं दूसरे मामले में विमल योगी का मामले की गंभीरता को देखते हुए जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

पीड़िता व राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए विशिष्ठ लोक अभियोजक अनिल कुमार जैन ने विशेष न्यायाधीश पोक्सो सुश्री मीनाक्षी जैन को अवगत कराया कि जिले के थाने में नाबालिग पीड़िता के साथ मां ने थाने में पहुंचकर मामला दर्ज कर बताया था कि मैं पीहर गई हुई थी उस समय मेरी नाबालिग 17 साल 5 माह की पुत्री 11 अक्टूबर को रात्रि को करीब 1:50 पर उसे अकेला पाकर अजय मीणाने घर में घुसकर खोटा काम किया। चिल्लाने पर मेरा पति जो कि बाहर सो रहा था अंदर आया तो देखा बेटी रो रही है, आरोपी छुप गया एवं जब उसे पकड़ तो वह धक्का मुक्की करके भाग गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान के बाद आरोपी अजय मीणा को 3 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया। तब से ही आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में है। दूसरे अन्य मामले में नाबालिग पीड़िता के पिता ने थाने में मामला दर्ज कर बताया कि 6 अक्टूबर की रात्रि को विमलनाथ मेरी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर ले गया। नाबालिग पुत्री अपने साथ आधार कार्ड व घर में रखे 20 हजार रुपये भी ले गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान के बाद आरोपी विमल योगी को 22 अक्टूबर को गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान पेश किया तब से ही आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में है।

■ **दो अलग-अलग मामलों में नाबालिगों से घर में घुसकर एवं अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में सुनवाई हुई**

जेईई-एडवांस्ड में अब तीन अटेम्ट, लगातार तीन साल दे सकेंगे परीक्षा

कोटा, (निसं)। देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-एडवांस्ड 2025 की वेबसाइट मंगलवार को जारी कर दी गई। इस वर्ष यह परीक्षा आईआईटी कानपुर द्वारा करवाई जाएगी। जारी सूचना में सबसे बड़ा अपडेट ये है कि अब एक विद्यार्थी तीन वर्ष में तीन बार जेईई-एडवांस्ड परीक्षा में शामिल हो सकेगा। अब तक जेईई-एडवांस्ड देने के अवसरों की संख्या अधिकतम दो प्रयास हुआ करती थी। इससे बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स को आईआईटी में प्रवेश के लिए एक और प्रयास करने का अवसर मिलेगा।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि उल्लेखनीय है कि पिछले 14 वर्षों के आंकड़ों के आकलन के आधार पर हर 6 वर्ष बाद रोटेशन में आईआईटी को परीक्षा आयोजन की जिम्मेदारी दी जाती है। वर्ष 2018 में इस परीक्षा के आयोजन की जिम्मेदारी आईआईटी कानपुर को ही मिली थी। दिल्ली, बॉम्बे, खड़गपुर, कानपुर, मद्रास, रूड़की व गुवाहाटी ने अब तक जेईई-एडवांस्ड परीक्षा आयोजित करवाई है। जेईई-मेन के आधार पर श्रेष्ठ 2.50 लाख विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। इसमें 10 प्रतिशत जरनल-ईडब्ल्यूएस, 27 प्रतिशत ओबीसी-एनसीएल, 15 प्रतिशत एससी, 7.5 प्रतिशत एसटी और 40.5 प्रतिशत ओपन कैटेगिरी की सीट्स होंगी। वर्ष 2025 में हो रही जेईई-एडवांस्ड में वर्ष 2023, 2024 और 2025 में कक्षा 12 की परीक्षा देने वाले विद्यार्थी शामिल हो सकेंगे। वर्ष 2022 या इससे पहले 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले परीक्षा में शामिल होने योग्य नहीं होंगे। ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने पूर्व में आईआईटी में जोसा काउंसलिंग के दौरान प्रवेश ले रखा है वे विद्यार्थी जेईई-एडवांस्ड परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे, जबकि जेईई-मेन क्वालीफाई कर एनआईटी में प्रवेश ले चुके विद्यार्थी जेईई-एडवांस्ड परीक्षा दे सकेंगे। जेईई-एडवांस्ड परीक्षा 26 मई या 2 जून 2025 को संभावित है।

आयु सीमा तय-इस वर्ष जेईई-एडवांस्ड परीक्षा के लिए आयु सीमा भी तय की गई है। ऐसे विद्यार्थी जिनका जन्म 1 अक्टूबर 2000 के बाद का है वे ही परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। एससी-एसटी, पीडब्ल्यूडी विद्यार्थियों को इस आयु सीमा में 5 वर्ष की रियायत दी गई है, यानी इस वर्ग के विद्यार्थी 1 अक्टूबर 1995 के बाद जन्म लेने वाले विद्यार्थी परीक्षा के योग्य होंगे।

■ **जेईई-एडवांस्ड 2025 की वेबसाइट लांच, आईआईटी कानपुर को मिली जिम्मेदारी**

■ **परीक्षा में पहली बार आयु सीमा तय की गई**

ब्यूटीशियन अनिता हत्याकांड : प्रॉपर्टी डीलर तैयब अंसारी के घर छापा मारा

20 जवानों ने कमला नेहरू नगर में अंसारी के बंगले की तलाश ली और उससे पूछताछ भी की, पुलिस ने लेपटॉप सहित दस्तावेज कब्जे में लिए

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में ब्यूटीशियन हत्याकांड का मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन अब भी फरार है। प्रकरण में पुलिस बीते 6 दिन में 24 से ज्यादा लोगों से पूछताछ व बड़ी संख्या मे मोबाइल जब्त कर चुकी है। मंगलवार सुबह पुलिस की टीम ने प्रॉपर्टी डीलर तैयब अंसारी के घर छापेमारी की। करीब 20 जवानों ने कमला नेहरू नगर में अंसारी के बंगले की तलाश ली और उससे पूछताछ भी की। पुलिस ने लेपटॉप सहित कुछ दस्तावेज अपने कब्जे में लिए हैं।

जानकारी के अनुसार अनीता के पति मनमोहन और उसकी सहेली सुमन का ऑडियो सामने आने के बाद तैयब अंसारी का नाम सामने आया था। आरोप है कि अनीता को गायब करने और उसका मर्डर करने में तैयब अंसारी का हाथ हो सकता है। अंसारी पाली, जोधपुर इलाके में प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है। जानकारी के अनुसार, अंसारी की राजनीतिक दलों से भी अच्छी सांठगांठ है। मारवाड़ के इलाकों में विवादित प्रॉपर्टी को लेकर कई बार तैयब अंसारी का नाम सामने आ चुका है। वहीं, परिजनों ने अनीता का शव अब तक नहीं लिया है। परिवार पांच दिन से सरदारपुरा स्थित तेजा मंदिर पर धरने पर बैठा है। हत्याकांड को लेकर गुलामुद्दीन की पत्नी आबिदा परवीन पुलिस रिमांड पर है। परिजन सरदारपुरा रोड स्थित तेजा मंदिर के बाहर धरने पर बैठे हैं। शहर में अलग-अलग जगह हत्याकांड और मांगों से जुड़े पोस्टर लगाए गए हैं।

रविवार को परिजनों ने कहा था कि इस हत्याकांड के पीछे लूट का मकसद नहीं है। इसमें कई बड़े खुलासे होने हैं। अनीता के पास कुछ ऐसा था जिसके चलते उसकी हत्या की गई है। धरने पर मौजूद लोगों का कहना था कि जोधपुर पुलिस तो आसाराम जैसे बड़े आरोपी को गिरफ्तार कर लाई थी। सामान्य सा रफू का काम करने वाला (गुलामुद्दीन) उनकी पहुंच से बाहर कैसे हो सकता है। ये कोई बड़ा षड्यंत्र है। धरने पर मौजूद परिजनों ने पांच मांगें रखी है, इसमें 1 करोड़ का मुआवजा, सरकारी नौकरी, मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी, हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज से मामले की जांच और जिम्मेदार अधिकारियों को पुलिस कमिश्नरेट से हटाने की मांग की है।

■ **मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन अब भी फरार, पुलिस छह दिन में 24 से ज्यादा लोगों से पूछताछ व बड़ी संख्या मे मोबाइल जब्त कर चुकी है**

महिला के गले से सोने की चेन तोड़ी

अजमेर, (कासं)। शहर में इन दिनों बदमाशों के हौसले बुलंद है, तो वहीं अब महिलाएं अपने घरों से बाहर निकलने में कतराने लगी है। शहर के क्रिश्च्यिन गंज थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला के साथ चैन स्नेचिंग की वारदात सामने आई है। मोटरसाइकिल पर सवार दो बदमाश महिला पर झपट्टा मारकर चेन तोड़कर भाग गए। मामले में महिला के पति ने थाने में शिकायत दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस के मुताबिक फ्लोरेंस बिल्डिंग कोटड़ा निवासी महेश निहलानी ने थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़ित ने बताया कि वह अपनी पत्नी भाविका के साथ जनता कॉलोनी की तरफ जा रहा था। उसकी पत्नी ने गले में चेन पहन रखी थी। महेश ने बताया कि शुभम हॉस्पिटल के पास अचानक मोटरसाइकिल पर दो बदमाश आए और पत्नी के गले पर झपट्टा मार दिया। बाद में सोने की चेन तोड़कर भाग गए। महेश की रिपोर्ट पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मकान का छज्जा भरभरा कर गिरा, दो घायल

भरतपुर, (निसं)। मथुरा गेट थाना क्षेत्र में चौबुर्जा के समीप एक दुकान की पहली मंजिल का छज्जा भरभराकर नीचे आ गिरा। अचानक छज्जा गिरने से दीवार से झालर उतार रहा एक इलेक्ट्रीशियन मलबे के साथ नीचे आ गिरा। वहीं छज्जे के नीचे काम कर रहा एक दर्जी बाल-बाल बच गया। उसकी दुकान पर खड़ा एक युवक मलबा गिरने से घायल हो गया।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि मार्केट में कपड़े की दुकान चलाने वाले बंटू ने पहली मंजिल पर दीपावली पर रोशनी के लिए झालर लगाई थी। मंगलवार को को झालर उतारने के लिए रसाला मौहल्ले से एक इलेक्ट्रीशियन भी बुलाया था। इलेक्ट्रीशियन झालर उतार ही रहा था कि इसी दौरान पहली मंजिला का छज्जा भरभरा कर दुकान के टिनशेड पर गिरा। मलबे के साथ इलेक्ट्रीशियन भी सड़क पर आ गिरा। उसी वक्त कपड़े की दुकान के बाहर दर्जी मोहरसिंह सिलाई का कार्य कर रहा था और एक ग्राहक भी वहीं खड़ा था। टिनशेड पर मलबे के गिरने की आवाज सुनते ही दर्जी तो मशीन छोड़कर अलग हो गया लेकिन ग्राहक मलबे की चपेट में आ गया। इस घटना में इलेक्ट्रीशियन व सड़क पर खड़ा ग्राहक चोटिल हो गया। अचानक हुई घटना से बाजार में हडकंप मच गया, जिसने भी इस घटना को देखा तुरन्त मलबे से दोनों घायलों को हटाया गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। छज्जे के नीचे बैठे दर्जी और ग्राहक की जान भी मलबा पहले टिनशेड पर गिरने से बच गई, जिसके बाद नगर निगम की जेसीबी की मदद से मलबे को सडक से हटाया गया।

■ **नगर निगम की जेसीबी की मदद से मलबे को सड़क से हटाया गया**

रेलवे कर्मचारी की संदिग्ध मौत

कोटा, (निसं)। रेलवे कर्मचारी की मंगलवार तड़के संदिग्ध मौत हो गई मृतक रेलवे वर्कशॉप में कार्यरत था। रेलवे कॉलोनी थाने के एएसआई जगदीश प्रसाद ने बताया कि पूनम कॉलोनी निवासी रामेश्वर प्रसाद (56) परिवार के साथ घर पर सो रहा था। मंगलवार तड़के चार बजे करीब रामेश्वर पलंग से नीचे गिर गया। रामेश्वर के पलंग से नीचे गिरने की आवाज सुनकर उसकी पत्नी और बेटा जाग गऐं जिस पर रामेश्वर ने उनसे कहा कि मैंने कोई गोली खाई थी जिससे उसको बेचैनी हो रही है पत्नी और बेटा रामेश्वर को लेकर कोटा के निजी अस्पताल पहुंचे जहां इलाज के दौरान रामेश्वर की मौत हो गई। मृतक के शव को एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम लाया गया। रेलवे कॉलोनी थाने के एएसआई जगदीश प्रसाद ने बताया कि सूचना पर अस्पताल पहुंचे और मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

विराट कोहली आप हर बार की तरह इस बार भी दमदार वापसी करो। क्योंकि आपने पहले भी ऐसा किया है।

- युवराज सिंह

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, विराट कोहली के जन्मदिन पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी विनेश फोगाट

भारतीय रेसलर विनेश फोगाट विधायक बन चुकी हैं। रेसलिंग में अपनी विरोधियों को पटखनी देने वाली विनेश बीते महीने चुनाव मैदान में प्रचार करती नजर आईं। लोगों से वोट मांगती नजर आईं। इसके बदले में जनता ने उन्हें काफी प्यार दिया और उन्हें जीत भी मिली। इस दौरान उनके अंदर का खिलाड़ी अभी भी जिंदा है, बीते सात दिन में तीन बार इशारा दिया है कि जिससे लगता है कि ये विधायक फिर से रेसलर बन सकती है।सोमवार को विनेश ने पेरिस ओलंपिक की अपनी तस्वीर शेयर की। वह इस तस्वीर में बहुत जोश में नजर आ रही हैं।

क्या आप जानते हैं ?... वर्तमान में 80 से अधिक देश पोलो खेलते है। पोलो 1900 से 1936 तक ओलम्पिक खेल था और इसे अब एक बार फिर अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति ने मान्यता प्रदान की है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले रोहित शर्मा को गावस्कर की दो टूक

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। दिग्गज सुनील गावस्कर का मानना है कि अगर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित शर्मा एक से अधिक टेस्ट मैच मिस करते हैं तो पूरी सीरीज में उन्हें कप्तानी नहीं करनी चाहिए। बतौर खिलाड़ी दौरे पर होना चाहिए। गावस्कर ने दो टूक भारतीय क्रिकेट टीम के प्रबंधन से स्पष्टता की मांग की। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय कप्तान का पहला मैच खेलना अहम है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों के चलते ऑस्ट्रेलिया सीरीज के पहले टेस्ट मैच से टूक सकते हैं। रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में जसप्रीत बुमराह कप्तानी कर सकते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वह उपकप्तान थे।

सुनील गावस्कर ने कहा कि, देखिए कप्तान को पहला टेस्ट खेलना जरूरी होता है। अगर इंजर्ड हो गया तो बात अलग है, पर जब आपका जो लीजर है पहले ही बैटल में मौजूद नहीं है तो डिप्टी लीडर पर जो प्रेसर बनता है वो अलग सा प्रेसर होता है। उसको फिर जिम्मेदारी लेना कप्तानी की वो आसान नहीं होगा।

सुनील गावस्कर ने कहा कि, मुझे पता नहीं हम भी पढ़ते आए हैं कि पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे रोहित शर्मा। शायद आप कह रहे हैं कि दूसरे में भी नहीं खेलेंगे। तो अगर ऐसी बात है तो मैं ये कहता हूं अभी-अभी भारतीय सेलेक्शन कमिटी को ये बोलना चाहिए, अजीत अगरकर को ये बोलना चाहिए भाई आपको जो करना है रेस्ट करना रेस्ट कर लो, जो भई आपकी पर्सनल रीजन है।

सुनील गावस्कर ने कहा कि, अगर आप 2/3 मिस कर रहे हैं तो आप इस टूर के लिए प्लेयर के नाते जाइए। दूसरे टेस्ट तीसरे टेस्ट आपको जब चाहिए जाइए। पर हम इस टूर का कप्तान बदलकर जो वाइस कैप्टन है उसको हम कप्तान बनाएंगे क्योंकि क्लैरिटी होनी चाहिए। कप्तानी की जिम्मेदारी है। खासकर हम यहां 3-0 हार गए हैं तो लीडर को होना जरूरी है। बिल्कुल जरूरी है।

भारतीय मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने डब्ल्यूबीएफ का विश्व खिताब जीता

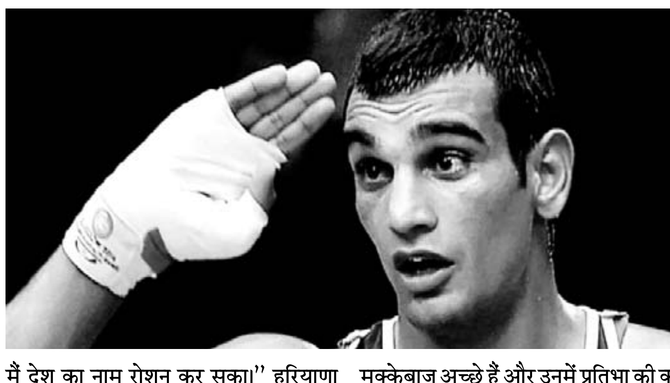

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। भारतीय पेशेवर मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने केमैन आइलैंड में ब्रिटेन के कोनोर मैकिन्टोश को हराकर विश्व मुक्केबाजी महासंघ (डब्ल्यूबीएफ) का सुपर फेदरवेट विश्व खिताब जीता। पूर्व ओलंपिक रजत पदक विजेता रॉय जोन्स जूनियर से प्रशिक्षण लेने वाले 31 वर्षीय जांगड़ा ने अपने पेशेवर करियर में अब तक केवल एक हार का सामना किया है। ब्रिटिश मुक्केबाज के खिलाफ मुकाबले में अधिकतर राउंड में उनका पलड़ा भारी रहा। जांगड़ा ने शुरू से ही दमदार मुक्के जमाए और पूरे 10 राउंड में अपना दमखम बरकरार रखा। दूसरी तरफ ब्रिटिश मुक्केबाज को गति बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा। कॉनर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन जांगड़ा ने अधिकतर राउंड में बढ़त बनाए रखी।

जांगड़ा ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा, "यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत में से एक है। मैंने इसे हासिल करने के लिए वर्षों तक कड़ी मेहनत की। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं देश का नाम रोशन कर सका।" हरियाणा के रहने वाले जांगड़ा ने 2021 में पेशेवर मुक्केबाजी में पदार्पण किया। उन्हें उम्मीद है कि यह खिताब अधिक भारतीय मुक्केबाजों को पेशेवर बनने के लिए प्रेरित करेगा।

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि यह खिताब देश के अन्य मुक्केबाजों के लिए रास्ता खोलेगा और वे पेशेवर मुक्केबाजी में अपना करियर बनाने का फैसला भी करेंगे। हमारे मुक्केबाज अच्छे हैं और उनमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। अगर उन्हें अच्छे प्रमोटर और मैनेजर मिलें तो वे विश्व चैंपियन भी बन सकते हैं।"

जांगड़ा ने अपने पेशेवर करियर में अभी तक 12 मुकाबलों में से 11 जीते हैं, जिनमें सात नॉकआउट जीत शामिल हैं। उन्होंने एमेच्योर मुक्केबाज के रूप में 2014 में राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था।

शाकिब अल हसन के एक्शन की होगी जांच

लंदन, 5 नवंबर। काउंटी चैंपियनशिप में सरी के लिए खेलने के दौरान अंपायर्स ने शाकिब अल हसन के गेंदबाजी एक्शन को लेकर दी गई रिपोर्ट के बाद इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बंगलादेश के ऑलराउंडर शाकिब से अपने गेंदबाजी एक्शन की जांच करवाने के लिए कहा है। हालांकि शाकिब को खेलने से नहीं रोका गया है लेकिन यह पता चला है कि शाकिब के एक्शन की जांच कराने के लिए बातचीत चल रही है। यह जांच अगले कुछ सप्ताह में हो सकती हैं। शाकिब के दो दशक लंबे करियर में यह पहली बार है जब उनका गेंदबाजी एक्शन किसी तरह की जांच का विषय बना है। इस दौरान शाकिब ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 447 मैचों में 712 विकेट लिए हैं, जिसमें 71 टेस्ट में 246 विकेट शामिल हैं। सितंबर में टॉन्टन में सोमरसेट के खिलाफ खिताबी मुकाबले में 37 वर्षीय शाकिब ने नौ विकेट चटकाए थे। 2010-11 के बाद शाकिब पहली बार काउंटी चैंपियनशिप में खेल रहे थे। इंग्लैंड के आठ खिलाड़ियों के राष्ट्रीय टीम में होने के कारण, विल जैक्स और डैन लॉरेंस जैसे दो प्रमुख स्पिनरों की अनुपस्थिति में शाकिब ने सरी के साथ कम समय का करार किया था। शाकिब सोमरसेट को 111 रनों से जीत हासिल करने से नहीं रोक सके और सरी लगातार अपना तीसरा चैंपियनशिप खिताब जीतने में सफल नहीं हो पाया। उस मैच में शाकिब ने 63 ओवर से अधिक की गेंदबाजी की थी लेकिन एक बार भी उनकी गेंदबाजी के दौरान थ्रो करने का हवाला देकर किसी गेंद को नो बॉल करार नहीं दिया गया था। अब यह बात निकलकर सामने आई है कि मैदानी अंपायर्स ने उनके गेंदबाजी एक्शन को संदिग्ध पाया था।

गोल्ड मेडलिस्ट की लैंगिक पहचान पर बवाल, ट्रंप ने मुद्दे को दी हवा

पेरिस, 5 नवम्बर। पेरिस 2024 ओलंपिक में काफी विवाद देखने को मिले। इन्हीं में से एक विवाद जो काफी सुर्खियों में रहा, अल्जीरिया की इमान खलीफ अपनी लैंगिक पहचान को लेकर विवादों में रही। वहीं ये मुद्दा एक बार फिर उठा है और अल्जीरियाई मुक्केबाज फिर जांच का सामना कर रही हैं। इस मामले में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और 2024 के रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प समेत दुनिया भर की जानी-मानी हस्तियों की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।खलीफ को अपने जेंडर को लेकर नए सवालों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि एक लीग हुई मेडिकल रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 25 वर्षीय मुक्केबाज में गर्भाशय नहीं है, अंडकोष हैं और एक बढ़े हुए क्लिटरिस जैसा दिखने वाला माइक्रोपेनिस है। खलीफ ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 66 किग्रा वर्ग में गोल्ड मेडल जीता था। इस दौरान उन्होंने इटली की मुक्केबाज को हराया था। ओलंपिक खेलों में उनकी हिस्सेदारी ने बड़े पैमाने पर विवाद पैदा कर दिया था उन्हें कथित तौर पर गुणसूत्र परीक्षण में फेल होने के बाद नई दिल्ली में 2023 विश्व चैंपियनशिप के गोल्ड मेडल मैच से पहले अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ ने निलंबित कर दिया था। हालांकि, खलीफ ने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने खलीफ को पेरिस ओलंपिक 2024 में हिस्सा लेने की मंजूरी दे दी थी। बहरहाल लीक हुई मेडिकल रिपोर्ट खलीफ की और अधिक जांच को बढ़ावा देने वाली है। खलीफ को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अंतिम कैंपेन वीडियो में भी दिखाया गया है। वीडिटो में उन चीजों के बारे में बात की गई है जो वर्तमान बिडेन प्रशासन के तहत गलत हो गई हैं। वीडियो में खलीफ की तस्वीर को

2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत ने बढ़ाया पहला कदम

आईओए ने आईओसी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। भारत ने 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए एक कदम आगे बढ़ा दिया है। भारतीय ओलंपिक संघ ने इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति को पत्र भेजा है। केंद्रीय खेल मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, आईओए ने एक अक्टूबर को आईओसी को आधिकारिक रूप से भविष्य में ओलंपिक की मेजबानी करने की इच्छा जताई और पत्र लिखा। भारत लंबे समय से 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की इच्छा जता चुका है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कई मौकों पर इस बारे में राय रखी और अपने इरादे जाहिर किए हैं। हालांकि, अब भारत ने इस दिशा में बड़े कदम उठाए हैं।

पीएम मोदी सितंबर में अमेरिका दौरे पर थे उस दौरान उन्होंने वहां न्यूयॉर्क के इनडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में कहा था कि, अभी कुछ दिन पहले पेरिस ओलंपिक खत्म हुआ है। अगले ओलंपिक का मेजबान अमेरिका है। बहुत जल्द आप भारत में भी ओलंपिक देखेंगे। हम 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इससे पहले पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से देश को संबोधित करते हुए ओलंपिक 2036 की मेजबानी पर बड़ी बात कही थी।

उन्होंने कहा था कि भारत ने ओलंपिक 2036 की मेजबानी के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। पीएम ने जानकारी देते हुए बताया था कि आईओए ने इस आयोजन को भारत में लाने के लिए आईओसी के भावी मेजबान आयोग के साथ बातचीत शुरू कर दी है।

राठी ने लॉन टेनिस चैम्पियनशिप में जीता स्वर्ण

सोनीपत, 5 नवंबर। केन्या में आयोजित इंटरनेशनल लॉन टेनिस चैंपियनशिप में लिटल एंजल्स स्कूल सोनीपत के होनहार खिलाड़ी अर्जुन राठी ने प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में अर्जुन पंडित को 6-0, 6-3 के सेट स्कोर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस प्रतियोगिता में देश-विदेश से 32 खिलाड़ियों ने भाग लिया। अर्जुन राठी की इंटरनेशनल स्तर पर यह तीसरी जीत है। अर्जुन राठी के अभिभावक इससे बहुत खुश थे। उन्होंने इस जीत का श्रेय विद्यालय प्रशासन को देते हुये कहा कि विद्यालय द्वारा प्रदान की गई खेल सुविधाओं के कारण आज अर्जुन इन ऊंचाइयों पर पहुंचा है। विद्यालय के अध्यक्ष तरसेम कुमार गर्ग, सचिव डॉ विशाल गर्ग और विद्यालय की प्रधानाचार्य आशा गोयल ने अर्जुन राठी को बधाई दी और उनको भविष्य में भी बेहतर खेल प्रदर्शन के लिये प्रेरित किया।

आईपीएल की मेगा नीलामी सऊदी अरब में 24 और 25 को होगी

नई दिल्ली, 5 नवंबर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी सऊदी अरब के जेद्दाह में 24-25 नवंबर को आयोजित की जायेगी। यह दूसरी बार है जब आईपीएल की नीलामी विदेश में हो रही है।

हाल ही में सभी फ्रैंचाइजी ने कुल मिलाकर 46 खिलाड़ियों को रिटेन किया था, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर- ऑलराउंडर हेनरिक क्लासेन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 23 करोड़ रूपये सबसे महंगे खिलाड़ी के रूप में रिटेन किया है। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली (रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर) और वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज निकोलस पूरन (लखनऊ सुपर जायंट्स) 21करोड़ रुपये की राशि के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे महंगे रिटेंशन रहे।

दो दिवसीय नीलामी में राजस्थान रॉयल्स के पास 41करोड़ का सबसे छोटा बजट होगा क्योंकि राजस्थान की टीम उन दो टीमों में से एक थी जिन्होंने अधिकतम छह खिलाड़ियों को रिटेन किया है। मौजूदा चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी अपने मुख्य समूह के छह खिलाड़ियों को रिटेन किया है, लेकिन उनके पास 51करोड़ का बजट होगा क्योंकि उनके रिटेंशनों में दो अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं। दोनों टीमों के पास नीलामी में राइट-टू-मैच (आरटीएम) कार्ड नहीं होंगे।

पंजाब किंग्स के पास सबसे मजबूत बजट होगा, जो 110.5 करोड़ रुपये है, क्योंकि उन्होंने कुल 120 करोड़ के बजट में से केवल 9.5 करोड़ रुपये अनकैप्ड जोड़ी शशांक सिंह और प्रभसिमरन सिंह को रिटेन करने में खर्च किए हैं। पंजाब के पास नीलामी में अधिकतम चार आरटीएम कार्ड होंगे। मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटन्स, सनराइजर्स और सुपर जायंट्स ने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है, जिससे उनके पास नीलामी में केवल एक आरटीएम कार्ड होगा।

राजस्थान - हैदराबाद रणजी मैच आज से एसएमएस स्टेडियम पर

जयपुर 5 नवम्बर , आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीपबिहाणी के अनुसार बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2024 -25 की राष्ट्रियक्रिकेट प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी के अपने पहले तीन रणजी मुकाबलों में राजस्थान रणजी टीम ने शानदार शुरुआत करते हुए जयपुर में खेले गए पहले मैच मेंपॉन्डिचेरी के विरुदपहली पारी की बढ़त व अपने दूसरे मैच धर्मशाला में हिमाचल के विरूद मिली शानदार जीत तथा जयपुर मे गुजरात के विरुद खेला गया तीसरा रणजी मैच ड्रा रहा। कल दिनांक 6 नवम्बर 2024 से जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम पर राजस्थान रणजी टीम का चौथा रणजी मुकाबला हैदराबाद के साथ खेला जायेगा।पहले तीन रणजी मुकाबलों में राजस्थान टीम ने बल्लेबाजी व गेंदबाजी दोनों के क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन किया था । आज मैच से पूर्व राजस्थान टीम ने कप्तान दीपक हुड्डा व मुख्य कोच राजेश बिश्नोई व अन्य स्पोर्ट स्टाफ के साथ आरसीए अकादमी पर जमकर अभ्यास किया।राजस्थान के विरुदरणजी मैच के लिए हैदराबाद टीम ने भी जयपुर पहुंचकर आज सुबह आरसीए अकादमी पर अभ्यास किया।

आरसीए स्टैटिशनओ पी शर्मा के अनुसार रणजी ट्रॉफी में पूर्व में राजस्थान - हैदराबाद टीमों में मध्य कुल 11 रणजी मैच खेले गए हैं जिनमे राजस्थान ने 4 मैच में जीत दर्ज की है , गुजरात ने 2 मैचों में जीत दर्ज की व 5 मैच ड्रा समाप्त हुए हैं।

एचआईएल के लिए नई वेबसाइट लांच और कार्यक्रम की घोषणा

नई दिल्ली, 5 नवंबर। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के 2024-2025 संस्करण के लिए मंगलवार को एक समर्पित लीग वेबसाइट का शुभारंभ किया गया तथा बहुप्रतीक्षित सीजन के कार्यक्रम की घोषणा की गई। एचआईएल की नई वेबसाइट 'हॉकीइंडियालीगडॉटकॉम' के जरिए दुनिया भर के प्रशंसकों तक लीग की ताजा खबरे, मैचों के कार्यक्रम, पूरी टीम की सूची और एक्सक्लूसिव वीडियो कंटेंट की पहुंच आसान होगी। इस वेबसाइट को एक आकर्षक और इमर्सिव अनुभव देने के लिए तैयार किया गया है। वेबसाइट एचआईएल से जुड़ी सभी चीजें उपलब्ध होगी जो कि प्रशंसकों और खिलाड़ियों को पहले से कहीं अधिक हॉकी के करीब लायेंगी। खिलाड़ियों की व्यापक नीलामी के बाद, आठ पुरुष और चार महिला टीमें इस प्रतियोगिता के लिए तैयार हैं। यह अब तक का सबसे बड़ा और सबसे बेहतरीन एचआईएल सीजन होने वाला है। पुरुषों की लीग 28 दिसंबर को राउरकेला में शुरू होगी, इसके मैच दो चरणों में होंगे और एक फरवरी 2025 को अंतिम मुकाबला होगा।

// अन्डर-15 एवं अन्डर-17 नेशनल रैंकिंग बैडमिन्टन प्रतियोगिता //

राजस्थान के कृष मीणा और भानू प्रताप, शिवम हाड़ा, वेदान्त जोशी ने दूसरा दौर भी जीता

जयपुर, 5 नवम्बर। राजस्थान के कृष मीणा और भानू प्रताप जाटोलिया यहां सवाई इण्डोर स्टेडियम में चल रही अन्डर-15 एवं अन्डर-17 नेशनल रैंकिंग बैडमिन्टन प्रतियोगिता के क्वालिफाइंग राउण्ड के दूसरे दौर में भी जीत दर्ज करन में सफल रहें। कृष मीणा ने लड़को के अन्डर-17 आयु वर्ग में दिल्ली के समित सूद को 15-9, 15-10 से हराया। भानू प्रताप जाटोलिया ने आन्ध्र प्रदेश के कृष्णा कार्तिक को 15-8, 15-13 से शिकस्त दी। अन्य मुकाबलों में राजस्थान के शिवम हाडा ने तेलंगाना के राहुल साई को 15-5, 15-11 से, वेदान्त जोशी ने दिल्ली के भव्य दुहान को 15-12, 155 से, रोहन बिश्नोई ने तमिलनाडु के मोनिश राजाराम को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 15-13, 3-15, 16-14 से पराजित किया। लड़कियों के अन्डर-17 आयु वर्ग में राजस्थान की अदविता शर्मा ने हरियाणा की अलिशा

गोस्वामी को 8-15, 15-4, 15-12 से पराजित किया। राजस्थान के हेमांक जाखड़, कृष मीणा, खुशी पूनिया, शेरिल चौधरी और सानिया राव को वॉक ओवर मिला।

लड़को के अन्य मुकाबलों में हर्षवर्धन मान्झु ने पंजाब के तुषार नन्दा को 15-5, 11-15, 15-9 से, हर्ष स्वामी ने दिल्ली के आदित्य अग्रवाल को 15-12, 15-12 से हराया। लड़कियों के अन्य मुकाबलों में देशना जैन ने सिद्धिमा साहू को 15-8, 15-7 से शिकस्त दी। लड़कों के मुकाबलों में सन्यम कोठारी ने गुजरात के प्रज्ञान को 15-5, 15-5 से, आयुष यादव ने गुजरात के श्लोक भालोदिया को 15-8, 15-3 से हराया। लड़कियों के मुकाबलों में रितिका झमनानी ने आन्ध्र प्रदेश की स्टुई ग्रेस रेड्डी को 15-10. 15-8 से तथा अन्वी राठौड़ ने दिल्ली की मिताली बिष्ट को 15-2, 15-6 से पराजित कर तीसरे दौर में प्रवेश किया।

लड़कों के मुकाबलें में सचिन चौधरी ने असम के फलोरिस बरूआ को 15-10, 16-18, 16-14 से, सात्विक अग्रवाल ने राजस्थान के ही सफी खान को 15-8, 15-9 से, अर्थव माहेश्वरी ने मध्य प्रदेश के सिदक सिंह को 15-8, 16-14 से, नेहिल सिंह मेहरा ने हिमचाल प्रदेश के अस्तित्व को 15-7, 15-10 से, निधिश ने महाराष्ट्र अनवीत नेने को 15-7, 15-6 से, जयवर्धन सिंह ने चंडीगढ़ के तेजस देवाली को 15-5, 15-8 से, यश सोनी ने तुस्या को 15-8, 15-5 से, सोनू मीणा ने नील को 15-10, 15-8 से शिकस्त दी।

राजस्थान बैडमिन्टन संघ के उपाध्यक्ष मनोज दासोत के अनुसार बुधवार को 400 से अधिक मुकाबले खेले जायेंगे। मैच सुबह 9 बजे से शुरू होंगे। उन्होंने बताया कि डिप्टी रेफरी लोकेश सोनी, डिप्टी रेफरी चन्द्रकान्त शर्मा और तकनीकी अधिकारी व आरबीए ऑफिस इन्चार्ज विनीत शर्मा बखुबी अपने कार्य निभा रहे है।

जयपुर के टर्फ फुटबॉल ग्राउंड में लगी आग, बेल्जियम से आई करोड़ों की घास खाक

जयपुर 5 नवंबर। कहावत है कि जब रोम जल रहा था, तो नीरो सुख और चैन की बाँसुरी बजा रहा था। ये कहावत साबित होती है राजस्थान की राजधानी जयपुर के विद्याधर नगर स्थित इंटरनेशनल फुटबॉल स्टेडियम में हाल ही में आग लगने की घटना को लेकर। करोडों रुपयों से बने स्टेडियम का फुटबॉल मैदान आग से जल रहा था और जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी खबर तक नही लगी, वो दिवाली की छुट्टी मनाने में व्यस्त थे। दिवाली के समय आतिशबाजी के कारण ये आग लगी है, ये कहना मुश्किल है। इस घटना का कोई गवाह नही है। स्टेडियम के एक गोल पोस्ट की तरफ लगी सिंथेटिक घास जलकर राख हो गई।

फीफा द्वारा मान्यता प्राप्त भारत के इस दूसरे फुटबॉल ग्राउंड में राजस्थान सरकार ने करोड़ों रुपए खर्च करके बेल्जियम से आर्टिफिशियल ग्रीन घास मंगवाई, लेकिन उसको अच्छे से संभाल नहीं सकी। बेल्जियम से लाई गई घास में दिवाली के दिन आग लग गई और फीफा ने इस ग्राउंड को इंटरनेशनल सर्टिफिकेट जारी किया है, जो 12 जुलाई 2027 तक मान्य है। इस ग्राउंड पर लगभग 3000 दर्शक मैच का आनंद ले सकते हैं और लगभग 20 हजार दर्शकों के खड़े रहने की व्यवस्था की गई। राज्य सरकार की ओर से इस फुटबॉल ग्राउंड को तैयार किया गया।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा अक्टूबर में फुटबॉल लीग का उद्घाटन किया गया था। इस फुटबॉल ग्राउंड को 13 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है। फीफा मानकों से एप्रूव्ड है। उद्घाटन के बाद से स्टेडियम में कई टूर्नामेंट का आयोजन हो चुका है। फुटबॉल ग्राउंड के चारों तरफ सिंथेटिक ट्रैक भी बिछाए गए हैं, जिससे खिलाड़ी अच्छी तरह से प्रैक्टिस कर सकें और ताज्जुब की बात यह है कि इंडियन फुटबॉल लीग का कैम्प और खिलाड़ियों की प्रैक्टिस इस जली हुई घास में करवाना फुटबॉल फैंस के लिए चिंता का विषय बताया जा रहा है।

राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव दिलीप सिंह ने बताया कि इस बारे में उन्हें जानकारी मिली है और जल्द ही इस ग्राउंड को फिर से दुरुस्त करवाया जाएगा। यह फुटबॉल ग्राउंड यूनाइटेड फुटबॉल क्लब का होम ग्राउंड है। इतनी महंगी घास की सुरक्षा और रखरखाव में इतनी बड़ी लापरवाही नहीं होनी चाहिए थी।

अब देखना ये है कि क्या राज्य सरकार, राजस्थान फुटबॉल संघ, राजस्थान यूनाइटेड फुटबाल क्लब जल्द से जल्द मैदान को ठीक करवा कर संतोष ट्रॉफी जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में करवा सकती है या हैदराबाद के फुटबाल मैदान पर जाने देगी?

संतोष ट्रॉफी का आयोजन वैशाली नगर स्थित रॉयल फुटबाल क्लब मैदान पर कराने का विचार

जयपुर 5 नवंबर। आरएफए सचिव दिलीप सिंह ने बताया कि इस मैदान पर राजमाता जीजाबाई राष्ट्रीय महिला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। भारतीय महासंघ की ओर से इस ट्रॉफी का आयोजन किया गया जिसमें राजस्थान फुटबाल संघ, राजस्थान खेल परिषद और राजस्थान यूनाइटेड फुटबाल क्लब की संयुक्त मेजबानी थी। इसके बाद राजस्थान को संतोष ट्रॉफी और आई लीग फुटबॉल चैंपियनशिप की मेजबानी भी मिली है। अब मैदान पर आग लगने के कारण मैच के आयोजन पर संकट खड़ा हो गया। लंबे समय बाद कोई बड़ी प्रतियोगिता की मेजबानी राजस्थान को मिली थी, लेकिन ग्राउंड पर आग लग जाने के कारण अब मैचों के आयोजन को लेकर संकट खड़ा होता नजर आ रहा था लेकिन जयपुर में ही संतोष ट्रॉफी टूर्नामेंट कराने का प्रयास कर रहे है। राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने साफ किया कि अगर हम किसी कारण संतोष ट्रॉफी जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में नही करवा पाए तो वैशाली नगर स्थित रॉयल फुटबाल क्लब मैदान पर करवा सकते है। जिसके मालिक डॉ. दिलीप चुण्डावत है, उनसे बातचीत हो गई है साथ ही मैदान को संतोष ट्रॉफी टूर्नामेंट कराने के लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। कुछ दिनों बाद ऑल इंडिया फेडरेशन की तरफ से रॉयल फुटबाल मैदान को जांचने के लिये टेक्निकल अधिकारी अमित जयपुर आने वाले है।

'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मजबूत वापसी कर सकता है भारत'

सिडनी, 5 नवम्बर। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड का मानना है कि न्यूजीलैंड से श्रृंखला में करारी हार से भारत का आत्मविश्वास डगमगा गया होगा, लेकिन

उन्होंने अपनी टीम को आगाह करते हुए कहा कि भारतीय टीम अधिक आक्रामक होकर 22 नवंबर से शुरू होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में जोरदार वापसी कर सकती है। भारत को न्यूजीलैंड से तीनों मैच में हार का सामना करना पड़ा। यह पहला अवसर है जबकि घरेलू धरती पर तीन या इससे अधिक टेस्ट मैच की श्रृंखला में उसका सूपड़ा साफ हुआ। हेज़लवुड ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, "वह (भारत) घायल शेर की तरह वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होगा। श्रृंखला शुरू होने पर ही हमें पता चलेगा की चीजें कैसे आगे बढ़ रही हैं।" घरेलू धरती पर हार न केवल भारत के टेस्ट क्रिकेट इतिहास के सबसे बुरे दौर में से एक है, बल्कि इससे रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम की अगले साल के विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावनाओं को भी करारा झटका लगा है। लगातार तीन हार का मतलब है कि भारत ने डब्ल्यूटीसी तालिका में ऑस्ट्रेलिया से अपना शीर्ष स्थान गंवा दिया है।

अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के वोटर्स ट्रम्प के समर्थन में

हालांकि हैरिस भारतीय मूल की हैं पर इण्डो अमेरिकन वोटर्स को वे पसंद नहीं हैं

- इसका कारण यह भी है, कि कमला हैरिस अपने भारतीय मूल के होने का जिक्र करने से प्रायः कतराती हैं और भारतीय मूल के अमेरिकन वोटर्स पर भी प्रायः मौन ही रहती हैं। शायद उन पर, खुद को अमेरिका के प्रति पूर्ण निष्ठावान साबित करने का दबाव है।
- चुनावों में जहां बुद्धिजीवी वर्ग पूरी तरह से हैरिस के पक्ष में एक जुट है, वहीं, अश्वेत मतदाता, जो अब तक डैमोक्रेट्स का वोट बैंक था, ट्रम्प के पक्ष में दिख रहा है।

-अंजन राय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 नवंबर। अमेरिका की जनता मतदान करने जा रही है, ऐसे में एक स्पष्ट निर्णय यह सामने आया है कि अमेरिका के लोग डॉनल्ड ट्रम्प तथा कमला हैरिस के बीच आधे-आधे बंटे हुए हैं।

राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान कुछ आश्चर्यजनक बातें भी हुई हैं- पारंपरिक जनाधार बदल रहे हैं और नई वफादारियाँ उभर रही हैं। उदाहरण के लिए, अश्वेत मतदाताओं को लें, वे पारंपरिक रूप से हैरिस की डैमोक्रैटिक पार्टी के उम्मीदवारों के लिए मतदान करते थे।

लेकिन, इस बार मतदान ट्रम्प व हैरिस के बीच विभाजित है। इस बार कई अश्वेत मतदाता, डैमोक्रैटिक उम्मीदवार के लिए अपनी पारंपरिक पसंद के बजाय ट्रम्प के पक्ष में हैं।

दूसरी स्पष्ट बात यह है, बुद्धिजीवियों का समर्थन, हैरिस की तरफ इकट्ठा हो गया है और डॉनल्ड ट्रम्प का डटकर विरोध कर रहा है। इन लोगों को हैरिस का समर्थन करने की ज़रूरत नहीं थी, लेकिन ऐसा लगता है कि इन्होंने मुख्य रूप से ट्रम्प के प्रति नफरत के कारण ऐसा किया है। इस बार सभी बुद्धिजीवी हैरिस के झण्डे के पीछे एकजुट हो गए हैं।

भय यह है कि यदि ट्रम्प सत्ता में आ गए तो अमेरिकी लोगों की स्वतंत्रता पर अंकुश लगेगा। वहीं, हैरिस स्वतंत्रता को बढ़ावा देंगी, जिससे हर क्षेत्र में मतभेद की गुंजाइश बढ़ सकती है।

भारतीय दृष्टिकोण से देखा जाए तो, आश्चर्य की बात यह है कि भारतीय मूल के अमरीकी ट्रम्प के पीछे एकजुट हो रहे हैं। भारतीय अमरीकी जनता अब डैमोक्रैटिक पार्टी के मापदंडों के पीछे इकट्ठी नहीं हो रही है। कई भारतीय ट्रम्प के साथ हैं और उनका समर्थन कर रहे हैं।

भारतीय प्रवासियों को लुभाने के लिए ट्रम्प काफी समय से भारत समर्थक लाइन आगे कर रहे हैं। कुछ ही हफ्ते पहले ट्रम्प ने भारतीयों की कड़ी मेहनत करने की संस्कृति, शिक्षा में विश्वास तथा जन्मजात उद्यम को अमेरिका के लिए "ऐसेट" (संपत्ति) बताया था।

दूसरी तरफ, हैरिस ने हिन्दुओं और उनके उद्यमी गुणों के बारे में चुप्पी साध रखी है। हो सकता है कि हैरिस खुद को एक सच्ची अमेरिकी नागरिक के रूप में प्रोजैक्ट करने की उत्सुक रही हों। उन्होंने बार-बार कैलिफोर्निया में अपने स्कूल के दिनों का जिक्र किया और बताया कि कैसे वो नियमित रूप से बस से स्कूल ट्रिप्स पर जाया करती थीं।

उनकी कहानी मध्यम वर्ग के अमेरिका की है, जो बाद में बड़ी सफलता हासिल कर लेता है। दूसरी तरफ डॉनल्ड ट्रम्प को अपने पिता से हज़ारों-करोड़ों की संपत्ति विरासत में मिली थी और वे "वाइट सुप्रिमेसी" (श्वेत वर्चस्व) जैसे आंदोलनों में सबसे आगे रहे थे।

अपने कठोर रूढ़िवादी रूख के साथ, डॉनल्ड ट्रम्प एम.ए.जी.ए. (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) मूल्यों की बात कर रहे हैं और इन मूल्यों को बढ़ावा देने की बात कर रहे हैं। उधर हैरिस, यूरोप में अमेरिका के पारंपरिक मित्रों के प्रति अधिक उदार है।

माना जाता है कि हैरिस का चीन के साथ व्यवहार अधिक नरम है, जबकि ट्रम्प चीन को अमेरिका का "नम्बर वन" दुश्मन मानते हैं।

वे चीन के खिलाफ, हैरिस की तुलना में कहीं अधिक कठोर उपायों की बात कर रहे हैं, जैसे कि चीनी वस्तुओं और सेवाओं पर इतना अधिक उच्च स्तर का टैरिफ (शुल्क), जितना कि हैरिस सोच नहीं पातीं।

भारतीय मूल की होने के कारण, हैरिस को अपने अडॉप्टेड होम (दत्तक घर) के प्रति अपनी निष्ठा साबित करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती। अमेरिका के प्रति निष्ठा साबित करना हैरिस के लिए अधिक मुश्किल होगा।

इमिग्रेशन (अप्रवासन) के मुद्दे पर, हैरिस की तुलना में ट्रम्प अधिक सख्त होंगे। हैरिस, संसाधनों को जुटाने तथा अपमानता को कम करने के लिए उच्च आयात की बात करती हैं।

आर्थिक नीति में 'हैरिस, डॉनल्ड ट्रम्प की तुलना में, अमेरिकी अर्थव्यवस्था एवं एक्शन प्रोग्रामों की अधिक सकारात्मक तस्वीर पेश करती हैं।

संसद सत्र 25 नवम्बर को शुरू होगा

नयी दिल्ली, 05 नवंबर। सरकार ने संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक आयोजित कराने की मंगलवार को घोषणा की। इस दौरान 26 नवंबर को संविधान दिवस पर संसद के केन्द्रीय कक्ष में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया जायेगा।

- शीतकालीन सत्र 20 दिसम्बर तक चलेगा।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी देते हुये कहा, भारत सरकार की सिफारिश पर माननीय राष्ट्रपति ने संसद के दोनों सदनों के शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024 तक आहूत करने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है।

संसद की कार्यसूची के अनुसार, शीतकालीन सत्र की अवधि में संशोधन भी किया जा सकता है।

रिजिजू ने बताया कि 26 नवंबर को संविधान दिवस पर संविधान को अंगीकार किये जाने की 75वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में एक समारोह संसद के केन्द्रीय कक्ष में आयोजित किया जायेगा।

फिर से भाजपा के हिंदुत्व आइकन बने योगी आदित्यनाथ

योगी का "बटेंगे तो कटेंगे" नारा काफी चर्चित हो रहा है

- योगी ने हरियाणा की एक चुनावी सभा में यह नारा दिया था, समझा जाता है कि इससे भाजपा को भारी लाभ हुआ हरियाणा में और अब महाराष्ट्र व झारखंड में भी योगी व उनका यह नारा काफी लोकप्रिय हो रहा है।
- संघ प्रमुख मोहन भागवत, महासचिव दत्तात्रेय होसबाले और प्रधानमंत्री मोदी तक योगी के इस नारे के प्रशंसक हैं तथा उन्होंने इसका समर्थन किया है।

- श्रीनन्द झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में भाजपा के खराब प्रदर्शन के बाद, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रतिष्ठा में भले ही कमी आ गई थी, लेकिन उन्होंने फिर से वापसी करते हुए, भाजपा में हिन्दुत्व के प्रतीक के रूप, अपना पूर्व कद फिर से हासिल कर लिया है।

झारखण्ड और महाराष्ट्र विधान सभा चुनावों के प्रचार में योगी की जबरदस्त मांग हो रही है तथा उनका "बंटेंगे तो कटेंगे" नारा भाजपा के हल्कों में जबरदस्त हिट हो रहा है। मथुरा में 22 अक्टूबर को आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत के साथ हुई उनकी मीटिंग के दो दिन बाद, आर.एस.एस. के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले योगी की इस टिप्पणी को, उनके इस नारे को दोहराया था, जो योगी ने हरियाणा चुनावों में काम लिया था और काफी असरदार रहा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी योगी के इस नारे का समर्थन किया बताते हैं।

रोचक बात यह है कि लोकसभा के चुनाव परिणामों के बाद, योगी 3 नवम्बर को प्रधानमंत्री से पहली बार मिले थे। इससे पूर्व, गत माह हरियाणा के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के बाद, प्रधानमंत्री द्वारा बुलाई गई एन.डी.ए. के मुख्यमंत्रियों की मीटिंग में, वे प्रधानमंत्री के श्रोता के रूप में शामिल जरूर हुए थे। उस दिन, योगी ने गृहमंत्री अमित शाह तथा भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के साथ लम्बी मीटिंग भी की थीं।

लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश में हुई भाजपा की घोर पराजय के बाद के महीनों में, योगी कटघरे में खड़े कर दिये गये थे तथा पार्टी के खोजी लोग यह कहने लगे थे कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा उन्हें पार्टी के चेहरे के रूप में प्रोजेक्ट नहीं करेगी। हाल ही में, आर.एस.एस. और भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ हुई मुख्यमंत्री योगी की मीटिंग ऐसे संकेत दे रही हैं कि उन्होंने, कम से कम फिलहाल तो, अपने अस्तित्व के संकट पर विजय पा ली है।

योगी ने आज झारखंड में अपना प्रचार-अभियान कर दिया। उन्होंने एक दिन में तीन जनसभाएं संबोधित कीं। हजारी बाग की सभा में उन्होंने अपना नारा दोहराया: "ये समय बंटने का नहीं है। कांग्रेस ने 1947 से देश को बांटा है।" योगी का "बंटेंगे तो कटेंगे" नारे के महाराष्ट्र में भी गूंजने की संभावना है। महाराष्ट्र में योगी की सभाओं की तिथियों एवं स्थानों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

23 नवम्बर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लायेंगी। इसके परिणामस्वरूप, राहुल और प्रियंका की टीमों में टकराव की स्थिति भी बन सकती है।

संगठन में बदलाव अपेक्षित भी है तथा जब भी यह बदलाव होगा, उस समय यह देखना बड़ा रुचिकर होगा कि कौनसा नेता किस खेमे से जुड़ा हुआ है।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हासिल करना होगा। वर्तमान में 50 स्टेट्स हैं इसलिए जीतने के लिए 26 वोटों की जरूरत होगी। बारहवे संशोधन के इस प्रावधान का अमेरिका के इतिहास में सिर्फ एक बार सन् 1800 के चुनावों में इस्तेमाल हुआ था। यह एक दुर्लभ असाधारण घटना है। लेकिन समान मत मिलने की स्थिति से निपटने के लिए यह व्यवस्था की गई है।

ए.आई. ने चुनाव नतीजे आने के दौरान असंतोष बढ़ने की संभावना बताई। और चेतावनी दी है कि विरोध प्रदर्शन, मार्च, रैली जैसी घटनाएं हो सकती है। ए.आई. ने तनाव बढ़ने, हिंसा होने की चेतावनी दी। हाल ही में आए ए.बी.सी. न्यूज/इप्सॉस सर्वे के अनुसार सिर्फ 29 प्रतिशत अमेरिकन मानते हैं कि ट्रम्प हार स्वीकार कर लेंगे, इससे आशंका है कि चुनाव नतीजों के बाद हिंसा होगी। इसी के चलते वॉशिंगटन डी.सी. में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है। चुनाव देश को एकजुट करने की बजाय देश को बांट रहे हैं और अनिश्चितता बढ़ा रहे हैं। रॉयटर्स ने बताया कि जिन राज्यों में कडा मुकाबला है वहां के अधिकारी अफवाहों, साजिशों की खबरों, धमकियों व हिंसा की आशंका वाली खबरों पर भरोसा कर रहे हैं। फिलाडेल्फिया डैट्रॉयट और एटलांटा राज्य जिनके लिए ट्रम्प अक्सर फर्जी वोटिंग के दावे करते हैं, वहां अधिकारियों ने मतगणना प्रक्रिया की सुरक्षा के उपाय किए हैं। फिलाडेल्धिका में जहां मतगणना होनी है उस जगह की सुरक्षा के लिए कांटेदार बाड लगाई गई है। डैट्रॉयर और एटलांटा में मतदान केन्द्रों के खिड़की, दरवाजों पर बुलेटप्रूफ कांच लगाए हैं। विस्कोन्सिन में चुनाव कर्मियों को डीएस्केलेशन टैक्नीकस का प्रशिक्षण दिया गया है तथा मतदान केन्द्रों में बच निकलने का रास्ता बनाया। माहौल खराब होने की स्थिति को देखते हुए। एरिजोना, जहां 2020 में चुनाव में फर्जीवाडे के दावे किए गए थे, में प्रशासन झूठी अफवाहों से निपटने के लिए विशेष प्रयास कर रहा है, खासकर फर्जी वोटर्स की काल्पनिक तस्वीरों से। अन्य राज्यों को भी सुरक्षा को लेकर भारी चिंता है। रॉयटर्स ने बताया कि वॉशिंगटन के गवर्नर ने नैशनल गार्ड यूनिट्स को अलर्ट कर दिया है। यहां कमला हैरिस के भारी अंतर से जीतने की उम्मीद है। यह गत दिनों बैलेट बॉक्स जलाने की खबर आई थी। सी.एन.एन. ने बताया कि नेवाडा और ऑरेगॉन में नैशनल गार्ड यूनिट्स को तैयार रखा गया है।

गार्जियन ने ऐसी कई घटनाओं का उल्लेख किया जिसमें चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने की कोशिश की गई थी, जिसमें ऑरेगॉन व वॉशिंगटन की बैलेट बॉक्स जलाने, पैनसिल्वेनिया में बम की धमकी दिए जाने, सैन एंटोनियों में चुनाव कर्मी व वोटर के बीच हाथा पाई, और एरिज़ोना शेयर में हथियार बन्द आदमी की गिरफ्तारी घटनाएं प्रमुख हैं। उक्त व्यक्ति की साजिश बडे पैमाने पर हिंसा करने की थी।

इन्टरनैशनल क्राईसिस ग्रुप (आई.सी.जी.) ने चेतावनी दी है कि चुनाव सम्बन्धी हिंसा की संभावना बहुत ज्यादा है। बडे पैमाने पर दलगत ध्रुवीकरण होने से नतीजों को अस्तित्व से जोड़ कर देखा जा रहा है। राजनैतिक हिंसा के प्रति समर्थन बढ़ता जा रहा है। अप्रैल में हुए एन.पी.आर./पी.बी.एस. पोल के अनुसार 20 प्रतिशत अमेरिकन मानते है कि देश को ठीक करने के लिए हिंसा जरूरी है।

एजुकेशन प्री-समिट में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भाग लेंगे

जयपुर, 5 नवंबर। राइज़िंग राजस्थान से पूर्व, उच्च शिक्षा, स्कूल शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, कौशल एवं उद्यिमता विभाग तथा खेल एवं युवा मामलात के संयुक्त तत्वावधान में 6 नवंबर को "एजुकेशन प्री-समिट 2024" का आयोजन होगा।

होटल इंटरकॉन्टिनेंटल, टोंक रोड, जयपुर में होने वाले इस शिक्षा सम्मेलन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्य अतिथि होंगे तथा उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, उद्योग एवं वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार, युवा मामले एवं खेल, कौशल, योजना एवं उद्यिमता विभाग और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर भी शिरकत करेंगे।

समिट का मुख्य उद्देश्य, शिक्षा क्षेत्र में नवाचार, डिजिटल तकनीकों का उपयोग और निवेश की संभावनाओं पर गहन चर्चा करना है। प्री-समिट की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। तैयारियों के मद्देनज़र, कृष्ण कुणाल, स्कूल शिक्षा, भाषा एवं पुस्तकालय, पंचायती राज (प्रारंभिक शिक्षा) विभाग, नीरज के. पवन, शासन सचिव खेल एवं युवा मामले विभाग, डॉ.आरुषी ए. मलिक शासन सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, अविचल चतुर्वेदी, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त स्कूल शिक्षा परिषद सहित विभाग के उच्चाधिकारियों ने आयोजन स्थल पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- आज हो रहे इस प्री-समिट में शिक्षा के क्षेत्र के नवाचार, डिजिटल तकनीकों का उपयोग तथा निवेश की सम्भावनाओं पर गहन चिन्तन होगा।

'यूपी मदरसा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुए, इससे संबंधित इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि मदरसा एक्ट मदरसा शिक्षा के लिए वैध ढांचा उपलब्ध करा रहा है, जिसमें एन.सी.ई.आर.टी. के पाठ्यक्रम के अलावा, धार्मिक शिक्षा का भी प्रावधान किया गया है।

अदालत ने कहा कि मदरसों द्वारा उच्च शिक्षा की डिग्री देना गैर कानूनी है क्योंकि यह यूनिवर्सिटी ग्रान्ट्स कमीशन (यू.जी.सी.) एक्ट, 1956 के प्रावधानों के अनुकूल नहीं है।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला तथा मनोज मिश्रा की बैंच ने कहा कि जहां "मदरसा एक्ट राज्य विधायिका की वैधानिक क्षमता के अन्दर है", वहीं अधिनियम में "फाजिल" और "कामिल" के तेहत उच्च शिक्षा की डिग्री देना राज्य के दायरे में नहीं है यह यू. जी. सी. एक्ट की धारा 22 के प्रतिकूल है। यू.जी.सी. एक्ट उच्च शिक्षा के मानक एवं स्तर निर्धारित करता है तथा राज्य की विधायिका यू.जी.सी. एक्ट के प्रतिकूल उच्च शिक्षा को नियंत्रित करने की कोशिश नहीं कर सकती।"

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, "राज्य सरकार के अनुमोदन के साथ, बोर्ड ऐसे नियम बना सकता है, जो यह सुनिश्चित करें कि धार्मिक अल्पसंख्यक संस्थाएं, अपने अल्पसंख्यक चरित्र को नष्ट किए बिना, अपेक्षित स्तर की धर्मनिरपेक्ष शिक्षा प्रदान करेंगी।"

सी.बी.आई. ने छापों में 50 लाख रुपए बरामद किये

- जिन पर छापे पड़े वे सभी हेमन्त सोरेन के करीबी, पंकज मिश्रा के नज़दीकी सहयोगी हैं।

रांची, 05 नवंबर। झारखंड में विधानसभा चुनाव से आठ दिन पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के करीबी और उनके विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। सी.बी.आई. ने पंकज मिश्रा के करीबियों के 20 ठिकानों पर छापेमारी कर 50 लाख रुपये कैश जब्त किया है। सीबीआई सूत्रों ने बताया कि अवैध खनन मामले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार सहित 3 राज्यों में 20 स्थानों पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान 50 लाख रुपये नकद, एक किलो सोना और चांदी के कुछ आभूषण बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, साहिबगंज के 11 जगहों पर छापेमारी हुई तो रांची में 3 और कोलकाता और पटना में एक-एक जगह पर रेड किया गया।

पंकज मिश्रा बरहट विधानसभा के विधायक हेमंत सोरेन के प्रतिनिधि हैं। पंकज मिश्रा और कई लोगों के खिलाफ अवैध खनन मामले में सी.बी.आई. ने 2023 में एफ.आई.आर. दर्ज की थी।

योगेन्द्र पवार को नेतृत्व सौंपने का संकेत दिया शरद पवार ने

उन्होंने कहा, 30 साल मैंने जिम्मेवारी निभाई, 30 साल अजित को सौंपी, अब 30 साल योगेन्द्र को देने का समय आ गया

- शरद पवार ने कहा कि मैं 14 बार चुनाव लड़ चुका हूँ, और कितनी बार लड़ूंगा, कहीं न कहीं तो रूकना ही पड़ेगा।

मुबंई, 05 नवंबर। महाराष्ट्र में एक तरफ 20 नवंबर को मतदान होना है। वहीं दूसरी तरफ एन.सी.पी. (एस.पी.) के नेता शरद पवार ने अपने भाषण के माध्यम से अलग ही संकेत दिया है। बारामती जिले के सुपा गांव में चुनाव प्रचार के दौरान अपने संबोधन में शरद पवार ने स्पष्ट संकेत दिया कि अब बारामती, के लिए विकास के लिए अगले 30 साल की व्यवस्था करनी होगी। इसलिए अब यूगेंद्र पवार जैसे नए नेतृत्व की जरूरत है। बातों ही बातों में उन्होंने संकेत देते हुए कहा कि जिस तरह 30 साल पहले मैंने अजित पवार पर बारामती की जिम्मेदारी सौंपी थी, अब एक बार फिर वक्त आ गया है कि यूगेंद्र पवार अगले 30 साल बारामती का प्रतिनिधित्व करें।

अपने भाषण में शऱद पवार ने कहा, मैं लोकसभा में आप लोगों के दम पर चुनकर गया हूं। लेकिन मैंने तय किया अब लोकसभा चुनाव में नहीं लड़ूंगा, 25-30 साल लगातार चुनाव जीतने के बाद नई पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए। इसलिए 30 साल पहले मैंने यह फैसला किया कि अब मैं लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ूंगा और यहां की राजनीति पर अब मैं ध्यान नहीं दूंगा और मैंने सारी जिम्मेदारी अजित दादा पवार को सौंप दी थी। बीते 25-30 साल से यह जिम्मेदारी अजित दादा पर है। यानी कि पहले के 30 साल यह जिम्मेदारी मुझपर थी और उसके बाद अगले 30 साल अजित दादा पर थी।

उन्होंने कहा, यही कारण है कि अब अगले 30 साल की व्यवस्था करने की जरूरत है। अगर यह व्यवस्था करनी है तो फिर लोगों के बीच जाकर लोगों की समस्या को समझने और नज़रिया होने की जरूरत है। शरद पवार ने कहा कि वह 14 बार चुनाव लड़ चुके हैं, और कितनी बार चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कहीं न कहीं जाकर तो उन्हें रुकना ही पड़ेगा।

शरद पवार ने कहा कि मैं सत्ता में नहीं हूं, लेकिन राज्यसभा में जरूर हूं। अभी डेढ़ साल और बाकी हैं। लेकिन इस डेढ़ साल के बाद अब राज्यसभा में जाना है या नहीं, इसका विचार करना पड़ेगा। मैं लोकसभा चुनाव तो नहीं लड़ूंगा और ना ही कोई अन्य इलेक्शन लड़ूंगा। कितनी बार चुनाव लड़ेंगे?

"जे.एम.एम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डागा की जनसभाओं में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, सत्तारूढ़ झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, जे.एम.एम. का वास्तव में अर्थ "जमकर मलाई मारो" है, अन्यथा जे.एम.एम. के नेताओं और उनके पी.ए. ने करोड़ों रुपए कैसे जमा किए होते।

उन्होंने कहा, नया राज्य बनने के बाद से अब तक झारखण्ड में 13 मुख्यमंत्री बन चुके हैं और उनमें से कई जेल गए, जबकि, भाजपा का एक भी मुख्यमंत्री जेल नहीं गया। उन्होंने कहा, जे.एम.एम. की डूबती नाव पर कोई नहीं चढ़ना चाहता, और इसीलिए नई सरकार भाजपा के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. की होगी।

राजनाथ सिंह ने पिछड़े आदिवासियों के लिए बनाई गई प्रधानमंत्री जनमन योजना की बात की। उन्होंने कहा, साठ हजार आदिवासी गांवों को विकसित करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। उन्होंने कहा, इस बात की जांच होनी चाहिए कि आदिवासी, जो राज्य में सबसे ज्यादा थे, उनकी आबादी घटकर 28 प्रतिशत ही कैसे रह गई है।

उन्होंने यह भी खुलासा किया कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने लंदन के बैंक में 102 टन सोना "गिरवी" रखा था, जिसे मोदी सरकार धनतेरस के बाद वापस ले आई है।

रक्षा मंत्री ने यह घोषणा भी की कि गोगो दीदी योजना से हर महिला को हर महीने ग्यारह तारीख को 2100 रूपए मिलेंगे। इसके अलावा महिलाओं को 500 रूपए में रसोई गैस सिलैण्डर तथा 2 सिलैण्डर मुफ्त मिलेंगे।

धारीवाल पर फिर से चलेगा एकल पट्टे का मुकदमा

- सुप्रीम कोर्ट ने शांति धारीवाल व अधिकारियों को राहत देने वाले राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश को निरस्त कर हाईकोर्ट को पुनः सुनवाई कर 6 माह में उचित आदेश पारित करने को कहा।

जयपुर, 5 नवंबर। प्रदेश के चर्चित एकल पट्टा प्रकरण में पूर्व मंत्री शांति धारीवाल की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में राजस्थान हाईकोर्ट के उन आदेशों को रद्द कर दिया है, जिनके तहत तत्कालीन यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल के खिलाफ दर्ज एफ.आई.आर. और अदालती कार्रवाई को निरस्त करने के साथ ही. पूर्व आई.ए.एस. जी.एस. संधू सहित अन्य अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा वापस लेने को हरी झंडी दी गई थी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की खंडपीठ ने यह आदेश अशोक पाठक की स्पैशल लीव पिटीशन (एस.एल.पी.) पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने हाईकोर्ट को कहा है कि वह प्रकरण की पुनः सुनवाई कर छह माह में उचित आदेश पारित करे।

सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से पक्ष रखने वाले अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने बताया कि गत अप्रैल माह में राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश शपथ पत्र में प्रकरण में कोई आपराधिक मामला नहीं बनने की बात कही थी, लेकिन इस दौरान उनसे सलाह नहीं ली गई। वहीं, अब नया शपथ पत्र पेश कर हाईकोर्ट के आदेशों को रद्द करने की गुहार की गई थी। अति. महाधिवक्ता शर्मा ने बताया कि मामले में ए.सी.बी. ने तीन क्लोजर रिपोर्ट अदालत में पेश की थीं, वे धारीवाल सहित अन्य अधिकारियों से प्रभावित थीं। इन रिपोर्ट में सभी तथ्यों को शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में ए.सी.बी. कोर्ट ने दो क्लोजर रिपोर्ट को खारिज कर दिया था और तीसरी पर कोई निर्णय नहीं हुआ था। इस दौरान मामला हाईकोर्ट चला गया। हाईकोर्ट ने गत जनवरी माह में पूर्व आई.ए.एस. जी.एस. संधू, निष्काम दिवाकर और ओंकार मल सैनी के खिलाफ मुकदमा वापस लेने को सही माना और धारीवाल के खिलाफ प्रकरण खारिज कर दिया। हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ आर.टी.आई. कार्यकर्ता अशोक पाठक ने सुप्रीम कोर्ट में एस.एल.पी. दायर की थी, जिसमें कहा था कि शिकायतकर्ता से राजीनामे के आधार पर केस को रद्द नहीं किया जा सकता।

मामले के अनुसार, साल 2014 में रामशरण सिंह की ओर से गणपति कंस्ट्रक्शन कंपनी को एकल पट्टा जारी करने में धांधली का आरोप लगाते हुए ए.सी.बी. में शिकायत दी गई थी। ए.सी.बी. ने यू.डी.एच. के तत्कालीन सचिव जी.एस. संधू, जे.डी.ए. ज़ोन-10 के तत्कालीन उपायुक्त ओंकारमल सैनी और निष्काम दिवाकर सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। हाईकोर्ट ने 15 नवंबर, 2022 को आदेश जारी कर ए.सी.बी. में दर्ज एफ.आई.आर. और ए.सी.बी. कोर्ट में चल रही कार्रवाई तक को रद्द कर दिया था। इसके बाद हाईकोर्ट ने संधू सहित अन्य अधिकारियों के खिलाफ लंबित मुकदमा वापस लेने को हरी झंडी दे दी थी। इन दोनों आदेशों को अशोक पाठक ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

सी.बी.आई. ने छापों में 50 लाख रुपए बरामद किये

- जिन पर छापे पड़े वे सभी हेमन्त सोरेन के करीबी, पंकज मिश्रा के नज़दीकी सहयोगी हैं।

रांची, 05 नवंबर। झारखंड में विधानसभा चुनाव से आठ दिन पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के करीबी और उनके विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। सी.बी.आई. ने पंकज मिश्रा के करीबियों के 20 ठिकानों पर छापेमारी कर 50 लाख रुपये कैश जब्त किया है। सीबीआई सूत्रों ने बताया कि अवैध खनन मामले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार सहित 3 राज्यों में 20 स्थानों पर छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान 50 लाख रुपये नकद, एक किलो सोना और चांदी के कुछ आभूषण बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, साहिबगंज के 11 जगहों पर छापेमारी हुई तो रांची में 3 और कोलकाता और पटना में एक-एक जगह पर रेड किया गया।

पंकज मिश्रा बरहट विधानसभा के विधायक हेमंत सोरेन के प्रतिनिधि हैं। पंकज मिश्रा और कई लोगों के खिलाफ अवैध खनन मामले में सी.बी.आई. ने 2023 में एफ.आई.आर. दर्ज की थी।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908